खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 28 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-85

लोकसभा में आव्रजन विधेयक पारित, गृह मंत्री अमित शाह की दो टूक

देश धर्मशाला नहीं, आने वालों पर नजर रखेंगे

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल 2025 पर चर्चा के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने बिल के प्रावधानों पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत में आने के लिए वैध पासपोर्ट, वैध वीजा अनिवार्य होगा। बिना कागजात के भारत में प्रवेश करने पर कानून सम्मत तरीके से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने सख्ती से कहा, जाली दस्तावेजों के लिए कड़ी सजा के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीजा की अवधि खत्म होने पर भी देश में रहने वालों को ट्रैक किया जाएगा।

शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया और कहा कि जिस तरह के सवाल पूछे गए हैं, उनसे काफी हैरानी होती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने भाजपा को वोट दिया। हमने बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसे में सरकार के पास विदेशी लोगों की घुसपैठ, भारत आने वाले लोगों के पास वैध कागजात हैं या नहीं, इसकी जांच करने का पूरा अधिकार है।गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद गुरुवार शाम करीब 6.20 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विधेयक पारित होने का एलान किया। पहले स्पीकर बिरला ने

- सरकार के पास दस्तावेजों की जांच का पूरा अधिकार
- दुनिया की सबसे सूक्ष्म अल्पसंख्यक आबादी भारत में सुरक्षित
- देश की सुरक्षा से समझौता नहीं, सुरक्षा एजेंसियों को भी अहम अधिकार

विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों पर मतदान की औरचारिकताएं पूरी कीं। विपक्षी सांसदों की तरफ से पश अधिकांश संशोधन खारिज हो गए।

विधेयक पारित होने से पहले लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इमिग्रेशन कोई आइसोलेटेड मुद्दा नहीं है। देश की सीमा में कौन आता है, कब आता है, कितनी अवधि तक आता है और किस उद्देश्य से आता है, यह जानने का अधिकार देश की सरकार के पास है। ऐसा करना सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। पश्चिम बंगाल में 2026 का विधानसभा चुनाव जीतने का दावा करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि 450 किलोमीटर की सीमा राज्य सरकार की कृपादृष्टि के कारण अभी तक असुरक्षित है, लेकिन ऐसा लंबे समय तक नहीं चलेगा।

शाह ने कहा कि वे खुद 10 बार पत्र भेजकर राज्य सरकार से अपील कर चुके हैं, लेकिन सहयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठ करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है, उन्हें आधार कार्ड दिए जाते हैं। इन कारणों से देश की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं।

दूसरे देशों से आने वाले लोगों पर कानूनी कार्रवाई का जिक्र करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'भारत का शरणार्थियों के प्रति एक समृद्ध और गौरवशाली इतिहास रहा है। पारसी समुदाय हमारे देश में शरण लेने आये और आज वे पूर्णतः सुरक्षित हैं। दुनिया की सबसे सूक्ष्म अल्पसंख्यक आबादी आज भारत में सुरक्षित और सम्मान से जीवन जी रही है।'

गृह मंत्री ने कहा, 'जो लोग व्यापार, शिक्षा और निवेश के लिए भारत आते हैं, उनका स्वागत है, लेकिन जो हमारी सुरक्षा के लिए खतरा बनेंगे, उन पर कड़ी नजर और सख्त निगरानी होगी। यह विधेयक दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करेगा।' उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा व अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, मैन्युफैक्चरिंग व व्यापार को बढ़ावा देने, शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने व हमारे विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित बनाने के लिए भी आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक बेहद जरूरी है। इस विधेयक के कानून बनने के बाद भारत में आने वाले लोगों का संपूर्ण, व्यवस्थित, एकीकृत और अप-टू-डेट लेखा-जोखा होगा। इस विधेयक की धारा 3 में प्रवेश निषेध का प्रावधान है। इसके तहत अगर कोई व्यक्ति राष्ट्रीय सुरक्षा या देश की साख के लिए खतरा पाया जाता है, तो उसे प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां कोई भी व्यक्ति किसी भी उद्देश्य से आकर बस जाए। जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा होगा, उसे रोकने का अधिकार संसद के पास है। साथ ही, यह विधेयक सुरक्षा एजेंसियों द्वारा बनाई गयी ब्लैक लिस्ट को भी कानून प्रावधान देगा।

गृह मंत्री ने कहा कि आप्रवास संबंधी पुराने तीनों विधेयक 1920, 1939 और 1946 ब्रिटेन की संसद में बनाए गए थे। आज, हमारी पूरी आप्रवास नीति नए भारत की नई संसद में बनने जा रही है, ये हमारे लिए गौरव की बात है। ▶10 पर

शाह के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव का नोटिस खारिज

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश का विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस गुरुवार को खारिज कर दिया और कहा कि यह दुर्भावनापूर्ण, बदले की भावना वाला और मीडिया में चर्चा कराने के लिए है। श्री धनखड़ ने सुबह सदन में आवश्यक दस्तावेज रखवाने के बाद सदन को बताया कि श्री

शाह के वक्तव्य से किसी के विशेषाधिकार का हनन नहीं हुआ है इसलिए यह नोटिस अस्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि मीडिया में चर्चा पाने के लिए जल्दबाजी में विशेषाधिकारों से संबंधित नियमों का उल्लंघन किया गया है जो दुखद है। उन्होंने कहा कि सदन को सदस्यों की प्रतिष्ठा को बर्बाद करने का मंच नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नोटिस पर मीडिया में इस पर व्यापक चर्चा हुई है। ▶10 पर

तेलंगाना विधानसभा ने परिसीमन का विरोध करते हुए प्रस्ताव पारित किया

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)

तेलंगाना विधानसभा ने प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करते हुए गुरुवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें इसकी पारदर्शिता पर चिंता और जनसंख्या नियंत्रण उपायों को सफलतापूर्वक लागू करने वाले राज्यों के लिए संभावित नुकसान का हवाला दिया गया।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रस्ताव पेश करते हुए इस बात पर जोर दिया कि परिसीमन प्रक्रिया राज्य सरकारों, राजनीतिक दलों और अन्य संबंधित समूहों सहित सभी हितधारकों के साथ पारदर्शी परामर्श के बिना आगे नहीं बढ़नी चाहिए।

प्रस्ताव में विचाराधीन कार्यप्रणाली पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला गया कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया है, उन्हें संसद में प्रतिनिधित्व से वंचित करके दंडित नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि केवल जनसंख्या ही परिसीमन का एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए।

उन्होंने 42वें, 84वें और 87वें संविधान संशोधनों का जिक्र करते हुए बताया कि राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण का लक्ष्य अभी पूरी तरह हासिल नहीं हुआ है। श्री रेड्डी ने प्रस्ताव दिया कि संसदीय सीटों की कुल संख्या में बदलाव करने की बजाय नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व में वृद्धि सुनिश्चित करते हुए राज्यों के भीतर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

इसके अतिरिक्त, प्रस्ताव में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 और नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के अनुसार विधानसभा सीटों को 119 से बढ़ाकर 153 करने का आह्वान किया गया। सदन ने केंद्र सरकार से इस विस्तार को सुविधाजनक बनाने और तेलंगाना में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधन पेश करने का आग्रह किया।

राजस्थान, पंजाब हरियाणा और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 10 न्यायाधीशों की नियुक्ति

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

सरकार ने राजस्थान और पंजाब तथा हरियाणा उच्च न्यायालयों में सात स्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के तीन अपर न्यायाधीशों को उसी न्यायाल में एक वर्ष के लिए पुन: अपर न्यायाधीश नियुक्त किए जाने का निर्णय किया गया है।विधि एवं न्याय मंत्रालय की गरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायलय में चार अधिवक्ताऔर पंजाब उच्च न्यायालय के तीन अपर न्यायाधीश क्रमश: इन न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है,भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने' ये नियुक्तियां की हैं।सर्वश्री आनंद शर्मा, सुनील बेनीवाल, मुकेश राजपुरोहित और संदीप शाह (सभी अधिवक्ता) राजस्थान उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश बनाए गए हैं। ▶10 पर

राज्यसभा में जयशंकर का बड़ा खुलासा

श्रीलंका में 97 मछुआरे कैद, पचास साल पुरानी गलती का नतीजा

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आज राज्यसभा में कहा कि श्रीलंका की जेलों में कैद भारतीय मछुआरों की जो स्थिति है, वह 1974 और 1976 की घटनाओं के कारण मौजूदा भारत सरकार को विरासत में मिली है।

डॉ. जयशंकर राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान श्रीलंका की जेलों में कैद भारतीय मछुआरे के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। श्रीलंका के कानून के बारे में विदेश मंत्री ने बताया कि वहां इस मामले में दो कानून हैं, मत्स्य पालन और जलीय संसाधन अधिनियम 1996 और विदेशी मछली पकड़ने वाली नौकाओं का मत्स्य पालन विनियमन 1979, जिन्हें 2018 और 2023 में संशोधित कर ज्यादा कठोर सजा, जुर्माना और हिरासत का प्रावधान किया गया था। सजा काट रहे कई लोग नाव के मालिक, कैप्टन या बार-बार अपराध करने वाले हैं, जिसके कारण यह समस्या जटिल हो जाती है।

डीएमके सदस्य तिरुचि शिवा के सवाल के जवाब में डॉ. जयशंकर ने कहा कि सदन को मालूम है कि एक तरह से हमारी सरकार को यह समस्या विरासत में मिली है। यह समस्या 1974 में शुरू हुई, जब अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा खींची गई। उसके बाद 1976 में मछली पकड़ने के अधिकार क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए पत्रों का आदान-प्रदान हुआ। ये निर्णय इस स्थिति का मूल कारण हैं।

विदेश मंत्री ने श्रीलंका में कैद मछुआरों के मुद्दे को क्षेत्रीय संदर्भ के साथ रेखांकित करते हुए कहा कि जाहिर तौर पर क्षेत्रीय निकटता के कारण इनमें अधिकांश मछुआरे तमिलनाडु और पुद्दुचेरी से होंगे। श्रीलंका में कैद भारतीय मछुआरों की अद्यतन ▶10 पर

पुजारियों-ग्रंथियों को 20 हजार प्रतिमाह देने से भाजपा का इन्कार : आपा

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी (आपा)ने गुरुवार को कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि वह सरकार बनने पर पुजारियों और ग्रंथियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देगी लेकिन अब उसकी सरकार ने इससे इनकार कर दिया है। आपा विधायक अनिल झा ने कहा, पच्चीस मार्च को भाजपा की दिल्ली सरकार द्वारा बजट लाया गया। बजट में उन्होंने कई तरह के दावे और वादे किए हैं। हम हमेशा इस बात के पक्ष में रहे हैं कि सरकार को बजट या कार्यों का क्रियान्वयन करने के लिए समय मिले लेकिन नई सरकार द्वारा दिल्ली की जनता के लिए लाए गए बजट को देखकर मुझे हैरानी होती है। भाजपा ने कहा कि दिल्ली में रामराज्य की तरह सरकार चलाएंगे। भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी किया था और कहा था कि मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देगी। श्री झा ने कहा कि सबसे पहले 'आपा' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मंदिरों में पूजा करने वाले पुजारी, गुरुद्वारों में धार्मिक विषयों का ▶10 पर

पीएम मोदी का न्यौता दोस्त ने किया कबूल

भारत दौरे पर आ रहे हैं पुतिन, जयशंकर बोले

रूस से दोस्ती अटूट, 100 बिलियन का व्यापार लक्ष्य!

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आने के लिए तैयार हैं। रूसी विदेश मंत्री के अनुसार पुतिन की दिल्ली यात्रा के लिए 'वर्तमान में व्यवस्था की जा रही है'। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का कहना है कि भारत-रूस संबंध इतने मजबूत हैं कि बदलती दुनिया में भी आपसी हित साधते हुए वैश्विक भलाई का मार्ग तलाश लेते हैं।रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद की ओर से आयोजित 'रूस और भारत: टुवर्ड ए न्यू बाइलेट्रल एजेंडा' नामक सम्मेलन को आज रूस और भारत के विदेश मंत्रियों ने वीडियो कांफ्रेंसिग से संबोधित किया। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो बार भारत-रूस वार्षिक शिखर वार्ता और ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान मुलाकात हुई थी। सम्मेलन में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत और रूस के संबंध आपसी विश्वास और सम्मान की लंबी परंपरा के साथ लगातार मजबूत हो रहे हैं। इन संबंधों में बदलती दुनिया में आपसी लाभ तलाशते हुए वैश्विक भलाई में योगदान देने की असाधारण क्षमता है।विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को अधिक प्रगाढ़ करना हमारी विदेश नीति की साझा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, रक्षा और नागरिक-परमाणु सहयोग जैसे क्षेत्रों में पहले की ही तरह मजबूत सहयोग जारी है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, कनेक्टिविटी और डिजिटल अर्थव्यवस्था सहयोग के नए क्षेत्र बनकर उभर रहे हैं। भारत और रूस ने 2030 तक 100 बिलियन अमेरिकी डालर तक द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

विश्व हिंदू परिषद का ऐलान

देश भर में मनाया जाएगा श्रीराम महोत्सव

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)

देश भर में हिंदुत्व अभियान को मजबूत करने के उद्देश्य से विश्व हिंदू परिषद ने बड़ी घोषणा की है। विश्व हिंदू परिषद इस वर्ष रामनवमी और हनुमान जयंती के दौरान राष्ट्रव्यापी समारोह श्रीराम महोत्सव मनाएगा। ये कार्यक्रम पूरे 15 दिनों तक

राम नवमी से होगी शुरुआत

आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की शुरुआत 30 मार्च 2025 से होगी जो आगामी 15 दिनों तक जारी रहेगी। इस दौरान देश भर में कई स्थानों पर श्री राम महोत्सव के दौरान जुलूस निकाला जाएगा। इस दौरान धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि संगठन श्रीराम महोत्सव की देशव्यापी तैयारियां कर रहा है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37⁰
न्यूनतम : 26⁰

गोला-बारूद और मिसाइल क्षमता से लैस भारतीय नौसेना का 10वां बार्ज (शिप) लॉन्च

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

गोला-बारूद और मिसाइल की क्षमता से लैस भारतीय नौसेना के एक और अत्याधुनिक बार्ज (शिप) को लॉन्च किया गया है। मेक इन इंडिया के तहत बनाई जा रही ऐसी कुल 9 आधुनिक बार्ज पहले ही भारतीय नौसेना को मिल चुकी हैं।

गौरतलब है कि बार्ज एक प्रकार का छोटा जहाज है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से नौसेना के अत्याधुनिक हथियारों व उपकरणों को लाने ले जाने समेत कई अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों में किया जाता है। बार्ज सामान्यत: समुद्र या महासागर में बहुत आगे तक नहीं जाते हैं। लेकिन वे यहां तैनात बड़े नौसैनिक जहाजों के साथ संपर्क में रहते हैं। इसके अलावा नदियों, नहरों और अंतर्देशीय जलमार्गों में माल परिवहन के लिए भी इनका व्यापक उपयोग हो रहा है। यह भारतीय नौसेना की 10वें 'गोला-बारूद सह टारपीडो सह मिसाइल' (एसीटीसीएम), एलए-सएएम 24 (यार्ड 134) बार्ज है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इसे लॉन्च करने का समारोह मैसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कमोडोर राहुल जगत, एसपीएस, ▶10 पर

अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ

ट्रंप प्रभाव को कम करने के लिए भारत के पास जीत का रास्ता मौजूद

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ दो अप्रैल से लागू होने जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, आगामी टैरिफ को देखते हुए भारत द्वारा अमेरिका को कुछ प्रमुख क्षेत्रों में रियायतें देकर बातचीत को आगे बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही भारत को यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि देश के घरेलू उद्योग को इससे कोई नुकसान न पहुंचे। ट्रंप के लव फोर अ डील के बीच तेजी से बदलते वैश्विक व्यापार गतिशीलता में, एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारत के लिए कुछ आसान जीत की पहचान की है।

इनमें अमेरिका से ऊर्जा (कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस) आयात बढ़ाना, रक्षा खरीद और सहयोग को बढ़ाना, कुछ कृषि/खाद्य वस्तुओं पर शुल्क कम करना और विदेशी इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर शुल्क कम करना शामिल है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की मुख्य अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा कि वैल्यू चेन में सेक्टर या कमोडिटी लेवल के टैरिफ आकलन के आसपास की जटिलताओं को देखते हुए, ▶10 पर

अमेरिका में राज्यों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित 12 बिलियन डॉलर का अनुदान रद्द

वाशिंगटन, 27 मार्च (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी राज्यों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवंटित लगभग 12 बिलियन डॉलर का अनुदान रद्द कर दिया। यह संघीय अनुदान संक्रामक रोगों, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, व्यसन उपचार और अन्य जरूरी सेवाओं पर खर्च किया जा रहा था। प्रशासन ने यह पैसा कोविड-19 महामारी के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्यों को आवंटित किया था।

द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन की खबरों में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। संघीय विभाग और राज्यों के कई अधिकारियों ने बुधवार को ट्रंप प्रशासन के इस कदम की पुष्टि की। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज का कहना है कि कोविड महामारी अब खत्म हो चुकी है। करदाताओं के इस पैसे को अब बर्बाद नहीं किया जाएगा। प्रशासन को लगभग 30 दिनों में यह पैसा वापस आने की उम्मीद है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ काउंटी एंड सिटी हेल्थ ऑफिशियल्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लोरी ट्रेमेल फ्रीमैन ने कहा कि इस सप्ताह स्थानीय स्वास्थ्य विभागों और संगठनों को फंडिंग में इस समाप्ति के बारे में नोटिस भेजे गए थे। मिनेसोटा स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि राज्य को 226 मिलियन डॉलर का अनुदान प्राप्त हुआ था।

गैर लाभकारी संस्था डे ब्यूमोंट फाउंडेशन के अध्यक्ष और सीईओ ब्रायन कैस्ट्रुची ने इस कदम की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक विनाशकारी झटका है। टेक्सास में डलास स्वास्थ्य और मानव सेवा के निदेशक डॉ. फिलिप हुआंग ने कहा कि इस कदम से महामारी विज्ञान, संपर्क अनुरेखण और प्रयोगशाला परीक्षण प्रभावित होंगे। स्थानीय सामुदायिक केंद्रों में मधुमेह शिक्षा कार्यक्रमों जैसे प्रयासों पर भी असर पड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बस और घर पर हमला, 13 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बलूचिस्तान मुक्ति सेना) के लड़ाकों ने पाकिस्तान की संघीय सरकार की नींद उड़ा दी है। लड़ाके मुल्क के बलूचिस्तान में सरकार से सीधा मोर्चा ले रहे हैं। बलूचिस्तान देश का सबसे अशांत प्रांत है। बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति के बीच प्रांत में बस यात्रियों और एक घर को निशाना बनाकर किए गए दो अलग-अलग हमलों में 13 और लोग मारे गए। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी यूसुफ बंगहर ने बताया है कि ग्वादर में हमलावरों ने छह बस यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। सोहबतपुर में एक घर में हमला कर परिवार के सात सदस्यों की जान ले ली गई। सोहबतपुर हमले पर जिवानी थाने के एसएचओ खालिद दश्ती ने कहा कि सभी शव पासनी अस्पताल पहुंचा दिए गए हैं। मृतकों में महिला और तीन बच्चे भी हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ग्वादर हमले की निंदा की है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह कलात और नोशकी जिलों में कम से कम आठ लोगों (चार मजदूरों और चार पुलिसकर्मियों) की हत्या कर दी गई थी। हाल ही में नुश्की-दलबंदिन राजमार्ग पर अर्धसैनिक बलों के काफिले पर हुए विस्फोट में फ्रंटियर कोर (एफसी) के तीन सैनिकों सहित कम से कम पांच लोग मारे जा चुके हैं। इससे पहले बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके रेलवे ट्रैक को उड़ाकर जाफर एक्सप्रेस के यात्रियों को बंधक बना चुके हैं। संघीय सरकार का दावा है कि सुरक्षा बलों ने जटिल अभियान के बाद 33 लड़ाकों को मार गिराया और बंधक यात्रियों को बचाया।

दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने बेटी का नाम रखा हिंद

दुबई। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने बेटी का नाम हिंद अपनी मां शेखा हिंद बिंत मक्तूम बिन जुमा अल मक्तूम के सम्मान में रखा है। शेख हमदान दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम और शेखा हिंद बिंत मक्तूम बिन जुमा अल मक्तूम के दूसरे बेटे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। खास बात है कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम हिंद रखने का फैसला किया है। इससे पहले शाही जोड़े के दो बेटे और एक बेटी भी हैं। हमदान साल 2008 से ही दुबई के क्राउन प्रिंस हैं। साथ ही वह संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री भी हैं शेख हमदान सोशल मीडिया पर भी काफी ऐक्टिव रहते हैं। इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या करीब 17 मिलियन है। वह पोस्ट के जरिए अपनी जीवन की झलकियां साझा करते हैं।

वैज्ञानिकों ने एनाकोंडा की नई प्रजाति की खोज की

क्वीटो। वैज्ञानिकों ने विशालकाय एनाकोंडा की एक नई प्रजाति की खोज की है, जिसने शोधकर्ताओं को चौंका दिया है। वैज्ञानिकों ने इक्वाडोर के बैहुआरी वाओरानी क्षेत्र में इस विशाल एनाकोंडा को देखा।

यह खोज प्रोफेसर ब्रायन फ्राई के नेतृत्व में की गई, और इसे नेशनल जियोग्राफिक चैनल पर दिखाया जाएगा। नई खोजी गई इस प्रजाति का नाम नॉर्दर्न ग्रीन एनाकोंडा रखा गया है। यह 20 फीट से अधिक लंबा हो सकता है, जो अब तक के ज्ञात एनाकोंडा के आकार को भी पार कर गया है। शोधकर्ताओं की टीम ने जंगल में 10 दिनों तक खोज अभियान चलाया और इस दौरान उन्होंने कई नमूने पकड़े। इनमें से एक 20.7 फीट लंबा था, जबकि स्थानीय वाओरानी समुदाय के अनुसार इस क्षेत्र में कुछ एनाकोंडा 24 फीट से भी अधिक बड़े हो सकते हैं। यदि यह सत्यापित होता है, तो ये दुनिया के सबसे बड़े सांप साबित होंगे। वैज्ञानिकों के लिए यह खोज आसान नहीं थी। उन्हें डोंगी से नदियों के बीच से होते हुए जंगलों की गहराई में प्रवेश करना पड़ा। एनाकोंडा को उथले पानी में शिकार की प्रतीक्षा करते हुए देखा गया। शोधकर्ताओं ने कई नमूनों का अध्ययन किया, जिससे इस नई प्रजाति की विशिष्टता की पुष्टि हुई। यह खोज इस बात का सबूत है कि अमेजन के घने जंगल अब भी अनगिनत रहस्यों को समेटे हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य में ऐसी ही खोजें हमें प्रकृति के और भी अनदेखे जीवों से परिचित करा सकती हैं।

ट्रंप द्वारा निकाले गए सरकारी कर्मचारियों को खुफिया तरीके से चीनी कंपनियां कर रहीं भर्ती

वाशिंगटन, 27 मार्च (एजेंसियां)।

वाशिंगटन स्थित एक थिंक टैंक और मीडिया की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खुलासे में बताया गया कि चीनी द्वारा संचालित कंपनियों का एक खुफिया नेटवर्क हाल ही में नौकरी से निकाले गए अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को भर्ती कर रहा है। इस अभियान के तहत फर्जी परामर्श और हेडहंटिंग फर्मों का उपयोग किया जा रहा है, जो विशेष रूप से पूर्व सरकारी कर्मचारियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्चर्स को निशाना बना रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध नेटवर्क में चार कंपनियां शामिल हैं, जिनकी सार्वजनिक रूप से बहुत कम जानकारी मौंजूद है। ये कंपनियां एक ही वेबसाइट सर्वर का उपयोग करती हैं और उनकी डिजिटल उपस्थिति आपस में जुड़ी हुई मिली है। इसमें से एक इंटरनेट सेवा कंपनी स्मियाओ इंटेलिजेंस की वेबसाइट रिपोर्टिंग के दौरान अचानक गायब हो गई। जांच में पाया गया कि इन कंपनियों के फोन नंबर या बंद थे या फिर गलत पते दर्ज किए गए थे। लिंक्डइन और अन्य प्लेटफॉर्म से नौकरियों के विज्ञापन भी हटा दिए गए।

अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि यह नेटवर्क उन सरकारी कर्मचारियों की आर्थिक कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है, जो हाल ही में छंटनी के कारण बेरोजगार हुए हैं। वेवमैक्स इनोवेशन नाम की एक कंपनी ने क्रेग्सलिस्ट पर नौकरियों के विज्ञापन दिए थे, जिसमें हाल ही में निकाले गए अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाया गया था। इसी तरह, रिवरमर्ज स्ट्रेटेजीज नामक एक और कंपनी ने खुद को भू-राजनीतिक जोखिम परामर्श फर्म बताकर लिंक्डइन पर उच्च पदों के लिए आवेदन मांगे।

हालांकि, अभी तक यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि इन कंपनियों का चीन सरकार से कोई संबंध है या नहीं। लेकिन व्हाइट हाउस ने चेतावनी दी है कि चीन अमेरिका की खुली प्रणाली का फायदा उठाने के लिए जासूसी और अन्य रणनीति अपनाता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस कथित नेटवर्क की जांच कर रही हैं और पूर्व सरकारी कर्मचारियों को किसी भी संदिग्ध नौकरी प्रस्ताव से सावधान रहने की सलाह दी गई है।

बेहद हल्की गैलेक्सी की खोज की वैज्ञानिक ने

वाशिंगटन। अमेरिकी खगोलविदों ने एक बेहद हल्की गैलेक्सी की खोज की है। यह गैलेक्सी हमारी पड़ोसी एंड्रोमेडा गैलेक्सी के चारों ओर घूम रही है। खगोलविदों ने इस गैलेक्सी को एंड्रोमेडा एक्सएक्सएक्सवी नाम दिया गया है। यह अब तक देखी गई सबसे फीकी और सबसे छोटी गैलेक्सी है। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी छोटी गैलेक्सी अब तक बची कैसे रही, क्योंकि अब तक माना जाता था कि इतनी हल्की आकाशगंगाएं ब्रह्मांड की शुरुआती गर्म और घनी परिस्थितियों में टिक नहीं पातीं। लेकिन एंड्रोमेडा एक्सएक्सएक्सवी इस धारणा को गलत साबित कर रही है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के खगोलविद एरिक बेल का कहना है कि यह गैलेक्सी पूरी तरह से सक्रिय है, लेकिन यह हमारी मिल्की वे की तुलना में दस लाख गुना छोटी है। इसे इस तरह समझा जा सकता है जैसे कोई परफेक्ट इंसान जो सिर्फ एक चावल के दाने के आकार का हो। बौनी गैलेक्सियां कोई नई बात नहीं हैं, क्योंकि मिल्की वे के आसपास भी कई छोटी गैलेक्सियां पाई जा चुकी हैं। लेकिन एंड्रोमेडा के मामले में उसकी चमक इतनी ज्यादा है कि उसके चारों ओर मौजूद बौनी गैलेक्सियां अब तक हमारी नज़रों से छुपी रही थीं। यही कारण है कि पहली बार एंड्रोमेडा के पास इतनी हल्की और छोटी गैलेक्सी की खोज हुई है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के खगोलविद मार्कोस एरियास और उनकी टीम ने कई बड़े खगोलीय डेटा सेटों का विश्लेषण किया और हबल स्पेस टेलीस्कोप की मदद से इस गैलेक्सी को पहचाना। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह केवल एक सैटेलाइट गैलेक्सी नहीं है, बल्कि इतनी छोटी है कि यह हमारी गैलेक्सी निर्माण की अवधारणाओं को चुनौती दे सकती है। आमतौर पर बड़ी गैलेक्सियां अपने आसपास की छोटी गैलेक्सियों से गैस खींच लेती हैं, जिससे नई तारों की उत्पत्ति रुक जाती है और गैलेक्सी धीरे-धीरे खत्म हो जाती है।

यमन पर हमले से पहले जानकारी लीक होने पर बोलीं तुलसी गबार्ड.......गलती हुई लेकिन..

वाशिंगटन, 27 मार्च (एजेंसियां)।

यमन में हूती विद्रोहियों पर अमेरिकी लड़ाकू विमानों द्वारा किए जाने वाले हवाई हमलों की जानकारी लीक होने से अमेरिका में हड़कंप मचा हुआ है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड ने स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में गलती से एक वरिष्ठ पत्रकार, जेफरी गोल्डबर्ग, को चैट में जोड़ दिया गया था। उन्होंने कहा कि जिस चैट की बात की जा रही है, उसमें अस्पष्ट लेकिन संवेदनशील जानकारी शामिल थी। हालांकि, उसमें हूती विद्रोहियों पर हमले से जुड़ी कोई खुफिया जानकारी नहीं थी। हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के सामने सफाई देते हुए तुलसी गबार्ड ने बुधवार को कहा, कि बातचीत अस्पष्ट लेकिन संवेदनशील थी। लेकिन जैसा कि राष्ट्रपति और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा, इस चैट में कोई भी गोपनीय जानकारी जैसे कि किस तरह का हमला होगा, किस जगह पर होगा, किस तरीके का होगा - इस तरह की कोई भी जानकारी शामिल हीं थी। जांच की उठी मांग अमेरिकी सैन्य अभियान की जानकारी लीक होने पर डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने रिपब्लिकन पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए इसकी गहन जांच की मांग की है। हाउस इंटेलिजेंस कमेटी ने भी इस मुद्दे पर पूरी तरह से जांच करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे एक छोटी सी भूल कहकर ज्यादा महत्व न देने की बात कही। व्हाइट हाउस और डेमोक्रेट्स की प्रतिक्रिया बुधवार को डेमोक्रेटिक पार्टी ने रिपब्लिकन्स के इन दावों को खारिज कर दिया। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मीडिया से बात करते हुए स्वीकार किया कि एक पत्रकार को खुफिया जानकारी मिलना प्रशासन की सबसे बड़ी गलती है। हालांकि, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि साझा की गई कोई भी जानकारी ऑपरेशन या सैनिकों के जीवन के लिए खतरा नहीं बनी। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविन ने प्रेस से बात करते हुए इस विवाद को डेमोक्रेट्स की राजनीतिक चाल बताया।

नेपाल में दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके, घबराए लोग घरों से निकले बाहर

नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हुमला जिले में बुधवार शाम को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के तेज झटकों से दहशत में आए लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र काठमांडू से 425 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित हुमला जिले के कालिका इलाके में था। भूकंप के कारण पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। इसी बीच, अनुसंधान केंद्र के अनुसार, शाम 6.27 बजे भी भूकंप के झटके लगे, जिनकी तीव्रता 5.5 मापी गई। इसका केंद्र तिब्बत के टिंगरी काउंटी में था और इसके झटके काठमांडू में भी महसूस किए गए। नेपाल में कुछ समय के अंतराल पर दो बार भूकंप के झटकों ने लोगों को डरा दिया।

अमेरिका में अब आयातित कारों पर 25 फीसद टैरिफ, कीमतें बढ़नी तय

न्यूयॉर्क, 27 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका में अब आयातित कारों और ट्रकों को 25 प्रतिशत टैरिफ के दायरे में लाया गया है। यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को की। इससे इम्पोर्टेड वाहन की कीमत बढ़ने की पूरी संभावना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में बिकने वाले वाहनों में से लगभग आधे आयातित होते हैं। नया ट्रैफिक तीन अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। ट्रंप की इस घोषणा का उद्देश्य अमेरिका की ऑटो विनिर्माण क्षमता का विस्तार करना है। मुक्त व्यापार समझौते के कारण कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका के ऑटोमेकर्स अब तक ट्रैफिक की किचकिच से दूर थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को ओवल ऑफिस में इस आशय की कार्यकारी घोषणा पर हस्ताक्षर करने से पहले संवाददाताओं से कहा- सच कहूं तो, दोस्त अकसर दुश्मन से बहुत बुरे होते हैं। और हम जो करने जा रहे हैं वह संयुक्त राज्य अमेरिका में नहीं बनी सभी कारों पर 25 फीसद टैरिफ लगाना है। संयुक्त राज्य अमेरिका में बनी कारों पर टैरिफ नहीं होगा। नया टैरिफ केवल विदेशी निर्मित कारों पर ही नहीं बल्कि इंजन और ट्रांसमिशन सहित कार के पुर्जों पर भी लागू होगा। कार के पुर्जों पर टैरिफ तीन मई से पहले लागू होगा। ट्रंप ने कहा कि वह तीन बड़ी ऑटोमेकर कंपनियों, स्टेलेंटिस, फोर्ड और जनरल मोटर्स के संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की घोषणा के बाद तीनों कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। जनरल मोटर्स (जीएम) के शेयरों में सात फीसद से अधिक की गिरावट आई। जीप, रैम, क्रिसलर और डॉज कारों का निर्माण करने वाली कंपनियों फोर्ड (एफ) और स्टेलेंटिस (एसटीएलए) के शेयरों में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इस टैरिफ से महत्वपूर्ण विनिर्माण उद्योग को नुकसान पहुंचने का अंदेशा और अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ने का खतरा है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि 2024 में अमेरिकियों द्वारा खरीदी गई लगभग 16 मिलियन कारों, एसयूवी और हल्के ट्रकों में से आधे आयातित थे।

आईपीएल खेलों में नेपाल से 200 करोड़ की सट्टेबाजी का खुलासा, 11 भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, 27 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में जारी आईपीएल खेलों में ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने के आरोप में पुलिस ने 11 भारतीय नागरिक को काठमांडू से गिरफ्तार किया है। जांच में अब तक यहां से 200 करोड़ रुपये की ऑनलाइन सट्टेबाजी का खुलासा हुआ है।

केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रवक्ता एसपी सुधीर राज शाही ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि बुधवार देर रात को आईपीएल खेलों की लाइव सट्टेबाजी की सूचना मिली थी। इसके आधार पर देर रात को काठमांडू के बूढ़ानीलकंठ इलाके में एक किराए के मकान में छापा मार कर 11 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार हुए सभी भारतीय राजस्थान के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 19 से 28 साल के बीच की है।

गिरफ्तार होने वालों में सन्नी मीणा (24), मोहित वर्मा (25), पीयूष भारद्वाज (26), हरकेश दादिया (25), निशांत भारद्वाज (22), आकाश वर्मा (23), अंकित कुमार सैनी (19), संजू शुक्ला (23), राम सिंह जाट (28), लोकेश कुमार (19) और विकास कुमार (19) शामिल हैं। सीआईबी ने इस दौरान 34 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप, हिसाब किताब रखने वाली चार रजिस्टर, भारत के अलग-अलग बैंकों के 14 चेकबुक, भारतीय बैंकों के 27 एटीएम और अलग-अलग कंपनियों के 40 भारतीय सिमकार्ड बरामद किए हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि सट्टेबाजी के लिए वाट्सऐप, फेसबुक मैसेंजर, टेलीग्राम, इंस्टा चैट, वी-चैट और सिग्नल जैसे ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीआईबी के मुताबिक इनका मास्टरमाइंड नेपाल और भारत के बाहर किसी तीसरे देश में बैठकर इन सभी को निर्देशित करता है। उस शख्स से पकड़े गए किसी भी आरोपित ने तक न तो मुलाकात की है और न ही उसको कोई पहचानता है।

युवती ने शुगर डैडी की तलाश में अपनाया अनोखा तरीका

सिडनी। आस्ट्रेलिया के शहर सिडनी की रहने वाली 22 साल की शियाने फॉक्स अपने अनोखे कदम की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में शियाने ने अपने लिए एक अमीर बुजुर्ग साथी ढूंढने का अनोखा तरीका अपनाया। युवती ने एक चलते-फिरते ट्रक पर अपना विज्ञापन लगवाया, जिसमें उन्होंने अपने लिए एक शुगर डैडी की तलाश का ऐलान किया। इस विज्ञापन में शियाने की बोल्ड तस्वीर के साथ उनका फोन नंबर और इंस्टाग्राम हैंडल भी दिया गया था। ट्रक पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था, क्या आप अमीर, बुजुर्ग और अकेले हैं मैं एक शुगर डैडी की तलाश में हूं। इस विज्ञापन के लिए शियाने ने करीब 2,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 1.08 लाख रुपये) खर्च किए और इसे मॉस्मन इलाके में चलवाया, जो ऑस्ट्रेलिया के सबसे संपन्न इलाकों में से एक है। यहां कई अमीर और बुजुर्ग लोग रहते हैं, जिन्हें शियाने अपने लिए एक आदर्श साथी मानती हैं। इस ट्रक के चलते ही उन्होंने रातोंरात सुर्खियां बटोर लीं और सोशल मीडिया पर भी छा गईं। विज्ञापन के चलते उन्हें कई अमीर लोगों के संदेश और कॉल आने लगे। उन्होंने बताया कि वह केवल उन्हीं को जवाब देती हैं, जो पहले अपने बैंक बैलेंस का स्क्रीनशॉट भेजते हैं।

कश्मीर घाटी के लिए पहली ट्रेन को मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

रफ्तार से चल पड़ी है कश्मीर के विकास की ट्रेन

शेष भारत को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाली ट्रेन 19 अप्रैल से रफ्तार भरेगी

जम्मू, 27 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के लिए पहली ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखाएंगे। दुनियाभर में यह संदेश बहुत पुख्तगी से चर्चा में है कि कभी आतंक, भ्रष्टाचार और धार्मिक कट्टरता की बीमारी से ग्रस्त रहे कश्मीर में विकास की ट्रेन पूरी रफ्तार से चल पड़ी है। शेष भारत को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाली ट्रेन 19 अप्रैल से रफ्तार भरने लगेगी। कश्मीर और शेष भारत के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित रेलवे कनेक्शन 19 अप्रैल को हकीकत बनने जा रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कटरा से घाटी के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित अन्य लोगों की मौजूदगी में होगा।

यह कश्मीर को रेल से जोड़ने के दशकों पुराने प्रयासों के पूरा होने का प्रतीक है। वर्तमान में, रेल सेवाएं केवल संगलदान और बारामुल्ला के बीच संचालित होती हैं, जबकि लंबी दूरी की ट्रेनें कटरा में समाप्त होती हैं। नई सेवा इस महत्वपूर्ण अंतर को पाट देगी, जिससे यात्री कश्मीर तक निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले, पीएम मोदी रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का दौरा करेंगे। अधिकारी उन्हें इसके निर्माण और इंजीनियरिंग की उपलब्धि के रूप में इसके महत्व के बारे में जानकारी देंगे। निरीक्षण के बाद, मोदी कटरा जाएंगे, जहां वे नई ट्रेन सेवा का उद्घाटन करेंगे और एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे उधमपुर आर्मी एयरपोर्ट से नई दिल्ली लौटेंगे।

शुरू में, ट्रेन कटरा और बारामुल्ला के बीच चलेगी। हालांकि, जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद संभवतः जुलाई-अगस्त तक ट्रेन सेवाएं कटरा के बजाय जम्मू से शुरू होंगी। अभी तक, दिल्ली या अन्य शहरों से कश्मीर के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं है। यात्रियों को कटरा और बाद में जम्मू में ट्रेन बदलनी होती है। ट्रेन सेवा की तैयारियों में सुरक्षा पर मुख्य ध्यान दिया गया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने हाल ही में शीर्ष रेलवे अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की, ताकि सुरक्षित प्रक्षेपण सुनिश्चित किया जा सके।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक 272 किलोमीटर तक फैला है, जिसमें से 209 किलोमीटर को 2009 से विभिन्न चरणों में चालू किया गया। रियासी और कटरा के बीच अंतिम 17 किलोमीटर का हिस्सा तीन महीने पहले पूरा हो गया था, जिससे वंदे भारत एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के सफल ट्रायल रन की अनुमति मिली। 41,000 करोड़ रुपए की लागत वाली यह पूरी परियोजना भारत के सबसे चुनौतीपूर्ण बुनियादी ढांचे को पूरा करने में से एक रही है।

अब कश्मीर को एक विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत एक्सप्रेस भी मिलेगी जो कटरा और श्रीनगर के बीच चलेगी। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री द्वारा निर्मित, यह ट्रेन एंटी-फ्रीजिंग तकनीक से लैस है, जो माइनस 20 डिग्री सेल्सियस से भी कम तापमान में सुचारू रूप से संचालित होगी। इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए उन्नत हीटिंग सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे और इमरजेंसी यूनिट सहित कई सुरक्षा सुविधाएं भी हैं। इस ट्रेन में अतिरिक्त सुरक्षा के लिए शैटरप्रूफ खिड़कियां हैं।

श्रीनगर पहुंचाने में चिनाब और अंजी खड्ड पुल का अहम रोल

जम्मू, 27 मार्च (एजेंसियां)। श्रीनगर तक रेल पहुंचाने में जिन दो रेलवे पुलों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी उसकी कथा भी दिलचस्प और रोमांच से भरी हुई है। इनमें से एक चिनाब रेलवे ब्रिज जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बना यह पुल जहां एक तरफ भारतीय इंजीनियर्स के कौशल और तकनीक का बेजोड़ नमूना है वहीं खूबसूरती के मामले में भी यह बेमिसाल है। आर्च यानी मेहराब तकनीक पर तैयार यह पुल चिनाब नदी की सतह से 359 मीटर ऊंचाई पर बनाया गया है। इसकी ऊंचाई एफिल टावर से भी करीब पैंतीस मीटर ज्यादा है। 1486 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए इस बेमिसाल रेलवे पुल के निर्माण को मंजूरी 22 साल पहले 2003 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने दी थी। पुल के निर्माण में भले ही 22 साल का वक्त लग गया हो, लेकिन कटरा श्रीनगर रेल रूट के शुरू होने के बाद कश्मीर घाटी अब देश के बाकी हिस्सों से रेल मार्ग से भी सीधे तौर पर जुड़ जाएगी।

1315 मीटर लंबाई वाले दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे पुल की सबसे बड़ी खासियत है कि इसके निर्माण में ना तो नदी से कोई छेड़छाड़ की गई है और ना ही उसमें कोई पिलर खड़ा किया किया है। नदी के दोनों किनारों पर आर्च यानी मेहराब तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। स्टील और कंक्रीट से तैयार पुल के निर्माण में 29000 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। पुल के लिए 17 स्पैन तैयार किए गए हैं, जबकि इसमें छह लाख से ज्यादा बोल्ट लगाए गए हैं। चिनाब रेलवे ब्रिज की लाइफ तकरीबन सवा सौ साल की होगी।

तेज तूफान - भूकंप और 30 किलो विस्फोटक का इस पर कोई असर नहीं होगा। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर ट्रेनें सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगी। यह पुल जहां मजबूती और तकनीक के मामले में बेमिसाल है, वहीं यह बेहद खूबसूरत भी है। यह जम्मू कश्मीर में पर्यटन का एक नया केंद्र भी बन सकता है, यही वजह है कि पुल को नजदीक से देखने के लिए अलग से व्यू प्वाइंट भी बनाया गया है। इसके साथ ही पुल पर रेलवे ट्रैक के अगल-बगल काफी जगह छोड़ी गई है। पुल के नजदीक एक हेलीपैड भी तैयार कराया गया है। पुल पर बने सिंगल लाइन के रेल ट्रैक से जब बादलों और बर्फबारी के बीच ट्रेनें गुजरेगी, तो चिनाब ब्रिज समूची दुनिया में भारत को अलग पहचान दिलाएगा।

इसी प्रकार से अंजी खड्ड रेल पुल चिनाब ब्रिज से महज 13 किमी की दूरी पर देश का पहला केबल-स्टेड ब्रिज रेल पुल बनाया गया है। चिनाब की सहायक नदी अंजी पर बना केबल-स्टेड ब्रिज तकनीक और भारतीय इंजीनियरिंग कौशल का बेजोड़ नमूना है। केबल-स्टेड ब्रिज की ऊंचाई फ्रांस के एफिल टावर समान है। सिर्फ एक पिलर पर खड़े अंजी खड्ड रेल पुल को केबल तकनीक पर तैयार किया गया है। केबल-स्टेड ब्रिज रियासी रेलवे स्टेशन के पास स्थित है। केबल तकनीक से तैयार देश का पहला रेल पुल है।

कठुआ मुठभेड़ में 2 आतंकवादी मारे गए, 5 सुरक्षाकर्मी घायल

जम्मू, 27 मार्च (ब्यूरो)। कठुआ जिले के सुदूर जंगली इलाके में भीषण मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए। गोलीबारी में पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। घायलों में से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। इनमें एक डीएसपी रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने करीब पांच आतंकवादियों के घुसपैठिए समूह को बेअसर करने के लिए अपना अभियान तेज कर दिया है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह वही गिरोह था जो कठुआ क्षेत्र के सान्याल जंगल में पहले की घेराबंदी से बचकर भाग रहा था या फिर हाल ही में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों का कोई दूसरा गिरोह।

हीरानगर से चार दिन पहले भागे आतंकियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध स्थान के करीब पहुंचे, उन पर भारी गोलीबारी शुरू हो गई। इसमें एसडीपीओ (बार्डर) धीरज कटोच और चार जवान घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल सुविधा में ले जाया गया है।

चार दिन पहले हीरानगर के सन्याल गांव से जो चार से पांच आतंकी मुठभेड़ के बाद बाद निकले थे उनके साथ आज सुबह ही सुरक्षाबलों की मुठभेड़ शुरू हुई थी। वे सभी कठुआ जिले के जुथाना गांव में छिपे हुए मिले थे। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के कठुआ में आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। वे जुथाना के ऊपरी इलाकों में आतंकी छिपे हुए थे, जहां सर्च आपरेशन के जरिए सुरक्षाबलों ने कार्रवाई की है। ये आतंकवादी जैशे मुहम्मद संगठन से जुड़े हुए बताए गए हैं। सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच जबरदस्त गोलीबारी की सूचना है।

कठुआ जिले के जंगली इलाकों में घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के एक समूह का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर बहुस्तरीय तलाशी अभियान बुधवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा था और आज पांचवें दिन आतंकियों को घेर लिया गया है। एक स्थानीय महिला ने मंगलवार को पुलिस को सूचना दी थी कि जिले के डिंग अंब बेल्ट में खाना खाते समय सेना की वर्दी में दो लोगों ने उससे पानी मांगा, जिसके बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांबा-कठुआ सेक्शन में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सीमावर्ती सड़कों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। सन्याल से डिंग अंब और उससे आगे कई इलाकों में तलाशी अभियान चल रहा है, जो कई किलोमीटर तक फैला हुआ है। तकनीकी और निगरानी उपकरणों से लैस सेना, एनएसजी, बीएसएफ, पुलिस, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और सीआरपीएफ के इस अभियान में हेलीकॉप्टर, यूएवी, ड्रोन, बुलेटप्रूफ वाहन और खोजी कुत्तों की मदद ली जा रही है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने कई इलाकों में कई लोगों से पूछताछ की है और पूछताछ के लिए तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जबकि मंगलवार को तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने दो ग्रेनेड बरामद किए। सान्याल के जंगलों में गोला-बारूद और अन्य सामग्रियों के बड़े भंडार के बीच मिले ट्रैकसूट पिछले साल जून और अगस्त में अस्सर के जंगलों और डोडा में मारे गए चार जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादियों द्वारा पहने गए ट्रैकसूट के समान थे। क्षेत्र के स्थानीय लोग सुरक्षा बलों के अभियान में शामिल हो गए हैं और अन्य क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की किसी भी गतिविधि की सूचना देने का आग्रह किया है। कई ग्रामीणों ने लोगों से अपने क्षेत्रों में आतंकवादियों की आवाजाही के बारे में जानकारी देने के लिए आगे आने का अनुरोध किया है। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात के नेतृत्व में अभियान रविवार शाम को हीरानगर सेक्टर में सुरक्षा बलों और एक नर्सरी में छिपे आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के बाद शुरू किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस के विशेष अभियान समूह ने पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग पांच किलोमीटर दूर सान्याल गांव में एक नर्सरी में ढोक (स्थानीय बाड़े) के अंदर छिपे आतंकवादियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अभियान शुरू किया।

गाजियाबाद में शीघ्र बनेगा रामायण पार्क

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने शुरू की तैयारी

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार गाजियाबाद के विकास और विभिन्न प्रकार की अवस्थापना सुविधाओं के निर्माण व विकास पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) रामायण पार्क, संस्कृति दर्शन पार्क तथा ग्रीनवुड पार्क के निर्माण व विकास कार्यों की प्रक्रिया को अप्रैल से शुरू करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि रामायण पार्क को रामायण बेस्ड थीमपार्क के तौर पर विकसित करने का मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। यहां 5डी मोशन चेयर थिएटर तथा शीशा घर का निर्माण होगा, जबकि होलोग्राफिक प्रोजेक्शंस, लाइट एंड साउंड शो समेत रामायणकालीन पात्रों की विभिन्न कलाकृतियों की स्थापना का कार्य 26.26 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पूरा किया जाएगा।

इसी प्रकार, संस्कृति दर्शन पार्क व ग्रीनवुड पार्क में भी 16.57 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण व विकास के विभिन्न कार्यों को पूरा करने की तैयारी है जिसकी शुरुआत अप्रैल माह से होगी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) का उद्देश्य विजिटर्स के लिए एक इमर्सिव व शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने का है। रामायण पार्क के माध्यम से विजिटर्स को आधुनिक तकनीक के साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के समायोजन के रूप में रामायण आधारित थीम पार्क बनाया जाएगा। यह पार्क एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में काम करेगा, जो निवासियों व आगंतुकों को समान रूप से आकर्षित करेगा तथा शहर की पहचान के तौर पर काम करेगा जिससे सामुदायिक गौरव की भावना को बढ़ावा मिलेगा। मास्टर प्लान के अनुसार, यहां रामायण काल के पात्रों की 15 कलाकृतियों समेत 45 कलाकृतियों की स्थापना तथा मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी मनोरंजन तत्वों, शीशा घर यानी मिरर भूलभुलैया, होलोग्राफिक प्रोजेक्शन, मोशन चेयर 5 डी थिएटर तथा किड्स एक्टिविटी एरिया जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इस पार्क के विकास के लिए चिन्हित की गई भूमि कोयल एन्क्लेव, लोनी भोपुरा रोड पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 22,700 वर्ग मीटर (5.61 एकड़) है। पार्क में एंट्री टिकट फीस, पार्किंग फीस, एडवर्टाइजमेंट, शीशा घर तथा मोशन चेयर 5डी ऑडिटोरियम से होने वाली कमाई के जरिए जीडीए के राजस्व में भी वृद्धि होगी। इन सभी कार्यों को एक वर्ष की समयावधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

जीडीए द्वारा तैयार किए गए मास्टर प्लान के अनुसार, संस्कृति दर्शन पार्क के विकास के लिए चिन्हित भूमि हाथी पार्क/रानी अवंती बाई पार्क में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 10.3 एकड़ है। यहां किड्स एक्टिविटी एरिया के साथ ही विभिन्न प्रकार की नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। विशेष रूप से यहां ऐसी कलाकृतियों की स्थापना भी की जाएगी जो कि रीसाइक्ल्ड मटीरियल से बनी होगी और पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करेगी। इसी प्रकार, ग्रीनवुड पार्क का विकास निम्बू पार्क में किया जाएगा जिसका क्षेत्रफल 3.95 एकड़ है। यहां फूड कियोस्क का भी विकास किया जाएगा जहां विजिटर्स विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का जायका ले सकेंगे। इन दोनों पार्कों के विकास कार्यों को पूरा करने के लिए 6 महीने की समयसीमा तय की गई है। दोनों पार्कों में 22 विशिष्ट प्रकार की कलाकृतियों की स्थापना भी की जाएगी। रामायण पार्क, संस्कृति दर्शन पार्क तथा ग्रीनवुड पार्क में सीसीटीवी इंस्टॉलेशन समेत टॉयलेट ब्लॉक्स व वॉकिंग लेन निर्माण समेत विभिन्न कार्यों को भी परियोजना के अंतर्गत पूरा किया जाएगा

महंगाई, बेरोजगारी से लोग परेशान, ट्रम्प के टैरिफ लगाने का होगा नकारात्मक असर: विपक्ष

नई दिल्ली , 27 मार्च (एजेंसियां)। विपक्षी सदस्यों विशेषकर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्यों ने वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट की कड़ी आलोचना करते हुये गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि इसमें बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से निपटने के लिए कोई उपाय नहीं किये गये हैं और राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है तथा अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाये जाने को देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

कांग्रेस सदस्य एवं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने विनियोग (संख्यांक तीन) विधेयक 2025 और वित्त विधेयक 2025 पर सदन में चर्चा की शुरूआत करते हुये कहा कि बजट करीब आठ सप्ताह पहले पेश किया गया लेकिन इसपर कहीं कोई चर्चा नहीं हो रही है। उन्होंने कहा मैं जहां भी जाता हूं, जहां भी बोलता हूं, कोई भी बजट को याद नहीं रखता, कोई भी इस पर चर्चा नहीं करता।

उन्होंने मोदी सरकार की राजकोषीय नीति को सराहनायोग्य बताते हुये कहा कि केंद्र सरकार के ऋण को सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कम करने का इरादा अच्छा है लेकिन जब मई 2014 में इस सरकार ने सत्ता संभाली थी, तो राजकोषीय घाटा 4.5 प्रतिशत था जो 2018-19 में कम होकर 3.4 प्रतिशत पर आ गया लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर फिर से 4.8 प्रतिशत पर पहुंच गया जिससे साफ पता चला है कि सरकार अर्थव्यवस्था का सफलतापूर्वक प्रबंधन नहीं कर पा रही है। हर सरकार को संकट का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था पर दवाब बना था और यह पूरी दुनिया के साथ हुआ था। अब उसके बाद जब वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था बढ़ रही है तो घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आ गयी है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी से जहां आम लोग और युवा परेशान है वहीं बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य के आवंटन को कम कर दिया गया है। देश में वेतन के ठहराव की स्थिति बन गयी है जिससे नौकरी-पेशा लोग भी महंगाई से परेशान हो गये हैं।

उन्होंने कहा कि संरक्षणवाद से अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है। यह विश्व व्यापार के लिए सही नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रम्प द्वारा दो अप्रैल 2025 से भारतीय उत्पादों पर कर बढ़ाये जाने की घोषणा का उल्लेख करते हुये कहा कि बजट में अमेरिका के कई उत्पादों को ध्यान में रखकर टैरिफ कम किये जाने के बावजूद श्री ट्रम्प मानने को तैयार नहीं है।अब सरकार ने गूगल कर को कल हटाने की घोषणा की है तथा कुछ और उत्पादों पर शुल्क को कम करने की तैयारी कर रही है। इससे देश को आर्थिक नुकसान होगा जबकि अमेरिका में शुल्क बढ़ाये जाने से आयात भी प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि श्री ट्रम्प द्वारा शुल्क बढ़ाये जाने का कनाडा ने पुरजोर विरोध किया है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब तक एक शब्द नहीं बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार को श्री ट्रम्प की घोषणाओं से निपटने के उपायों से विपक्ष को भी अवगत कराना चाहिए क्योंकि टैरिफ युद्ध से व्यापार युद्ध शुरू हो जायेगा।

भारतीय जनता पार्टी के आर पी एन सिंह ने कहा कि बजट का मतलब आम लोगों की जेब पैसा देना होता है जिससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ सके। सरकार का काम सिर्फ अपना खजाना भरना नहीं होता है। पांच साल तक विपक्ष सिर्फ एक ही चीज कहती रही है कि मध्यम वर्ग के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है लेकिन अब जब सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए काम किया है तो कह रहा है कि यह कुछ नहीं है। बारह लाख 75 हजार रुपये की आय पर कोई कर नहीं लगेगा। मोदी सरकार के कार्यकाल में आने वाले दिनों में ऐसे ही निर्णय आते रहेंगे।

भाजपा सदस्य ने कहा कि 10 वर्ष में संप्रग के कार्यकाल में तीन करोड़ नौकरियां मिली थी, लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल में अब तक 18 करोड़ नौकरियां मिली है। संप्रग में 452 स्टार्ट अप थे, लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल में एक लाख से अधिक स्टार्टअप है और 17 लाख लोगों को इसमें रोजगार मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को किसानों के सबसे बड़े हितैषी बताते हुये कहा कि 3.46 लाख करोड़ रुपये 11 करोड़ किसानों को दिये गये हैं। छोटे और सीमांत किसानों को दिया गया है। श्री मोदी एक बटन दबाकर सीधे किसानों के खाते में धनारशि देते हैं। बजट में हमेशा किसानों की बात की गयी है।

उन्होंने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का उल्लेख करते हुये कहा कि पहले देश में कई तरह के अप्रत्यक्ष कर भरने पड़ते थे और अभिभार लगाता था। आज जीएसटी एक स्वच्छ कर बनकर उभरा है और सभी राज्यों को अपनी हिस्सेदारी मिल रही है। कोविड के बाद भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा है और विकसित भारत में विपक्ष को भी साथ मिलकर चलना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने बजट की कड़ी आलोचना करते हुये कहा कि पिछले दशक में आम लोगों की आय में वास्तव में कोई वृद्धि नहीं हुयी है। महंगाई चरम पर है। सब्जियों में कीमतों में तेजी का हवाला देते हुये उन्होंने कहा कि भारतीय कामगारों को दुनिया में सबसे कम मजदूरी मिलती है। अच्छे दिन कहां है। सरकार बेटी बढ़ाओ बेटी पढाओ की बात करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि महिलाओं के लिए बजट को कमी की गयी है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को नेशनल डिलिमिटेशन गठबंधन बताते हुये कहा कि केन्द्र सरकार भाजपा शासित और दूसरे दलों के शासित राज्यों के बीच भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि दो अप्रैल को सुनामी का आ रहा है क्योंकि श्री ट्रम्प नया कर लगाने जा रहें हैं। उन्होंने सरकार के स्लोगन 'अच्छे दिन' को जुमला बताते हुये कहा कि नोटबंदी असफल नीति थी।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी : पत्रलेखा

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक फ़ुलेफ का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफ़र भावनाओं से भरा रहा।

इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली

और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है।

पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की।

उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई। फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की।

बिजनेसमैन की बेटी से जल्द शादी करेंगे एक्टर प्रभास?

प्रभास की शादी की खबर: सिल्वर स्क्रीन पर सनसनी बन चुके और कृष्णम राजू के वारिस के तौर पर मशहूर प्रभास एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार, हैदराबाद के एक नामी बिजनेसमैन की बेटी से उनकी शादी तय होने की खबर है, जिसे अब तक गुप्त रखा गया था, न्यूज18 तेलुगु की रिपोर्ट। प्रभास ने अपने बेहतरीन अभिनय से प्रशंसकों के दिलों में खास जगह बनाई है, खास तौर पर बाहुबली सीरीज में, जिसके चलते उन्हें दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है। हालांकि, उनकी निजी जिंदगी, खासकर उनकी शादी के बारे में चर्चा हमेशा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय रही है।सलमान के बाद, वह 45 साल की उम्र में इंडस्ट्री के सबसे योग्य कुंवारे लोगों में से एक हैं। प्रशंसक उनकी लव लाइफ के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। अभिनेता अनुष्का शेट्टी के साथ डेटिंग की अटकलों के कारण मीडिया की नजरों में हैं। लेकिन, न तो प्रभास और न ही अनुष्का ने इस खबर की पुष्टि की है। लेकिन, ऐसा लगता है कि अफवाहें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं।

हाल ही में आई खबरों के अनुसार, बाहुबली स्टार प्रभास जल्द ही शादी करने वाले हैं। हां, और उनकी दुल्हन अनुष्का शेट्टी नहीं हैं। तेलुगु न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेता के परिवार ने हैदराबाद के एक व्यवसायी की बेटी के साथ उनकी शादी तय कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रभास के दिवंगत अभिनेता-राजनेता चाचा कृष्णम राजू की पत्नी श्यामला देवी उनकी शादी की तैयारियों को देख रही हैं। शादी की इन सभी अफवाहों के बीच, हिंदुस्तान टाइम्स को अभिनेता के कई करीबी सूत्रों से पता चला कि यह खबर झूठी थी।

जी हां, आपने सही पढ़ा! प्रभास की टीम ने हैदराबाद के एक व्यवसायी की बेटी से अभिनेता की शादी की खबर का खंडन किया और कहा, यह फर्जी खबर है। कृपया अनदेखा करें। मुंबई में अभिनेता के प्रवक्ता ने भी इस खबर का खंडन किया और इसे फर्जी खबर बताया। प्रभास ने आदिपुरुष में भगवान राम की भूमिका निभाई और कृति सनोन के साथ उनके रोमांटिक संबंध होने की अफवाहों ने सभी का ध्यान खींचा। अभिनेता ने कहा कि वह किसी को डेट नहीं कर रहे हैं।

इस बीच, प्रभास अपनी फ़िल्म परियोजनाओं में व्यस्त हैं। क़ल्किफ पूरी करने के बाद, वे वर्तमान में फ़द राजा साबफ और क़फ़ौजीफ पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, वे संदीप रेड्डी द्वारा निर्देशित एक और बड़ी फ़िल्म क़स्पिरिटफ की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। फ़िल्म की लॉन्चिंग उगादि उपहार के रूप में की गई है, जिसकी स्क्रिप्ट और संगीत लगभग अंतिम रूप ले चुके हैं। हालांकि, नियमित शूटिंग शुरू होने में कुछ समय लग सकता है।

एडवांस बुकिंग में छाई सिकंदर, पहले दिन 6 करोड़ का आंकड़ा पार

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर की रिलीज में अब बस चार दिन ही बचे हैं। सिकंदर इस ईद के मौके पर 30 मार्च को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. वहीं, बीती 25 मार्च को फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और सिकंद ने एडवांस बुकिंग में मौका मारने का कोई चांस नहीं छोड़ा है. सिकंदर ने अपनी एडवांस बुकिंग में पहले दिन कितने रुपये की कमाई की है और फिल्म के पहले दिन के लिए कितना कलेक्शन हुआ है आइए जानते हैं.सलमान खान की सिकंदर को एडवांस बुकिंग के पहले दिन दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. सैकनिल्क के अनुसार, सिकंदर ने एडवांस बुकिंग के पहले दिन भारत में 67,293 टिकट सेल कर दिए हैं. वहीं, फिल्म सिकंदर ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग से 1.92 करोड़ रुपये कमा लिए हैं और ब्लैक सीट को मिलाकर फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया

है. सिकंदर ने एडवांस बुकिंग में 2डी हिंदी और आईमैक्स 2डी से 45,778 रुपये जुटाए हैं. फिल्म सिकंदर देशभर की 9110 स्क्रीन पर कब्जा कर लिया है.वहीं, रीजनली सिकंदर ने महाराष्ट्र से 1.24 करोड़ रुपये, दिल्ली से 1.11 करोड़ रुपये, राजस्थान 51.08 लाख रुपये, जबकिक गुजरात और कर्नाटक से क्रमश 49.94 लाख रुपये और 28.82 लाख रुपये कमा लिए हैं. कुल मिलाकर सिकंदर ने एडवांस बुकिंग में ब्लैक सीट के साथ 6.15 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं.फिल्म सिकंदर को गजनी के डायरेक्टर एआर मुरुदास ने डायरेक्ट किया है और फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं. फिल्म की स्टारकास्ट में सलमान खान, रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर और सत्यराज अहम रोल में हैं. वहीं, कल यानि 27 मार्च को साउथ सिनेमा से मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2- एम्पुरान रिलीज हो रही है, जो सिकंदर के लिए साउथ के दर्शकों को सीमित कर देगी.साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने सिकंदर और एल 2-एम्पुरान के बीच क्लैश पर कहा है कि कोई कंपटीशन नहीं है, सलमान खान के देश के बड़े स्टार हैं, मैं आशा करता हूं कि दोनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर हो, मुझे कोई शिकायत नहीं है अगर 11 बजे एल 2-एम्पुरान देखें और 1 बजे सिकंदर. अब देखना होगा कि दर्शकों को कौनसी फिल्म पसंद आती है.

इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो का नया पोस्टर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो का नया पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है।

फिल्म ग्राउंड जीरो के निर्माता एक्सेल एंटरटेनमेंट ने इस फिल्म का नया पोस्टर रिलीज कर दिया है, जो फिल्म की एक और दमदार झलक पेश करता है। फिल्म ग्राउंड जीरो का टीज़र जल्द ही रिलीज़ किया जायेगा। पिछले 50 सालों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सबसे जबरदस्त ऑपरेशनों में से एक से प्रेरित फिल्म ग्राउंड जीरो में इमरान हाशमी बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे के रोल में दिखेंगे। फिल्म में वह दो साल तक चली एक हाई-प्रोफ़ाइल नेशनल सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन को लीड करते नजर आएंगे। नये पोस्टर में इमरान का जबरदस्त बैटल-रेडी लुक सामने आया है जिसमें वह हथियार थामे, जबरदस्त इंटेंस एक्सप्रेशन के साथ नजर आ रहे हैं।

ग्राउंड जीरो, का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है।

धड़क 2 के लिये उत्साहित हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी आने वाली फिल्म धड़क 2 के लिये उत्साहित हैं।

बॉलीवुड में सबसे ज़्यादा मांग वाले प्रतिभाओं में से एक, सिद्धांत चतुर्वेदी कई रोमांचक फ़िल्मों की लाइनअप के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में धड़क 2 शामिल है, जो शाज़िया इक़बाल द्वारा लिखित और निर्देशित और धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित एक रोमांटिक ड्रामा है।हाल ही में एक कार्यक्रम में सिद्धांत ने धड़क 2 के बारे में कुछ रोचक जानकारियाँ साझा कीं। फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने वाकई एक मज़बूत और ज़मीनी फ़िल्म बनाई है। आमतौर पर, मुझे शहरी भूमिकाओं के लिए संपर्क किया जाता है, लेकिन मैं यूपी के एक छोटे से शहर बलिया से आता हूं, और यह पहली बार है जब मैं इस तरह की शैली में काम कर रहा हूं।

शानदार है बदनाम का गाना इंजेक्शन, सुनकर नाचने पर हो जाएंगे मजबूर: निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री निक्की तंबोली हालिया रिलीज फिल्म बदनामळ के इंजेक्शन लगा दो गाने के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने गाने की खूब तारीफ की और बताया कि यह एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर लोग नाचने पर मजबूर हो जाएंगे।प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए निक्की ने कहा, मैं पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू करने और बदनामळ का हिस्सा बनने को लेकर बेहद रोमांचित हूं।उन्होंने कहा, इंजेक्शन लगा दो मुझेळ एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर आप नाचने को मजबूर हो जाएंगे और मैं ऐसी शानदार टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए बेहद आभारी हूं।इंजेक्शन लगा दो मुझेळ गाने को सुनिधि चौहान ने गाया है। रोमांटिक ड्रामा बदनाम फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता जय रंधावा, जैस्मिन भसीन और मुकेश ऋषि मुख्य भूमिकाओं में हैं।निक्की तंबोली के करियर की बात करें तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2019 में रिलीज हुई तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिताकोट्टुळ से अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था।इसके बाद वह तमिल एक्शन-हॉरर फिल्म कंचना 3ळ में नजर आईं, जिसमें उनके किरदार का नाम दिव्या है। उनकी तीसरी फिल्म तेलुगू में थिप्पारा मीसमळ थी।निक्की ने 2020 में सलमान खान के हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भी भाग लिया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद वह साल 2021 में रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में दिखाई दीं, जिसे दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में फिल्माया गया था।शो में तंबोली 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं। निक्की साल 2022 में गेम शो द खतरा-खतरा में देखी गईं, जिसे कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।निक्की, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा राळ के कॉकटेलळ गाने में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह साल 2024 में रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अरबाज पटेल से हुई। दोनों खास दोस्त हैं।

आमिर खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस का यूट्यूब चैनल आमिर खान टॉकीज लॉन्च करने का किया ऐलान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस का यूट्यूब चैनल आमिर खान टॉकीज लॉन्च करने का ऐलान किया है।

आमिर खान ने अपने तीन दशक से भी अधिक अपने शानदार सिने करियर में अपनी फिल्मों से हमेशा लोगों का दिल जीता है। शानदार अभिनय के अलावा, निर्माता के तौर पर भी उन्होंने आमिर खान प्रोडक्शंस के जरिए कई सुपरहिट फिल्में दी हैं, जो सिनेमा की दुनिया में नया मुकाम बना चुकी हैं।

आमिर खान अब यूट्यूब चैनल आमिर खान टॉकीज लॉन्च करने वाले हैं, यह चैनल खासकर उन लोगों के लिए है, जो फिल्मों की दुनिया को करीब से जानना चाहते हैं। यहां पर्दे के पीछे की अनदेखी कहानियां, शूटिंग के मजेदार किस्से और फिल्मों को लेकर गहरी चर्चाएं देखने को मिलेंगी। फिल्मों

को पसंद करने वालों के लिये यह चैनल किसी तोहफे से कम नहीं होने वाला है।

आमिर खान ने अपने यूट्यूब चैनल की घोषणा करते हुए एक वीडियो शेयर किया और लिखा, सिनेमा, कहानियां और अनफिल्टर्ड मोमेंट्स! हमने ऐसी कहानियां बनाई हैं, जिन पर आप सालों तक हंसे, रोए और सोचे।

अब हम आपको आमिर खान टॉकीज के जरिए सिनेमा की दुनिया में एक नए अंदाज में लेकर आ रहे हैं! जहां स्टोरीटेलिंग और रियलिटी का मिलन होगा। यहां आपको पर्दे के पीछे के अनदेखे लम्हों से लेकर उन फिल्मों पर गहरी बातचीत तक सब कुछ मिलेगा, जिन्होंने हमें बनाया है।

उल्लेखनीय है कि इस चैनल पर सिर्फ फिल्मों के बनने की कहानी नहीं, बल्कि अभिनेताओं की बातें, ग्रुप डिस्कशन और फिल्ममेकिंग पर खुलकर चर्चा भी होगी। आमिर खान प्रोडक्शंस से जुड़े कलाकार अपने अनुभव बताएंगे, जिससे फैन्स को सिनेमा के अंदर की दुनिया को और करीब से समझने का मौका मिलेगा।

संजय दत्त के साथ फिर जोड़ी जमाएंगे सलमान खान

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान, माचो हीरो संजय दत्त के साथ फिर से फिल्मों में जोड़ी जमाते नजर आ सकते हैं।सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं, जो ईद के अवसर पर 30 मार्च को रिलीज हो रही है।सलमान खान ने फिल्म सिकंदर की रिलीज से पहले बड़ा ऐलान किया है।

सलमान खान ने ऐलान किया है कि वह संजय दत्त के साथ फिर से काम करने जा रहे हैं। हालांकि, सलमान खान ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। सलमान खान ने कहा कि फिल्म का अधिकारिक तौर पर बाद में ऐलान किया जाएगा। सलमान खान ने फिल्म की कहानी के बारे में भी कुछ नहीं कहा है। सलमान खान और संजय दत्त ने मसाजनफ और मचल मेरे भाईफ जैसी फिल्मों में काम किया है। दोनों अभिनेता अपनी ऑन-स्क्रीन दोस्ती के साथ-साथ ऑफ-स्क्रीन दोस्ती के लिए जाने जाते हैं।

फैंस एक लंबे समय से हिंदी सिनेमा के दो बड़े सितारों संजय दत्त और सलमान खान को एक साथ बिग स्क्रीन पर देखने की आस लगाए बैठे थे। अब उनका ये सपना पूरा होने जा रहा है। सलमान खान और संजय दत्त एक साथ फिर से बिग स्क्रीन पर एक ही फिल्म में धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं।

30 मार्च से शुरू होगा विक्रम नव संवत्सर

शुभ संयोग में शुरू होगा हिंदू नववर्ष 2082

हिंदू धर्म में नव वर्ष विक्रम संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है। इस बार 30 मार्च 2025 से नव विक्रम संवत्सर 2082 आरंभ होगा। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्रि भी आरंभ होतीं हैं। इस नवसंवत्सर 2082 को सिद्धार्थ नामक संवत्सर के रूप में जाना जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में रविवार 30 मार्च को नए संवत्सर 2082 का आरंभ ग्रह-गोचरों के शुभ संयोग में होगा। इस दिन शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे। हालांकि अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरुआत 01 जनवरी से होती है, लेकिन नया हिंदू वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है और सभी व्रत-त्योहार हिंदू कैलेंडर की तिथियों के आधार पर ही मनाया जाता है। इस बार नया हिंदू नववर्ष विक्रम संवत बहुत ही खास रहेगा।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष आकाशीय मंडल में 2082 संवत की यदि मंत्रिमंडल की बात करें, संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे। वही सेनापति का कार्यभार शनि संभालेंगे और संवत्सर के वाहन घोड़ा होगा। इस विक्रम संवत का नाम सिद्धार्थ होगा। इस सिद्धार्थ संवत के राजा- सूर्य, मन्त्री- सूर्य, सस्येश- बुध, दुर्गेश- शनि, धनेश- मंगल, रसेश- शुक्र, धान्येश- चन्द्र, नीरसेश- बुध, फलेश- शनि, मेघेश- सूर्य होंगे। रविवार 30 मार्च 2025 को शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

नव संवत्सर विक्रम संवत – 2082
नव संवत्सर आरंभ – 30 मार्च 2025

प्रतिपदा तिथि आरंभ – 29 मार्च शाम 4:27 बजे से
प्रतिपदा तिथि समाप्त – 30 मार्च दोपहर 12:49 बजे तक

हिंदू नववर्ष पर शुभ योग

रविवार 30 मार्च 2025 को शाम 6:14 बजे तक रेवती नक्षत्र फिर अश्विनी नक्षत्र विद्यमान रहेगा। मीन लग्न सुबह 06:26 बजे तक रहेगा फिर मेष लग्न का आरंभ होगा। मीन राशि में इस दिन पांच ग्रह के मौजूद होने से पंचग्रहीय योग बनेगा। मीन राशि में सूर्य, बुध, राहु, शनि और शुक्र ग्रह विद्यमान होंगे। केतु कन्या राशि में, देवगुरु बृहस्पति वृष राशि में तथा मंगल मिथुन राशि में रहेंगे।

राजा और मंत्री सूर्य

संवत के राजा और मंत्री सूर्य होंगे। वहीं अन्न-धन, खनिज व धातु के स्वामी बुध, खाद्य पदार्थों के स्वामी मंगल होंगे। वही सेनापति का कार्यभार शनि संभालेंगे और संवत्सर के वाहन घोड़ा होगा। इस विक्रम संवत का नाम सिद्धार्थ होगा। इस सिद्धार्थ संवत के राजा- सूर्य, मन्त्री- सूर्य, सस्येश- बुध, दुर्गेश- शनि, धनेश- मंगल, रसेश- शुक्र, धान्येश- चन्द्र, नीरसेश- बुध, फलेश- शनि, मेघेश- सूर्य होंगे।

भैरव प्रश्न

जयजननी जगदीश्वरी तू जग की प्रतिपाल। बियासी संवत् फल कहो श्रीमुख से सब हाल।।
भवानी उत्तर
सुनले भैरव प्रेम से मैं समझायुं तोय। राजामंत्री देखतां मध्यम सवंत होय।।
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये चार अधिकारी। राजा-मंत्री मेध का रवि ने लिया है भार।।
धान्याधिप शशिराज है रसाधिप है भृगुदेव। मंगल धन के देव है दुर्ग-फल के शनिदेव।।
एक धन की हानि करे दुर्ग करे शनिभेद। राजा और शनि की नहीं बने दूजा कर दे छेद।।
प्रजा सुखी मंगल करे रोहिणी संधि बास। समय निवासो वैश्यपर संवर्त बंधाये आस।।
रस नीरस और सस्य की जग में हो भरमार। जलतृण के दो स्तम्भ है प्रजा में जै जै कार।।

सिद्धार्थी सम्वत्सर का फल
सिद्धार्थवत्सरे भूयो ज्ञानवैराग्ययुक् प्रजाः।
सकलावसुधाभातिबहुसस्यार्घवृष्टिभिः ।।
सिद्धार्थी अथवा सिद्धार्थ वर्ष में प्रजा ज्ञान, वैराग्य से युक्त होती है। सम्पूर्ण पृथ्वी पर प्रसन्नता रहती है और जल-अन की वृद्धि होती है। प्रतिकूल जलवायु के बाद भी धान्यादि का श्रेष्ठ उत्पादन होगा।

राजा रवि का फल

अल्पवृष्टि, धान्य फल दुग्ध का उत्पादन कम होगा। जनता को पीड़ा, चोर-अशि की बाधा व शासकों को कष्ट होगा। दुधारू पशुओं की क्षमता में कमी आयेगी। धान्य, गन्ना आदि फसलों, वृक्षों पर फल-पुष्पादि का उत्पादन कम होगा। जनता में क्रोध, उत्तेजना, कलह व नेत्र विकार बढ़ेंगे।

यथा :- सूर्ये नृपे स्वल्पजलाच मेघाः स्वल्पं धान्यमल्पफलाक्ष वृक्षाः।

स्वस्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा चौराप्रिबाधा निधनं नृपाणाम् ।।

मन्त्री रवि का फल

जनता में रोग, चोर व राज का भय होगा। अन्न का प्रचुर उत्पादन, गम्भीर रोगों से जनता अस्त होगी। पेयजल, गुड़, दूध, तेल, ईख, फल, सब्जियों, चीनी इत्यादि रसयुक्त वस्तुओं की कमी से इनके भाव बढ़ेंगे। जनता मंहगाई से त्रस्त होगी।

यथा :- नृपभयं गदतोऽपि हि तस्करात्प्रचुर धान्य धानानिमहीतले।

रसचयं हि समर्पतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतः ।।

जिस वर्ष राजा व मन्त्री दोनों पद एक ही ग्रह को मिल जाये तो उस वर्ष राजनेता निरंकुश होकर मनमानी करते हैं। अग्निकाण्ड, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप व सामाजिक उपद्रव से जनता त्रस्त होती है। वर्षा की कमी से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। जनाक्रोश की घटनाएँ बढ़ेगी। नेताओं के मनमुटाव बढ़ेंगे। अनाज, फलों, सब्जियों व धान्यादि की पैदावार कम होगी। चोरी, डकैती, लूटमार, अग्निकाण्ड, गम्भीर रोग, नेत्र-विकार, पित्तजन्य रोग से जनता त्रस्त होगी। अनाज आदि के भाव बढ़ेंगे, जिससे मुनाफाखोर लाभान्वित होंगें।

यथाः स्वयं राजा स्वयं मन्त्री जनेषु रोगपीड़ा चौराग्नि, शंकाविग्रहभयं च नृपाणाम् ।।

हिन्दू कलेंडर 2082 के अनुसार मास

1. चैत्र मास, 2. वैशाख मास, 3. ज्येष्ठ मास, 4. आषाढ़ मास, 5. श्रावण मास, 6. भाद्रपद मास, 7.आश्विन मास, 8. कार्तिक मास, 9. मार्गशीर्ष मास, 10. पौष मास, 11. माघ मास, 12.फाल्गुन मास.

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हे प्रभु, मेरा साथ दो!

रोजाना सुबह 10 मिनट ये एक मंत्र जपने से बदल जाएगी आपकी किस्मत!

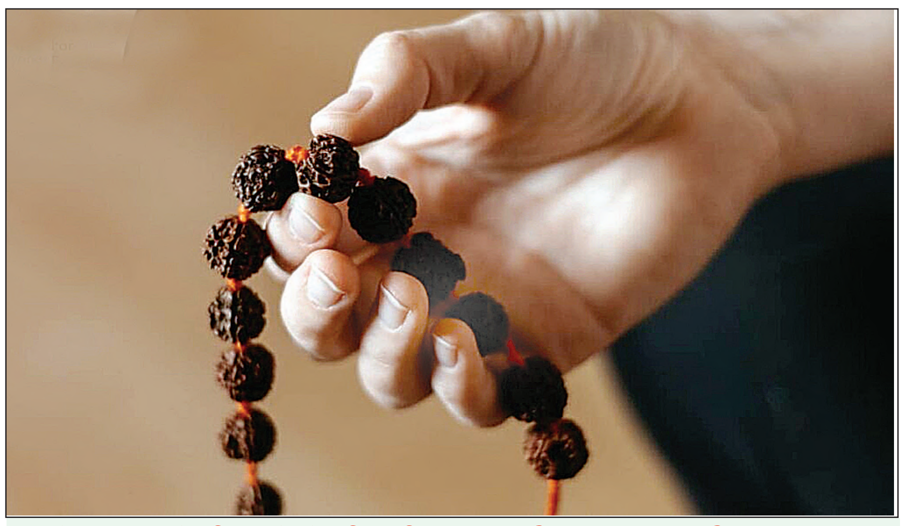

हे प्रभु, मुझे ही क्यों ये बीमारी या दुख मिला! जब व्यक्ति लगातार बीमारी और दुखों से घिरा रहता है तो व्यक्ति सफलता पाने के मार्ग से कई बार भटक जाता हैं। जब हम दुखी होते हैं तो हम अक्सर भगवान से शिकायत करते हैं। हालांकि, कई बार भगवान देरी से ही सही लेकिन, अपने भक्तों की सुनते जरूर हैं। प्रेमानंद जी महाराज ने एक ऐसा सरल उपाय बताया हैं जिसे रोजाना सुबह 10 मिनट करने से आपकी किस्मत बदल सकती हैं।

हे प्रभु, मुझे ही क्यों ये बीमारी या दुख मिला! जब व्यक्ति लगातार बीमारी और दुखों से घिरा रहता है तो व्यक्ति सफलता पाने के मार्ग से कई बार भटक जाता है। जब हम दुखी होते हैं तो हम अक्सर भगवान से शिकायत करते हैं। हालांकि, कई बार भगवान देरी से ही सही लेकिन, अपने भक्तों की सुनते जरूर हैं। प्रेमानंद जी महाराज ने एक ऐसा सरल उपाय बताया है जिसे रोजाना सुबह 10 मिनट करने से आपकी किस्मत बदल सकती है।

रोजाना सुबह करें बस ये काम बदल जाएगी किस्मत

प्रेमानंद जी महाराज कहते हैं कि जिस व्यक्ति को रोग रहित होना है शोक रहित होना है उसके लिए सिर्फ एकमात्र उपाय है। जिसे व्यक्ति के कम से कम रोजाना सुबह 10 मिनट करना होगा। कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने, प्रणतः क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः गोविंद को नमस्कार करों और पुकारो कृष्ण, कृष्ण गोविंद, राधा राधा का जप करें। निश्चित जन्म जन्म के अशुभ नष्ट हो जाएंगे। शरीर रोग नष्ट हो जाएगा, आप संव्य पर सुखी हो जाएंगे ऐसा अद्भुत सुख मिलेगा आप कृत्य हो जाओगे। लेकिन, जब आप इस मार्ग में कदम रखेंगे तो असत्य वृत्तियों का त्याग करना होगा। प्रेमानंदजी आगे कहते हैं कि बस यहीं सब फैल हो जाते हैं। वह ऐसा शॉर्टकट ढुंढते हैं कि कुछ हम पाप आचरण से कमाएं पैसे हम आपको दे दें तो आप हमें संभाल लें। प्रेमानंद जी कहते हैं कि ऐसे मलिन आचण से कमाए गए धन से व्यक्ति को पवित्रा प्राप्त नहीं हो सकती है। किसी का आशीर्वाद काम नहीं करेगा तब तक तुम पवित्र नहीं हो जाओगे।

प्रेमानंद जी कहते हैं कि जो व्यक्ति मांस, मदिरा का सेवन करता है और हिंसक प्रवृत्ति करता है ऐसे व्यक्ति को भगवान भी माफ नहीं करते हैं। अधर्म आचरण करने वाले को भगवान कहते हैं कि मैं साक्षात काल रूप से दंड देता हूं, शरणागत होकर नियम के अनुसार, चलोगे तो भगवान तुम्हें दुलार करेंगे। सिद्धांत से चलोगे तो कभी धोखा नहीं खाओगे। प्रेमानंद जी कहते है कि यदि आप भजन नहीं करेंगे तो आपके किसी दुख तो कोई काट नहीं सकता है। प्रेमानंद जी कहते हैं कि गोस्वामी जी का, शास्त्र का अटल आदेश बिना भजन किए व्यक्ति के अशुभ कर्म नष्ट नहीं हो सकते हैं और बिना अशुभ कर्म नष्ट हुए बिना तुम सुखी नहीं हो सकते हैं।

घर में तुलसी के होने से बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा, जानें कब और कहां लगाएं पौधा?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना गया है। लोग इस पौधे की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही पर तुलसी में जल दिया जाता है। इससे साधक के जीवन में आने वाले दुख और संकट दूर होते हैं। साथ ही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

ऐसा माना जाता है कि तुलसी को घर में लगाने के लिए नियम का पालन करना बेहद आवश्यक होता है। अगर आप भी तुलसी का पौधा घर में लगाना चाहते हैं, तो ऐसे में आइए हम आपको वास्तु शास्त्र के अनुसार बताएंगे कि किस दिन तुलसी लगाना शुभ माना गया है?

इस दिन लगाएं तुलसी का पौधा

सनातन धर्म में तुलसी की पूजा-अर्चना करने का बेहद महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी को लगाने के लिए गुरुवार और शुक्रवार का दिन अधिक शुभ माना जाता है। शुभ दिन पर तुलसी लगाने से जीवन में खुशियों का आगमन होता है और हमेशा परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। व्यक्ति को शुभ फल की प्राप्ति

होती है।

इस दिशा में लगाएं तुलसी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सुख-समृद्धि के आगमन के लिए तुलसी को उत्तर दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इससे मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इसके अलावा तुलसी के पौधे को पूर्व दिशा में भी लगा सकते हैं। इस दिशा में तुलसी को लगाने से धन में अधिक वृद्धि होगी। साथ ही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलेगा।

इस दिन न तोड़ें तुलसी के पत्ते

तुलसी के पौधे में एकादशी और रविवार के दिन जल नहीं देना चाहिए और न ही इसके पत्ते तोड़ने चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस गलती को करने से व्यक्ति को मां लक्ष्मी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही जीवन में कई तरह की समस्या आ सकती है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

तुलसी के पौधे में जल चढ़ाना शुभ माना गया है, लेकिन इस काम के लिए सूर्योदय के समय को शुभ माना गया है। तुलसी पूजा के दौरान काले रंग के कपड़े को भूलकर भी नहीं पहनना चाहिए और विधिपूर्वक तुलसी की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। साथ ही पौधे के आसपास गंदगी न रखें, क्योंकि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास माना गया है।

बजरंगबली की पूजा का जानें खास महत्व

शनिवार के दिन कई सारे लोग भगवान शनिदेव की पूजा करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये दिन उनके लिए प्रिय होता है।

जिसे भी पंड़ित जी के द्वारा शनिवार की पूजा बताई जाती है, वो इसी दिन होती है। लेकिन इस दिन भगवान हनुमान जी को भी पूजा जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूजा का विशेष फल प्राप्त होता है। लेकिन क्यों इसे लेकर हर किसी के मन में सवाल रहते हैं। चलिए आपको भी बताते हैं कि क्यों शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा की जाती है।

हमारी धार्मिक कथाओं के अनुसार एक कहानी काफी चर्चा में रही है। इसके अनुसार एक बार शनिदेव भगवान को लंकापति रावण ने बंदी बना लिया था। हनुमान जी जब माता जानकी जी की खोज के लिए लंका पहुंचे तो उनकी नजर शनिदेव पर पड़ी। जिन्हें लंकापति रावण ने अपने पैरों के नीचे दबा रखा था। उस समय हनुमान जी ने शनिदेव से पूछा की आप यहां कैसे?

इसपर उन्होंने जवाब दिया कि उनको रावण ने बंदी बना लिया है। इसके बाद बजरंगबली ने क्रोध में आकर लंका का दहन किया। साथ ही, शनिदेव को वहां से मुक्त कराया। इस पर शनिदेव ने खुश होकर हनुमान जी को वचन दिया जो कोई भी व्यक्ति इस

दिन आपकी पूजा विधि विधान से करेगा। उसे शनिदोष से मुक्ति मिल जाएगी।

ऐसा कहा जाता है कि अगर आपके ऊपर शनिदोष है, तो इसे शांत करने के लिए आप हनुमान जी की पूजा करा सकते हैं।

जिनकी कुंडली में शनि का साढ़े साती चल रही है उसे भी हनुमान जी की पूजा का विशेष लाभ प्राप्त होता है।

हनुमान जी को संकट हरण का जाता है। इसलिए भय दूर करने के लिए इनका पूजन किया जाता है।

मानसिक और शारिरिक रोगों से मुक्ती के लिए भी इनकी पूजा की जाती है।

पूजा के नियम

अगर आप किसी खास चीज के लिए शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा कर रहे हैं, तो पंडित जी की राय जरूर लें।

किसी भी पूजा को करते समय किसी तरह की रोका टोकी न करें।

पूजा आपके घर में हो रही है तो बाहर के लोगों को न बुलाएं।

बजरंगबली को पूजा के बाद चोला जरूर चढ़ाएं।

शनिवार के दिन किसी भी पूजा के लिए आप स्वंय मंदिर के पंडित जी को बुलाकर इसे संपन्न करवाएं। साथ ही, बाहर के लोगों को कम आने दें। इससे आपके दोष पर किसी तरह की कोई नजर नहीं लगेगी।

संपादकीय

पीएम की 'ईदी'

प्रधानमंत्री मोदी मुसलमानों में 'ईदी' की सौगात बंटवा रहे हैं। इसे 'सौगात-ए-मोदी' नाम दिया गया है। सौगात के तौर पर एक विशेष किट में महिलाओं के सूट का कपड़ा, मर्दों के लिए कुर्ता-पायजामा, सेवइयां, खजूर, मेवे, चीनी और चावल रखे गए हैं। किट पर प्रधानमंत्री मोदी का चित्र प्रमुखता से उसी तरह छापा गया है, जिस तरह 'मुफ्त अनाज' वाली योजना के बैग पर छपा है। अलबत्ता प्रधानमंत्री के साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कुछ टोपीधारी मुस्लिम चेहरे भी छापे गए हैं। किट पर 'भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा' का नाम भी छपा है। प्रधानमंत्री के इस प्रयास के जरिए भाजपा की निगाहें 32 लाख गरीब मुसलमानों पर टिकी हैं। पार्टी के करीब 32,000 पदाधिकारी इतनी ही मस्जिदों के संपर्क में हैं, ताकि पात्र मुसलमान को चिह्नित किया जा सके। सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, करीब 32 फीसदी मुसलमान अनपढ़ और 30 फीसदी गरीब हैं। मुसलमानों में 'पसमांदा' समुदाय है, जिसके 80 फीसदी से अधिक लोग गरीब बताए जाते हैं। प्रधानमंत्री भी अक्सर 'पसमांदा मुसलमानों' का जिक्र करते रहे हैं। उस लिहाज से 32 लाख मुसलमानों को 'ईदी' देना बहुत कम संख्या है। फिर भी एक ऐसा प्रयास किया जा रहा है, जो भाजपा और आरएसएस को भी बहुत पहले करना चाहिए था। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' नारा भी कितना चरितार्थ होगा, इसका आकलन ईद के बाद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 13 अप्रैल को 'बैसाखी' और 18 अप्रैल को 'गुड फ्राइडे' के दिन भी ऐसी ही किट बांटने का निर्णय लिया है। सवाल है कि 'सौगात-ए-मोदी' के जरिए देश की करीब 15 फीसदी आबादी के एक तबके को राजनीतिक, सामाजिक और सामुदायिक तौर पर भाजपा के साथ जोड़ा जा सकता है? मुसलमान 'जनसंघ' के दिनों से ही इस हिंदूवादी विचारधारा की पार्टी के खिलाफ रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा-एनडीए को देशभर में औसतन 10 फीसदी मुस्लिम वोट मिले थे, जबकि विपक्ष के 'इंडिया गठबंधन' के पक्ष में 65 फीसदी मुसलमानों ने वोट दिए थे, लेकिन गुजरात में भाजपा के पक्ष में 29 फीसदी मुस्लिम वोट आए थे। यहां 'इंडिया' को 59 फीसदी वोट मिले थे। यह प्रतिशत राजस्थान और दिल्ली के चुनावों में भी बढ़ा। प्रधानमंत्री मोदी की 11 साला सत्ता के दौरान औसतन 8 फीसदी मुस्लिम मत ही भाजपा की झोली में आते रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री आवास योजना में 1.30 करोड़ लाभार्थी मुसलमान हैं। 'किसान सम्मान राशि' योजना में भी करीब एक-तिहाई लाभार्थी मुसलमान ही हैं। 'तीन तलाक' सरीखा आपराधिक कानून मोदी सरकार ने ही पारित कराया था, जिसके जरिए मुस्लिम औरतों की गरिमा, प्रतिष्ठा और शादीशुदा जिंदगी को एक कानूनी आयाम मिला। मोदी सरकार की कई योजनाएं मुसलमानों पर ही केंद्रित हैं, लेकिन उस अनुपात में मुसलमानों ने भाजपा को 'चुनावी समर्थन' नहीं दिया है। कांग्रेस ने 'सौगात-ए-मोदी' को एक छलावा, फेंका हुआ टुकड़ा करार दिया है।

> प्रधानमंत्री के इस प्रयास के जरिए भाजपा की निगाहें 32 लाख गरीब मुसलमानों पर टिकी हैं। पार्टी के करीब 32,000 पदाधिकारी इतनी ही मस्जिदों के संपर्क में हैं, ताकि पात्र मुसलमान को चिह्नित किया जा सके। सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, करीब 32 फीसदी मुसलमान अनपढ़ और 30 फीसदी गरीब हैं। मुसलमानों में 'पसमांदा' समुदाय है, जिसके 80 फीसदी से अधिक लोग गरीब बताए जाते हैं। प्रधानमंत्री भी अक्सर 'पसमांदा मुसलमानों' का जिक्र करते रहे हैं। उस लिहाज से 32 लाख मुसलमानों को 'ईदी' देना बहुत कम संख्या है। फिर भी एक ऐसा प्रयास किया जा रहा है, जो भाजपा और आरएसएस को भी बहुत पहले करना चाहिए था। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' नारा भी कितना चरितार्थ होगा, इसका आकलन ईद के बाद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने 13 अप्रैल को 'बैसाखी' और 18 अप्रैल को 'गुड फ्राइडे' के दिन भी ऐसी ही किट बांटने का निर्णय लिया है।

कानूनी ज्ञान अथवा अनुभव से अधिक व्यवस्था से न्यायाधिकारी तक सेटिंग की उसकी क्षमता की ओर मुड़ चुकी

न्याय की कसौटी पर वर्तमान न्यायिक परिस्थितियां

डा. विनोद बब्बर

> पिछले दशक में सत्तारूढ़ दल के एक बड़े नेता का वह वायरल अश्लील विडियो किसे याद न होगा जिसमें वह यौन शोषण करते हुए जज बनाने का आश्वासन दे रहा था तो वर्तमान में एक जज के घर लगी आग के बाद करोड़ो की नकदी जलने के समाचार को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि इसमें रत्ती भर भी सच्चाई है तो हम न्यायिक अराजकता के दौर में जी रहे हैं जहां जज की नियुक्ति जज करेंगे, जज की गलती की जांच भी जज करेंगे और फैसला भी जज ही करेंगे। पीढ़ी दर पीढ़ी न्यायपालिका के सिरमौर बनने-बनाने अर्थात बने रहने का खेल चल रहा है परंतु देश की संसद द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्तियों को व्यवस्थित करने के लिए विधिवत पारित कानून को खुद न्यायालय ही रद्द कर देती है।

गत वर्ष महामहिम राष्ट्रपति महोदया ने कहा था, 'आम लोग जज को न्याय देने वाले भगवान की तरह देखते हैं लेकिन फिर भी कोर्ट-कचहरी के नाम से डरते हैं। वहां जाने से बचने के लिए वे अपने जीवन में कई तरह के अन्याय चुपचाप बर्दाश्त कर लेते हैं।' स्पष्ट है कि इसका कारण दशकों जारी रहने वाली अंतहीन खर्चीली प्रक्रिया है जो न्याय की आशा लेकर न्याय की चैखट पर पहुंचे व्यक्ति का मनोबल तोड़ देती है। हाँ, जो लोग हर पेशी पर लाखों लेने वाले वकीलों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की सामथ्र्य रखते हैं उन्हें जरूर राहत मिलती है। आज अच्छे वकील की परिभाषा उसके कानूनी ज्ञान अथवा अनुभव से अधिक व्यवस्था से न्यायाधिकारी तक सेटिंग की उसकी क्षमता की ओर मुड़ चुकी है। पिछले दशक में सत्तारूढ़ दल के एक बड़े नेता का वह वायरल अश्लील विडियो किसे याद न होगा जिसमें वह यौन शोषण करते हुए जज बनाने का आश्वासन दे रहा था तो वर्तमान में एक जज के घर लगी आग के बाद करोड़ो की नकदी जलने के समाचार को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि इसमें रत्ती भर भी सच्चाई है तो हम न्यायिक अराजकता के दौर में जी रहे हैं जहां जज की नियुक्ति जज करेंगे, जज की गलती की जांच भी जज करेंगे और फैसला भी जज ही करेंगे। पीढ़ी दर पीढ़ी न्यायपालिका के सिरमौर बनने-बनाने अर्थात बने रहने का खेल चल रहा है परंतु देश की संसद द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्तियों को व्यवस्थित करने के लिए विधिवत पारित कानून को खुद न्यायालय ही रद्द कर देती है। दुनिया भर की गलतियों पर कड़ी टिप्पणी करने वाली न्यायपालिका अपने अंदर झांकने का नैतिक साहस नहीं जुटा रही तो देश के उस सामान्य व्यक्ति के लिए न्याय का क्या अर्थ रह जाएगा जो माननीया राष्ट्रपति जी के कथनानुसार, 'जज को न्याय देने वाले भगवान की तरह देखते हैं।' यह निर्विवाद सत्य है कि कोई भी मनुष्य गलतियों से परे नहीं हो सकता, इसीलिए तो न्यायिक समीक्षा में जिला न्यायालय का फैसला उच्च न्यायालय द्वारा और उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय द्वारा रद्द करने अर्थात पलटने के एक नहीं, हजारों-लाखों उदाहरण है। तो नियुक्ति के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएस) की तरह बजाय कॉलेजियम का क्या औचित्य है। जो कॉलेजियम उच्चतम न्यायालय और उच्च

न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नाम का चयन कर सरकार के पास भेजता है और कॉलेजियम की सिफारिश सरकार के लिए बाध्यकारी है, उसमें शामिल लोग कोई गलती, भेदभाव, पक्षपात कर ही नहीं सकते , ऐसा कैसे कहा जा सकता है? इस सत्य को देश के मुख्य न्यायाधीश और उनके साथियों को स्वीकार कर नई और अधिकतम निर्दोष व्यवस्था बनाने के लिए पहल क्यों नहीं करनी चाहिए? यदि साधारण मामलों का स्वयं संज्ञान लेकर कार्यवाई करने वाली न्यायपालिका न्याय व्यवस्था के इन दोषों को स्वीकार नहीं करती तो देश की जनता द्वारा चुनी हुई संसद को देश के सामान्य व्यक्ति के विश्वास की रक्षा के लिए जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार, प्रत्येक जज के लिए हर वर्ष अपनी और अपने परिवार की आय और जल-अचल की घोषणा अनिवार्य बनानी चाहिए। पिछले अनुभव को ध्यान में रखते हुए न्यायिक सुधार के लिए बनाए जाने वाले काननू को संविधान की नौवी अनुसूची में शामिल करना चाहिए ताकि उसे रद्द करने की आशंका ही न रहे। ज्ञातव्य है, संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 द्वारा जोड़े गई इस अनुसूची में शामिल कानूनों को न्यायालयों में चुनौती नहीं दी जा सकती है। किसी भी संस्थान को अपने हित में मनमानी की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए? यह सर्वज्ञात है कि पिछले कुछ वर्षों में देश की सबसे बड़ी अदालत के कुछ फैसलों पर तीव्र प्रतिक्रिया देखी गई। पूर्व में अदालत के निर्णय पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया का प्रचलन नहीं था, इसलिए इसे एक नई परम्परा कहा जा सकता है लेकिन प्रश्न है कि क्या अदालत के किसी निर्णय पर ईश्वरीय आदेश की तरह स्वीकार किया जाना चाहिए? इसका उत्तर शायद देश की सबसे बड़ी अदालत भी 'हां' में नहीं देगी क्योंकि जिला अदालत के निर्णय को गलत बताते हुए उच्च न्यायालयों और उच्च न्यायालयों के निर्णयों के विरूद्ध उच्चतम न्यायालय में अपील का संवैधानिक प्रावधान है। अनेक बार उच्चतम न्यायालय की बैंच के सदस्यों को भी परस्पर विरोधी निष्कर्ष प्रस्तुत करते देखा गया है. अतः कहा जा सकता है कि 'किसी भी फैसले में ऐसे ऐसी बातें होना संभव है जिससे असहमति हो सकती है।' बेशक कोर्ट के फैसले से मतभिन्नता अथवा नाराजगी का प्रदर्शन भारत के लिए यह नई परम्परा है लेकिन विश्व के अनेक देशों में अदालत के फैसले से असहमति व आलोचना का प्रचलन है। कुछ वर्ष पूर्व रोहिंग्या शरणार्थियों को शरण देने के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा मानवीय आधार पर गैर कानूनी रूप से भारत में घुसे लोगों का पक्ष लेना देश की सुरक्षा के लिए उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि सरकार ने अदालत में तर्क दिया कि इन रोहिंग्या शरणार्थियों को भारत में रहने की अनुमति देने से सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। यदि सुरक्षा संबंधी कोई चूक या दुर्घटना होती है तो कार्यपालिका को जिम्मेवार ठहराया जाता है तो उसकी राय की अनदेखी करते हुए मामले को लटकाने पर प्रश्न उठने स्वाभाविक हैं। यहां विशेष रूप से स्मरणीय है कि उच्चतम न्यायालय को जिस संविधान का संरक्षक कहा जाता है, उसी संविधान ने कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्थापिका के कर्तव्यों और अधिकारों को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। इस बात पर स्वयं सरकार को अदालत को विचार करना चाहिए कि क्या रोहिंग्या मामले में माननीय अदालत का आदेश इस प्रावधान की मूल भावना के साथ कितना न्याय करता है। आज सामान्यजन के मन में भी यह प्रश्न उठ रहा है कि माननीय न्यायालय को गलियों, सड़कों, नालियों की गंदगी, प्रदूषण तो दिखाई देता है लेकिन क्या कारण है कि देश की अदालतों में व्याप्त भ्रष्टाचार, अव्यवस्था, विलम्ब दिखाई नहीं देता? दशकों से लम्बित मामलों के निपटान पर सवाल उठने पर कहा जाता है कि 'न्यायाधीशों की कमी है'। निश्चित रूप से यह तर्क सही है लेकिन व्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में भी स्टाफ की समस्या है। उन्हें तो इस कमी के लिए न्यायालय ने कभी दोष मुक्त नहीं किया। न्याय में देरी का मुद्दा महत्वपूर्ण है।

दृष्टि कोण

आपसी सौहार्द में निहित है सबका कल्याण

इन दिनों पंजाब और हिमाचल के लोगों के बीच आरोप-प्रत्यारोप एवं पोस्टर्स युद्ध का मुद्दा गरमाया हुआ है, जो कहीं न कहीं राष्ट्रभक्त हिमाचलियों और अलगाव पसंद चंद खालिस्तान समर्थकों के बीच चल रही खींचतान का परिणाम है, तो अमनपसंद भारतीयों के बीच चिंता का विषय भी बना हुआ है। पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पंजाब से आ रहे बाइक सवारों, जिन्होंने अपने मोटरसाइकिलों पर खालिस्तानी झंडे और भिंडरावाले की तस्वीरें लगा रखी थीं, के साथ स्थानीय लोगों की झड़पें हुई हैं और प्रतिक्रियास्वरूप पंजाब के होशियारपुर और खरड़ में भिंडरावाले के समर्थक लोगों ने हिमाचल नंबर की गाडियों और एचआरटीसी बसों के शीशों पर भिंडरावाले की फोटो चस्पा की हैं और तोडफ़ोड़ भी की है। सोशल मीडिया में पंजाब के होशियारपुर और खरड़ से होकर गुजरने वाली एचआरटीसी की बसों के शीशे तोड़े जाने और पेंट से आपत्तिजनक शब्द लिखे जाने की घटनाओं के वीडियो एवं तस्वीरें देखने को भी मिल रही हैं। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में अपना विरोध दर्ज करवाते हुए बयान दिया है कि, 'हिमाचल की बसों पर खालिस्तान समर्थक भिंडरावाले के झंडे लगा रहे हैं और एचआरटीसी की बसों पर हमला हो रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू को इस मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री से बात कर सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने के लिए शीघ्र प्रयास करना चाहिए क्योंकि कानून व्यवस्था सरकार की जिम्मेवारी है।' ऐसा माना जा रहा है कि यह विवाद होली के आसपास शुरू हुआ जब पंजाब से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कुल्लू जिले के मणिकर्ण साहिब गुरुद्वारे में गए। हालांकि, उनके अनियंत्रित व्यवहार, जिसमें लापरवाही से गाड़ी चलाना और सडक़ पर नियमों का उल्लंघन करना शामिल है, के कारण स्थानीय लोगों के साथ उनका टकराव हुआ। उन्होंने एक स्थानीय निवासी पर तलवार से भी हमला किया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। कई शिकायतों के बाद, कुल्लू पुलिस ने कार्रवाई शुरू की, जुर्माना लगाया और उपद्रवियों के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए। इससे पंजाब में भिंडरावाला समर्थकों में गुस्सा फैल गया, जिसके कारण उन्होंने एचआरटीसी बसों पर पोस्टर चिपकाए और हिमाचल के लोगों के खिलाफ धमकियां दीं। मनाली और मणिकर्ण पुलिस थानों में शस्त्र अधिनियम, सार्वजनिक सुरक्षा कानून और मोटर वाहन अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी संसद में, भारत में आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों पर चर्चा करते हुए पंजाब में अलगाववादी तत्वों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। गृहमंत्री अमित शाह का कहना था कि 'कुछ लोग पंजाब में भिंडरांवाला बनने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन गृह मंत्रालय के सख्त प्रयासों से अब उनमें से एक असम की जेल में गुरु ग्रंथ साहिब पढ़ रहा है। मोदी सरकार के रहते राजनीतिक आइडियोलॉजी के कारण हम अलगाववाद को पनपने नहीं देंगे।' भारत में अलगाववाद को लेकर होने वाली घटनाएं और झड़पें कोई नई बात नहीं हैं। अलगाववाद का मतलब है, देश के किसी हिस्से के, अलग होकर अलग देश बनाने की मांग करना। भारत में कई अलगाववादी आंदोलन हो चुके हैं। इनमें से कुछ प्रमुख आंदोलन खालिस्तान, नागालैंड, असम अलगाववादी और पंजाबी सूबा आंदोलन आदि होते रहे हैं और इन अलगाववादी आंदोलनों को दबाने के लिए भारत सरकार ने कई उपाय किए हैं। इनमें सैन्य हस्तक्षेप, बातचीत, निष्पक्ष चुनावों का आयोजन और आर्थिक विकास की नीतियां बनाना आदि शामिल हैं। जहां तक खालिस्तान की बात है, खालिस्तान का अर्थ है खालिस लोगों की भूमि। यह भारत के पंजाब राज्य के सिख अलगाववादियों द्वारा प्रस्तावित देश को दिया गया नाम है। खालिस्तान के क्षेत्रीय दावे में वर्तमान भारतीय प्रांत पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली तथा राजस्थान के कुछ क्षेत्र भी शामिल हैं। लोगों को यह समझना चाहिए कि किसी भी तरह का अलगाववादी आंदोलन देश के विकास के लिए गंभीर बाधा है, क्योंकि ऐसे आंदोलन देश की एकता, अखंडता और स्थिरता को कमजोर करते हैं, जिससे विकास कार्य बाधित होते हैं, निवेश कम होता है, सामाजिक सद्भाव बिगड़ता है और युवाओं की तरक्की पर विपरीत असर पड़ता है। ऐसे अलगाववादी आंदोलन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे देश को आर्थिक और राजनीतिक रूप से नुकसान हो सकता है।

कुछ अलग

जागो सोने वालो...

तूफान और आंधी में कुछ सूझता नहीं, कामरेड, वह बोले। अब आपको क्या बताएं, उम्र भर इंतजार करते रहे, कि क्रांति का तूफान आएगा, बदलाव की आंधी झूलेगी। मर-मर कर जीते आदमी उठ बैठेंगे। उठे हुए चलने लगेंगे, चलते हुए दौडऩे लगेंगे। सपना देखा था आंधी झूलने का, लेकिन यह कैसी आंधी चली कि जीते हुए लोग जीते जी मुर्दा महसूस करने लगे, दौड़ते हुए रुक गए, और चलते हुए माथा पीट कर बैठ गए। कभी जगजीत गाया करते, 'जो बेहोश है, होश में आएगा, गिरने वाला जो है वह संभल जाएगा।' लेकिन यहां तो उल्टा हो गया साहिब, होशमंदों पर बेहोशी तारी हो गई और संभले हुए बिना फिसले गिरते पड़ते नजर आ रहे हैं। यह कैसे उल्टे बांस हैं जो बरेली जा रहे हैं? यह कैसी गंगा है जो उल्टी बह रही है? अब क्या बताएं साहिब, सोचा कुछ, देखा कुछ, भाषण में सुना कुछ और अब पाया कुछ ऐसा कि पूरा अर्थतंत्र धडऩतख्ता होता नजर आ रहा है। एक शहजादी की कहानी कभी हमने सुनी थी। ज्यों-ज्यों उसके पलंग के गद्दे बढ़ते जा रहे थे, उसकी नींद और काफूर हो रही थी। बड़े-बड़े वैद्य बुलाए गए कि हमारी बिटिया की नींद लाओ। सब असफल, बिटिया का रतजगा खत्म होने में न आए। फिर एक गरीब सी बुढिया जो कभी इस राजकुमारी की आया थी, लाठी टेकती हुई आई। महाराज से गुजारिश की कि अलीजहां अगर हुक्म हो तो हम कोशिश करके देखें। महाराजा ने हिकारत से बुढिया की ओर देखा। वह अंधेर नगरी के चौपट राजा थे। उन्होंने बूढ़ी की ओर हिकारत से ही नहीं देखा, गनीमत थी कि पहचान लिया। नहीं तो आजकल बूढ़ों को कौन भाव देता है? इंतजार अच्छे दिनों का था, तोहफा मिल गया मंदी का। यहां तो काम के लिए जवान हो गए लोगों को काम नहीं मिलता। बरसों रोजगार दफ्तरों के बाहर एडियां रगड़ते हुए कभी न मिलने वाले नियुक्ति पत्रों का इंतजार करते रहते हैं। डाकिया उनकी गली का रास्ता भूल जाता है। सरकार दरबार में काम के लिए गुहार लगाओ तो अपने पैरों पर खुद खड़े होने का परामर्श है, और पकौड़े तलने का रास्ता दिखाया जाता है। हर हाथ को काम मिलने का सपना भी ध्वस्त नहीं हुआ, मंदी में बाजारों से लेकर खेत-खलिहान तक कुछ ऐसी मंदी छाई, कि चलते काम रुक गए, खेतीबाड़ी दम तोड़ते हुए परती परिकथा लिखने लगी। नगरी में रोजगार मेले लगते थे, वहां बेकारी दूर करने की जरूरत पर भाषण होने लगे, लेकिन सरकार अपनी दुकान बढ़ा कर निजी धनपतियों की बंधक बनती नजर आती रही। अभी बूढ़ी नानी की पोटली में उनके नाती-नातिन यह पुचकार जमा करवा रहे हैं, कि मंदी फिर जलवाफरोश हो गई। देशी-विदेशी आंकड़ा शास्त्री उसकी दयनीय हालत का बखान करने लगे, लेकिन ऐसे आंकड़ों को स्वीकार करके मंदी के मकडज़ाल से निकलने की कोशिश करने वालों को देशद्रोही कह दिया गया। देश में करोड़ों लोग हैं जो दिनभर हाड़ तोडऩे के बाद सडक़ों के टूटे फुटपाथों पर भी सो जाते हैं, लेकिन उधर राजा की राजकुमारी को पलंग के मखमली गद्दों पर भी नींद नहीं आती। इधर बुढिया को राजकुमारी को सुलाने का इशारा मिल गया कि जैसे मंदीग्रस्त देश में मरते काम-धंधों में करोड़ों छंटनी में आ गए कामगार बेकारों के हजूम को बढ़ कर उसे समावेशी विकास की जगह समावेशी रसालत का नाम देने लगे। उधर बुढिया ने राजकुमारी के उनींदेपन का इलाज बता दिया, कि इसके पलंग से सब गद्दे हटा दो। आखिरी गद्दे पर पड़ा एक मटर का दाना राजकुमारी की नींद हराम कर रहा था, उससे भी निजात पा लो। राजकुमारी आराम की नींद सो जाएगी। जी हां, राजकुमारी तो सो गई, लेकिन यह अंधेर नगरी, यह होश की जगह बेहोश होता देश कैसे जागेगा।

देश दुनिया से

कुमति-सुमति सबके उर रहहिं

इनसान गलतियों का पुतला है। इसके बहुत से कारण हैं। पशु-पक्षियों के बच्चे जन्म के कुछ ही समय बाद आत्मनिर्भर हो जाते हैं। हम मानव लोग पैदा होने के समय तो असहाय होते ही हैं, अक्सर किशोरावस्था पार करने तक भी मां-बाप पर निर्भर होते हैं। जब तक हम पढ़ाई पूरी करके या कोई और हुनर सीख कर नौकरी में या व्यवसाय में नहीं चले जाते, तब तक हम आत्मनिर्भर नहीं हैं। नौकरी में या व्यवसाय में चले जाएं तो भी हमें बुद्धि आ ही जाए, यह भी आवश्यक नहीं है। हमें जीवन मिलता है, पर जीवन के साथ कोई इंस्ट्रक्शन मैनुअल नहीं मिलता कि जीवन कैसे जीना है। हमारी शिक्षा भी हमें कमाई के काबिल तो बना देती है, जीवन के काबिल नहीं बनाती। इसके लिए हमें अलग से शिक्षा की आवश्यकता होती है। आज हम आईक्यू, ईक्यू आदि के दीवाने तो हैं ही, हम इस बारीकी तक भी जाने को तैयार हैं कि हमें टेबल मैनर्स की जानकारी हो ताकि लोग हमसे प्रभावित हों। हमें करिअर में सफल होना सिखाया जाता है। धन कमाने, आगे बढऩे और करिअर में सफलता पाने की चाह में इतने पागल हैं कि बाकी सब भूल गए हैं। जैसे एक भैंस को चारा दिखा दें तो वह हमारे पीछे-पीछे चली आती है, वैसे ही कोई हमें धन का, उन्नति का, पदोन्नति का चारा दिखा दे तो हम कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। चारा मिल जाए तो चरित्र बिक जाता है, ईमान बिक जाता है, देह बिक जाती है। सवाल है कि क्या धन कमाना गलत है? क्या करिअर में सफल होना गलत है? क्या शक्तिशाली होना या सत्ता की चाह रखना गलत है? धन सिर्फ एक साधन है जिससे हम संसार के सुख और सुविधाएं खरीद सकते हैं, यहां तक कि ज्ञान भी खरीद सकते हैं। शिक्षा क्या है? शिक्षा ज्ञान ही तो है, और शिक्षा पाने के लिए हमें धन की आवश्यकता है। हम बीमार हो जाएं तो इलाज के लिए धन चाहिए। घर बनाना हो तो धन चाहिए। भोजन के लिए धन चाहिए। धन जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है, इसलिए धन कमाना गलत नहीं है। हम करिअर में सफल हो जाएं तो हम ऊंचे उठते हैं, सीखने के ज्यादा अवसर मिल जाते हैं। न धन कामना गलत है, न करिअर में सफल होना गलत है। गलत है लालच। गलत है भ्रष्टाचार। हम धन के लालच में कुछ भी करने को तैयार हो जाएं, यह गलत है। हम करिअर में सफलता के लालच में भ्रष्ट हो जाएं, यह गलत है। पुराने जमाने की बात है। एक ब्रह्मचारी ने अपने गुरु जी से सवाल पूछा कि पाप का मूल क्या है? गुरु जी ने कहा कि पास के गांव में चले जाओ। छोटा-सा गांव है, जिस घर के सामने पीपल का पेड़ दिखाई दे, उसका दरवाजा हमेशा खुला रहता है, बिना किसी हिचक के अंदर चले जाना। उस घर में एक अकेली महिला हैं, विदुषी हैं, वो तुम्हारे सवाल का जवाब देंगी। ब्रह्मचारी जब तक उस गांव पहुंचा तब तक शाम हो चुकी थी। सारे दिन के सफर से थका-मांदा ब्रह्मचारी जब घर के अंदर पहुंचा तो घर की मालकिन प्रौढ़ महिला ने आदर सहित ब्रह्मचारी का स्वागत किया और उनके लिए भोजन परोस लाई। ब्रह्मचारी जब भोजन का पहला कौर लेने लगा तो महिला ने कहा कि भोजन करने से पहले एक सच यह जान लीजिए कि मैं एक वैश्या हूं। ब्रह्मचारी बहुत नाराज हो गया। बोला कि आपने पहले क्यों नहीं बताया। मैं एक वैश्या के घर में घुस गया, मेरा तो धर्म भ्रष्ट हो गया। महिला ने बड़ी शांति से जवाब दिया कि संध्या हो चुकी है, आप थके हुए हैं, भोजन तो आवश्यक है ही। मैं बहुत धन कमा लेती हूं। अगर आप भोजन करेंगे तो मैं आपको सोने की दस मोहरें दूंगी। ब्रह्मचारी को महिला की बात तर्कसंगत भी लगी और यह भी सोचा कि सोने की दस मोहरें मिल जाएं तो कोई भी व्यवसाय शुरू कर लूंगा, जीवन आसानी से गुजरेगा। मुझे कौन देख रहा है, भोजन करने में क्या हर्ज है? यह सोच कर ब्रह्मचारी ने भोजन कर लिया। अब उस महिला ने ब्रह्मचारी को सोने की दस मोहरें दे दीं और फिर कहा कि मैं तो वैश्या हूं। मेरे पास जो लोग आते हैं, ज्यादातर लोग बूढ़े होते हैं। मुझे आनंद नहीं मिल पाता। आप युवा हैं, ब्रह्मचारी भी हैं, यानी, आपकी शक्ति अभी तक संचित है, खर्च नहीं हुई, मुझे आपके साथ सोने में बहुत आनंद मिलेगा। यह सुनकर ब्रह्मचारी आगबबूला हो गया। उसने वैश्या को बहुत खरी-खोटी सुनाई और अपना झोला उठाकर जाने के लिए तैयार हो गया, तो महिला ने ब्रह्मचारी को सौ मोहरें और देने का प्रस्ताव रखा। ब्रह्मचारी और ज्यादा नाराज हो गया। महिला ने प्रेम से उसका हाथ पकड़ा तो ब्रह्मचारी ने महिला का हाथ झटक दिया। अब उस महिला ने उसे कुछ क्षण रुकने के लिए कहा। महिला अंदर के कमरे में गई और उसने ब्रह्मचारी के सामने एक हजार सोने की मोहरों का ढेर लगा दिया और कहा कि अगर आप मेरा प्रस्ताव स्वीकार कर लेंगे तो ये सारी मोहरें आपकी हो जाएंगी। ब्रह्मचारी की आंखें फटी की फटी रह गईं। जिसके पास फूटी कौड़ी भी नहीं थी, उसे दस सोने की मोहरें मिल चुकी थीं, और एक हजार मोहरें और भी मिल रही थीं। ब्रह्मचारी ने सोचा कि अगर मैंने दस मोहरों से कोई व्यवसाय ही करना है तो ब्रह्मचर्य के व्रत के कोई मायने नहीं हैं। अच्छा घर बनाऊंगा, बड़ा व्यवसाय करूंगा, आज तक जो शिक्षा मिली, इतनी ही काफी है। गुरु जी के पास जाने की जरूरत भी नहीं है। यह प्रस्ताव स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है। थोड़ी-बहुत आनाकानी के बाद ब्रह्मचारी ने महिला का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। अब वह महिला ठठाकर हंस पड़ी और बहुत कोमल स्वर में बोली कि ब्रह्मचारी जी, न तो मैं वैश्या हूं, और न ही आपसे भोग करने की मेरी कोई इच्छा है। मैं तो आपको बस यह समझाना चाहती थी कि पाप का मूल लालच है। बातें करके समझाती तो आप समझ न पाते। साबित करके दिखा दिया, अब यह आपके लिए जीवन भर का सबक है। ब्रह्मचारी की आंखों से आंसू बहने लगे। उसने महिला के पांव पकड़ लिए। दस मोहरें भी वापस कर दीं। जो ब्रह्मचारी एक क्षण पहले व्यभिचार के लिए तैयार था, वह अब पश्चाताप के आंसू बहाकर निर्मल हो गया था। सच कहा गया है कि कुमति-सुमति सबके उर रहहीं। हम सब के भीतर अच्छाई और बुराई दोनों हैं। हम ही रावण हैं, हम ही राम हैं। हम अपने जीवन में कौनसा रास्ता चुनते हैं, यह हमारी स्वतंत्रता है। आइए, हम सही राह पहचानें, सही राह चुनें और जीवन सफल बनाएं।

आप का नजरिया

मिलकीयत वापसी का खाका

राज्य खुद को किस रूप में अंगीकार करे, इसको लेकर एक मानसिक स्थायित्व चाहिए। अंततः हिमाचल के आर्थिक समाधान पिछलग्गू नहीं हो सकते और न ही कृत्रिम उपचारों से यह सदी लांघी जा सकती है। इतिहास भले ही हमें इस मोड़ तक ले आया, लेकिन आगे बढऩे के लिए संदर्भ बदलने पड़ेंगे। यह सुर और खुर की लड़ाई है, जहां विवेचना के साथ सख्त कदमों के निशान चाहिएं। बेशक विवेचना पहले भी होती रही और खाके भी बनते रहे, लेकिन आत्मबोध के रास्तों पर भ्रम रहे या प्रदेश अपने भविष्य की कामना में लंबे डग नहीं ले पाया। बेशक हिमाचली अधिकारों के अध्याय लंबे होते रहे, लेकिन ऊंची दुकान के पकवान फीके ही रहे। संघर्षशील सरकारों के नए अवतरण में सुक्खू के व्यवस्था परिवर्तन की ध्वनि एक साथ कई दीवारों से टकरा रही है, तो केंद्र के सरकारी उपक्रमों से विद्युत परियोजनाओं की मिलकीयत वापसी का एक खाका उभरा है। जीने का एक स्थायी फार्मूला आत्मनिर्भर होना है, तो अब इन्हीं संदर्भों में अधिकारों की एक नई परिपाटी जोड़ी जा रही है। कहना न होगा कि हिमाचल की ताकत, आर्थिक संभावना के अक्स या तो जल संसाधनों में या जंगल में कैद हुई प्रकृति में हैं। हुए होंगे बहुत सारे समझौते, ये हमारी मजबूरियां थीं, लेकिन अब बैसाखियां उतार कर चलने की नई कोशिश तो करें। चलने की इसी का एक नाम है व्यवस्था परिवर्तन या हिमाचली अधिकारों के करीब आसन जमाने का। पहले ही जोगिंद्रनगर की शानन विद्युत परियोजना पर हिमाचल के अधिकार क्षेत्र का न्यायिक समाधान खोजा जा रहा है, तो अब चालीस साल हिमाचल की आर्थिक क्षमता चूस चुकीं एनएचपीसी व एसजेवीएन की बैरास्यूल और चमेरा विद्युत परियोजनाओं को इनकी मियाद के बाद हिमाचल अपनी हथेली पर रखना चाह रहा है। शांता कुमार के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू ऐसे दूसरे मुख्यमंत्री हैं, जो पानी की अमानत में हिमाचल का भविष्य देख रहे हैं। शांता कुमार केंद्र से बिजली की 12 प्रतिशत मुफ्त रॉयल्टी ले आए थे जो आर्थिक फलक पर एक क्रांति, एक समाधान और राज्य के अस्तित्व की जोरदार निशानी थी। इन्हीं निशानियों में आत्मनिर्भरता के लक्षण पैदा करते हुए सुक्खू सरकार ऐसी परियोजनाओं के कार्यकाल को चालीस साल की सीमा रेखा में वर्षों के आधार पर बारह, अठारह और तीस प्रतिशत मुफ्त बिजली रॉयल्टी के साथ-साथ उनकी वापसी का दावा कर रही है। यह इसलिए नहीं कि यह हो नहीं सकता, बल्कि इसलिए कि ऐसा होना ही हमारा आर्थिक अधिकार है। राज्यों के कच्चे माल को मिले रॉयल्टी अधिकारों की बुनियाद में देखें तो हिमाचल को हाथ-पांव मारने पड़ेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय उपक्रमों से प्रदेश की मिलकीयत की पैरवी हो रही है और यह बीबीएमबी की आर्थिक पैमाइश से पंजाब पुनर्गठन तक की आत्मा को छूती है। सुक्खू सरकार एनएचपीसी के पास परियोजना प्रस्तावना के तहत 380 बीघा अतिरिक्त जमीन के अलावा बीबीएमबी के तहत आई ऐसी जमीन को भी माप रही है। यानी आय के अतिरिक्त साधन पैदा करने के लिए हमें निश्चित रूप से अतिरिक्त जमीन की जरूरत है। विडंबना यह कि अपने ही घर में हिमाचल किसी न किसी परियोजना का किरायेदार बन गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज खर्चा ज्यादा होगा स्वास्थ्य भी चिंतित करेगा इसलिए समजदारी से कार्यो का संचालन करें। आपका जीवन साथी आपकी और परिवार की पूरी देखभाल करेंगे आप को भी खुशी होगी। आपके दुश्मन आपके खिलाफ गुप्त रूप से काम कर सकते हैं और आपको परेशानी दे सकते हैं. आज कोई दुखद घटना आप को परेशान करेगी यात्रा का योग नही हैं फिलहाल टाल दें। मृत्युंजय यंत्र का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध का दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका दिन बदलाव का हैं परिवर्तन होगा सीनियर्स आपके कार्यों की प्रशंसा होगी. बचपन के किसी मित्र से आपकी मुलाकात होगी. दोस्त के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे. आपका मन प्रसन्न रहेगा. धैर्य पूर्वक किसी कार्य पर किया गया विचार बहुत फलदायी रहेगा. सोचे हुए कार्य पूरे होंगे. बिजनेस में कई नए मौके आपको मिलेंगे. अपने कारोबारी पार्टनर के साथ सही तालमेल रहेगा अपने परिवार के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने भी जा सकते हैं.शिवजी को जलधारा अर्पित करें बिल्वपत्र चढाए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को साझेदारी वाले कारोबार मे बहुत सोचसमझकर निर्णय लेने होंगे जीवनसंगिनी का पगपग पर साथ मिलेगा। कर्मचारियों के साथ आप असहज महसूस करेंगे . आज कहीं प्राकृतिक सौंदर्ययुक्त स्थान पर घूमने का आनन्द उठाएंगे. विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम है. आपका रोमांटिक अंदाज दाम्पत्य जीवन को प्यार से भर देगा. समाज में मान सम्मान बढ़ेगा. संबंधो को बहुत ही नाजुकता से निभाने की जरुरत हैं घर मे पौधरोपण करें सुबह तुलसी को जल सींचे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अविवाहित है तो दुर्गा जीको घी का दीपक प्रज्वलित करें मंत्र का जप करें सम्बन्ध हो सकता हैं आप को रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हैं तो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे और आकर्षक सौदे हाथ लग सकते हैं. आप स्वयं के लिए यश एव कीर्ति भी अर्जित कर पाएंगे. आपके काम और व्यवसाय में सकारात्मक विकास होगा. अगर आप नौकरी या व्यवसाय बदलना चाहते हैं, तो आपको सफलता मिलेगी. आप आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होंगे. आप के दिन का उतरार्ध सुखमय बीतेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सामाजिक कार्यों हिस्सा लेने से दिन ठीक बीतेगा आप को भी कार्य के प्रति रुचि भी रहेगी . कार्यस्थल पर किसी सहयोगी से वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है. किसी से बिना वजह आपको उलझने से बचना चाहिए. परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं. आपको कोई नया काम सिखने का अवसर मिल सकता है. कोई व्यक्ति आपकी योजनाओं को बि–गाड़ने की कोशिश कर सकता है. मा भगवती को कमल का पुष्प अर्पित करें धनकोष बढेगा मन भी प्रफुल्लित रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ नया निवेश करना जोखिम भरा हो सकता हैं फिलहाल निवेश की योजना को टालदें यात्राका योग बन रहा हैं संभव हो सके तो अचल संपत्ति के विषय में आज चर्चा टाल दें. रात्रि में कुछ लोगों पर धन खर्चा करना पड़ सकता है. रोजी व रोजगार में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा. कुछ लोगों के जीवन में नये अवसर आएंगे जिन्हे नजरअंदाज न करें अन्यथा बाद में आत्मग्लानि होगी. आपके स्वभाव की सबसे खास बात संतुलित रहना है.शक्कर की मिठाई कन्याओं को खिलाएं रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन सकारात्मक रहेगा कार्य के परिणामदायक सुखद रहेगें . सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोग कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे. आप में से कुछ नवीन संपर्क स्थापित कर पाएंगे. रचनात्मक क्षेत्रों में आप असाधारण रूप से अच्छा करेंगे. परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वालों को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे. कोर्ट में लंबित कोई संपत्ति संबंधी मामला आपके पक्ष में जाएगा. घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा डीनर को कुछ समय के लिए रोग दें आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन उर्जा से भरा रहेगा कोई शुभ समाचार मिलेगा आपके मन में किसी की मदद करने का भाव आ सकता है. आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर सामने आ सकती है. आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी. आप किसी धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे. समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा. आगे बढ़ने के आपको नए मौके मिल सकते हैं. आज आप जिससे भी बात करेंगे, उसे अपनी राय से सहमत कर सकते हैं. शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करने जाए नारियल अर्पण करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कार्य मे रुकावटें तो जरुर आंएगी परन्तु दृढसंकल्पित होकर आगे बढते जाए. सफलता निश्चित होगी . नौकरी पेशावालों की पदोन्नति की संभावनाएं हैं. आपका साथी आपके विचारों के प्रति ग्रहणशील होगा. अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे. जीवन के प्रति गंभीरता को बनाये रखने की जरुरत है. कार्य क्षेत्र में सहकर्मियों का आपको सहयोग मिल सकता है. डिनर के वक्त कोई कारोबारी चर्चा नही करें केवल परिवार के साथ भोजन का आनंद उठाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज स्वभाव कुछ मे चिडचिडापन रहेगा लोगों से वाद विवाद होगा , किन्तु आपको शांत और संयम रखने की ज़रूरत है. जल्द ही सब ठीक हो जाएगा. आपके बच्चे आपका ध्यान रखेंगे. आपको दफ़्तर में आपके सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे. वित्तीय फैसले लेने के लिए यह बहुत अच्छा वक़्त है. प्रेम प्रसंग के मामले में आज का दिन अनुकूलता लिए हुए है. खास कर वो लोग जो समाज की मर्यादाओ को अधिक महत्त्व नहीं देते ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें। गुरुदेव के मंत्र का जप करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज खुश होने वाला दिन. रूका हुआ धन वापस मिल जायेगा. आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे. व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा. समाज के कार्यों में आप आगे रहेंगे. योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी. आपकी यात्रा सुखद रहेगी. आपके काम से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे. स्टूडेंट्स को पढ़ाई–लिखाई में साथियों से मदद मिलेगी. आपका दाम्पत्य जीवन ख़ुशी से भरा रहेगा. सुबह भोर मे ॐ नमः शिवाय मंत्र का उच्चारण से कीर्तन करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज कारोबार की स्थिति ठीक है परन्तु निवेश टाल दें क्योंकि आपकी परेशानी बढ़ने की भी संभावना है. दिनभर संभलकर रहना होगा. घर–परिवार की चिंता बढ़ सकती है. कामकाज में नए बदलाव करने से बचना होगा. उच्च अधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध आपको बिजनेस में लाभ प्राप्त करवाएंगे. संतांन पक्ष की ओर से चिंताएं दूर होंगी. वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक बीतेगा. स्टूडेंट्स के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी बस किसी भी काम में लापरवाही न बरतें.आलस्य को छोड दें भविष्य सुनहरा होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 मार्च 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 07:57 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 10:10 तक
योग : शुक्ल रात्रि 02:06 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:35 तक
चन्द्रराशि : कुंभ सायं 04:48 तक
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पंचक चालू है
भद्रा प्रातः 09:33 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान दिवस कार्यक्रम

भरतपुर में राज्यस्तरीय अन्त्योदय कल्याण समारोह आयोजित

– 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित

– कलाकारों को विद्युत चालित चाक वितरित

भरतपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि हमारी सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धान्त को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा संकल्प ''गरीबी मुक्त राजस्थान'' बनाना है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने इस वर्ष के बजट में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' शुरू की है, जिसके माध्यम से हमारी सरकार पहले चरण में 5 हजार गांवों में सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाएगी तथा इसके लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है।

शर्मा गुरुवार को भरतपुर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संभावनाओं और सामर्थ्य से भरा राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है तथा इस प्रगति का लाभ प्रदेश में गरीब व्यक्ति को मिल रहा है। अब अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति सशक्त होने के साथ ही मुख्यधारा में आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राजस्थान के एकीकरण में योगदान देने वाली विभूतियों को नमन करते हुए कहा कि 30 मार्च 1949 को वृहद राजस्थान भारतीय नववर्ष की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर रेवती नक्षत्र इंद्रयोग की शुभ घड़ी में अस्तित्व में आया था। इसीलिए हमारी सरकार ने 30 मार्च के स्थान पर हर साल भारतीय नववर्ष की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की शुभ तिथि पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है तथा राजस्थान दिवस उत्सव की श्रृंखला में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से अन्त्योदय का विचार ब्रज की भूमि से देश–प्रदेश तक पहुंचेगा।

शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि गरीब, युवा, किसान व महिला के सशक्त होने से ही देश और प्रदेश सशक्त होगा। इसी सोच के साथ हमने सरकार में आते ही गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराकर राहत प्रदान की है तथा श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के माध्यम से हर जरूरतमंद व्यक्ति को गुणवत्तायुक्त पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर डेढ़ लाख रुपये का सेविंग बॉन्ड प्रदान करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है तथा लखपति दीदी योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर साढ़े छह हजार रूपये एवं बुजुर्ग, विधवाओं, एकल नारियों, दिव्यांग व्यक्तियों तथा लघु एवं सीमांत किसानों को दी जा रही पेंशन बढ़ाकर 1,250 रुपये प्रति माह किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने घुमंतू और अर्द्ध–घुमंतू समुदायों के सशक्तीकरण एवं उत्थान की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 'दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना' की घोषणा की है। साथ ही, कोई भी क्षेत्र विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहे, इसके लिए बजट में डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए राशि बढ़ाकर 100–100 करोड़ रुपये किया है। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के तहत समस्त राजस्व ग्रामों का ड्रोन सर्वे पूरा कर आगामी वर्ष में 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के लिए संवेदनशीलता के साथ उन्हें सशक्त बनाने को लेकर संकल्पित हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने दिव्यांगजनों को प्रत्येक राजकीय संस्थापन में समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए ''दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर नीति 2025 भी जारी की है।शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार काम करने में विश्वास रखती है और भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही, युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।मुख्यमंत्री शर्मा ने डीबीटी के माध्यम से 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए 300 करोड़ रुपये (प्रति योजना 100 करोड़ रूपए) की राशि आवंटित की। कार्यक्रम में प्रदेशभर में स्वामित्व कार्ड योजना के तहत 20 हजार पट्टों का वितरण, 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉटमेंट, माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक का वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हील चेयर एवं असिस्टिव डिवाइस वितरित की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से वर्चुअली माध्यम से जुड़े विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना', गुरू गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना की मार्गदर्शिकाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए 'समान अवसर नीति 2025' का विमोचन भी किया।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजस्थान बनेगा अग्रणी राज्य : मुख्य सचिव

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राजस्थान आईटी डे का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विजन है कि राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अग्रणी बने। इसी विजन के साथ राजस्थान आईटी डे का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर आइटी एक्सपो का दौरा किया, जहां उन्होंने विभिन्न स्टार्टअप्स के साथ संवाद किया और उनके नवाचारों की सराहना की। उन्होंने वीआर हैंडसेट और स्मार्टग्लासेस के डेमो भी देखे। उन्होंने कहा कि जल्द ही राजस्थान संपर्क 2.0 की शुरुआत होने जा रही है, जो राज्य में जवाबदेही और पारदर्शी सुशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

मुख्य सचिव ने आईटी डे को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की शासन सचिव व आयुक्त अर्चना सिंह और पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' में आईटी क्षेत्र से जुड़े कई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें लागू किया जा रहा है। इसके साथ ही सरकार ने विभिन्न नीतियां भी लॉन्च की हैं।

पंत ने कहा कि आईटी वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एक्सपो में स्टार्टअप्स, गेम्स, ऑडियो–विजुअल और फिल्म्स के प्रदर्शन ने राजस्थान में आईटी विकास की झलक पेश की है, जो यह दर्शाता है कि भविष्य में राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की शासन सचिव व आयुक्त अर्चना सिंह ने कहा कि राजस्थान आईटी दिवस 2025 राज्य के डिजिटल परिवर्तन और तकनीकी विकास की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। यह आयोजन राज्य में नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत मंच प्रदान कर रहा है। यह न केवल प्रौद्योगिकी विकास को गति दे रहा है, बल्कि युवाओं को नवाचार के लिए भी प्रेरित कर रहा है।आयोजन का समापन समारोह शुक्रवार, 28 मार्च को दोपहर 3 बजे से आयोजित किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित होने वाले समापन समारोह में विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही ई–गवर्नेंस पुरस्कार भी वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर ओबीएमएस पोर्टल और मोबाइल ऐप का लॉन्चिंग, रोजगार विभाग की नई वेबसाइट का उद्घाटन, स्टार्टअप्स को फंडिंग चेक वितरण और अटल उद्यमिता कार्यक्रम (एईपी) का शुभारंभ भी किया जाएगा।

राजस्थान में जेलों से धमकी पर डीजीपी सख्त, हाईटेक जैमर लगाने की तैयारी

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने जेलों से मोबाइल के जरिए धमकी देने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए सख्त कदम उठाने की बात कही है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने स्वीकार किया कि जेलों में मोबाइल और सिम कार्ड का पहुंचना एक गंभीर समस्या है।

डीजीपी साहू ने कहा, समय–समय पर जेलों से मोबाइल के जरिए बाहर धमकी दी जा रही है। यह सही है कि सिस्टम में निचले स्तर पर कुछ कमियों के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं। पुलिस इन मामलों में लगातार कार्रवाई कर रही है और राज्य के सभी जेलों में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। मोबाइल या सिम मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाती है।

डीजीपी ने जेलों में हाईटेक जैमर लगाने की योजना का खुलासा करते हुए कहा, अब ऐसी तकनीक लाई जा रही है, जिसके बाद जेलों से बाहर बात करना असंभव हो जाएगा। इसके लिए सरकार ने अनुमति दे दी है और जेल विभाग इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है। अब जेलों में ऐसे हाईटेक जैमर लगाने की तैयारी है, जिनके लगने के बाद जेलों से बाहर बात ही नहीं हो पाएगी। इसके बाद जेलों में मोबाइल जाने या सिम जाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अगर मोबाइल और सिम को जेल में पहुंचने से पूरी तरह नहीं रोका जा सका, तो कम से कम यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जेल से कॉल न हो सके।उन्होंने अपराध पर नियंत्रण को लेकर भी अपनी राय रखी।

हरियाणा में अवैध ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ सरकार हुई सख़्त, 127 मुकदमे किए गए दर्ज

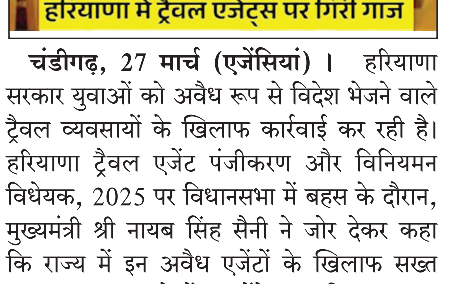

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार युवाओं को अवैध रूप से विदेश भेजने वाले ट्रैवल व्यवसायों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पर विधानसभा में बहस के दौरान, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने जोर देकर कहा कि राज्य में इन अवैध एजेंटों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 127 घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया गया है और 102 ट्रैवल एजेंटों को दंड भुगतना पड़ा है। इसके अलावा आठ प्रतिनिधि जेल में हैं।मुख्यमंत्री के अनुसार, यह कानून ट्रैवल एजेंटों को जवाबदेह बनाने और युवाओं के साथ दुर्व्यवहार को रोकने का प्रयास करता है।

उन्होंने कहा, कई एजेंट अब झूठे वादों के साथ विदेश यात्रा के बहाने युवाओं को धोखा देने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में, युवाओं को वित्तीय नुकसान के अलावा विदेश में कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ता है। बच्चों का लगातार शोषण अवैध ट्रैवल एजेंटों के प्रति सरकार के सख्त रवैये का मुख्य कारण है। इन गुर्गों को कई बार उच्च राशि का बिल बनाकर धोखेबाज वादे करते हुए देखा गया है; विदेश पहुंचने के बाद युवा बेरोजगार हो जाते हैं या फिर मानव तस्करी का शिकार हो जाते हैं। हरियाणा में हर साल हजारों युवा विदेश जाने का सपना देखते हैं, लेकिन इस सपने का फायदा उठाकर बेईमान बिचौलिए उनके सपनों को तोड़ रहे हैं।

पंजाब में नशा करने वालों की गिनती करने से नशा करना नहीं छूट सकता : अनिल विज

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने पंजाब सरकार द्वारा नशेड़ियों की गिनती करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल संख्या गिनने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने नशे के खिलाफ एक संयुक्त क्षेत्रीय टास्क फोर्स बनाने का आह्वान किया। विज ने यहां मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब और पड़ोसी राज्यों से नशे के तस्करों पर नकेल कसने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का प्रवाह राज्यों की सीमाओं के पार आसानी से होता है, इसलिए

एक समन्वित दृष्टिकोण आवश्यक है। विज ने कहा कि पंजाब सरकार का नशेड़ियों की गिनती करने का कदम समस्या का वास्तविक समाधान नहीं है। उन्होंने पूछा कि नशा छुड़ाने के लिए सरकार क्या ठोस कदम उठा रही है।

विज ने आम आदमी पार्टी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आप पार्टी के पास न तो नेतृत्व है, न नीति, और उनकी नीयत भी ठीक नहीं है।

विज ने भाजपा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी अपने वादों को पूरा करती है। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने और राम मंदिर के निर्माण का उदाहरण दिया। अनिल विज ने नशे के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका यह भी मानना है कि केवल गिनती करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है।

भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्य सिपाही हरकेश गिरफ्तार, रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया

गुरुग्राम, 27 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) गुरुग्राम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रोजकामेव थाने में तैनात मुख्य सिपाही हरकेश को 50,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। हरकेश पर आरोप है कि उसने एक मामले से शिकायतकर्ता का नाम हटाने के लिए रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने एसीबी गुरुग्राम को अपनी शिकायत में बताया कि उसके खिलाफ रोजकामेव थाने में एक मामला दर्ज है और हरकेश ने उससे उसका नाम हटाने के लिए 50,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी।एसीबी ने शिकायत की जांच की और हरकेश को रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा विधानसभा उठाएगी अहम कदम

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रदेश भर के जनप्रतिधियों से प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है। वीरवार को बजट सत्र के दौरान सदन को संबंधित करते हुए विस अध्यक्ष ने कहाकि प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता है और बहुत से किसान इसमें बहुत अच्छा कार्य भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को लेकर उचित वातावरण बनाने की जरूरत है। इसके लिए पंचायत स्तर, ब्लॉक समिति, जिला परिषद, विधायक और सांसद तक सभी स्तर के जनप्रतिनिधियों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि

सरकार भी समय समय पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं लाती हैं।जनप्रतिनिधि लोगों को रासायनिक खेती और प्राकृतिक खेती के अंतर को ठीक तरीके से समझा सकते हैं। इसके लिए चुने हुए प्रतिनिधियों को अपने–अपने क्षेत्रों में किसानों से गोष्ठी करके तथा छोटे–छोटे समूह बनाकर बड़ा योगदान देना चाहिए। निःसंदेह हमें इस कार्य को करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वे आने वाले समय में हरियाणा विधान सभा की तरफ से एक योजना बनाकर सभी सदस्यों के लिए प्राकृतिक खेती पर सेमिनार आयोजित करवाएंगे, ताकि उसमें यह विषय अच्छी तरह से उठाया जा सके। उस सेमिनार में विषय विशेषज्ञ भी अपने विचार रखेंगे। सरकार की तरफ से भी विषय आएंगे और जो किसान प्राकृतिक खेती में अच्छा काम कर रहे हैं, उनको भी सेमिनार में आमंत्रित किया जाएगा। इससे दूसरे किसानों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें : योगी

283 आयुष डॉक्टरों को दिए गए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 8 वर्षों में पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के जरिए युवाओं को नई पहचान और वैश्विक मंच प्रदान किया गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को लखनऊ के लोक भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में सीएम योगी ने आयुष विभाग और गृह विभाग के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा चयनित 283 चिकित्सा अधिकारियों और कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान सीएम योगी ने नवचयनित अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सेवा नारों या भाषणों से नहीं, बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से होती है। उन्होंने नवचयनितों से अपील की कि वे पूरी तत्परता और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

इस समारोह में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 283 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें आयुष विभाग के 163 चिकित्सा अधिकारी, 2 रीडर (आयुर्वेद), 19 प्रोफेसर, 3 प्रवक्ता (होम्योपैथी) और गृह विभाग के तहत विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के 96 कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक शामिल हैं। नियुक्ति पत्र पाकर सभी नवचयनित अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए सीएम योगी की पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया की

जमकर सराहना की। सीएम योगी ने इस अवसर पर यूपीपीएससी और यूपीएससी को शासन की मंशा के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया को ईमानदारी से संपन्न करने के लिए धन्यवाद दिया और सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में पिछले 8 वर्षों की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 8 वर्षों में हमने प्रदेश में 8.30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। अगर यह नियुक्तियां सुचिता और पारदर्शिता के साथ नहीं होतीं, तो ये सभी मामले कोर्ट में लंबित हो जाते और एक भी भर्ती पूरी नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि इन 8 वर्षों में 1,56,000 पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई, 60,200 पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई है, और साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति भी की गई है। अन्य विभागों में भी इसी तत्परता के साथ भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। सीएम योगी ने कहा कि आज जब प्रशिक्षित और दक्ष कार्मिक शासकीय सेवा का हिस्सा बनते हैं, तो कार्य पद्धति में तेजी आती है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश आज बीमारू राज्य नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

सीएम योगी ने 2017 से पहले की प्रदेश की स्थिति और पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि 8 वर्ष पहले यूपीपीएससी, यूपीएसएसएससी और पुलिस भर्ती बोर्ड की कार्य पद्धति पर गंभीर सवाल उठते थे। हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक याचिकाएं लंबित रहती थीं। तत्कालीन सरकार और आयोगों की कार्य पद्धति पर माननीय न्यायालय ने भी सवाल खड़े किए थे। उस समय उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन असल में बीमारू तत्कालीन व्यवस्था थी। अनिर्णय की स्थिति के कारण समाज का हर तबका तबाह था। उन्होंने कहा कि आज सरकार की तत्परता, सुचिता और पारदर्शिता के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बनकर उभरा है, जो देश की अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने के लिए तैयार है।

सीएम योगी ने आयुष विभाग में नियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आयुष, आयुर्वेद, होम्योपैथी और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां भारत की प्राचीन विरासत का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इन पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अलग मंत्रालय बनाया और आज इसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हो चुकी है। वर्तमान में 2,114 आयुर्वेद, 254 यूनानी और 1,585 होम्योपैथी चिकित्सालय संचालित हो रहे हैं। लखनऊ और पीलीभीत में निर्माणाधीन आयुष चिकित्सालयों का कार्य अंतिम चरण में है। 15 जनपदों में 50 सैया वाले इंटीग्रेटेड आयुष हॉस्पिटल शुरू हो चुके हैं, जबकि 3 जनपदों में निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही 1,034 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं और 225 आयुष चिकित्सालयों में योग व वेलनेस सेंटर शुरू किए गए हैं।

सीएम योगी ने आयुष के क्षेत्र में हेल्थ टूरिज्म की संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में शुद्ध वातावरण और प्रचुर जल संसाधन हेल्थ टूरिज्म के लिए अनुकूल हैं। हमने धार्मिक टूरिज्म में उत्तर प्रदेश को नंबर एक बनाया है, अब हेल्थ टूरिज्म में भी इसे शीर्ष पर ले जाएंगे। आयुष हॉस्पिटल और वेलनेस सेंटर इसके नए केंद्र बन सकते हैं। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों से अपील की कि वे आयुर्वेद की प्राचीन पद्धतियों और दादी के नुस्खों को संरक्षित करें और लोगों को प्राकृतिक खेती व संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूक करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एफएसएल लैब के 96 कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए कहा कि जुलाई 2024 में लागू तीन नए कानूनों में एफएसएल लैब की भूमिका अहम है। किसी भी पीड़ित को समय से न्याय मिले और अपराधी को सजा दिलाने के लिए साक्ष्य जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश में केवल 4 एफएसएल लैब थीं, अब 12 हैं और 6 निर्माणाधीन हैं। हर रेंज स्तर पर एफएसएल लैब स्थापित करने और हर जनपद में 2-2 मोबाइल लैब उपलब्ध कराने की योजना है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश स्टेट फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई है, जहां डिप्लोमा और डिग्री कोर्स शुरू किए गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि अगले 10 वर्षों में इस इंस्टीट्यूट से निकलने वाले छात्रों के लिए देश-दुनिया में नौकरी की कमी नहीं होगी।

सीएम योगी ने आस्था और विरासत के सम्मान से रोजगार सृजन की बात करते हुए कहा कि महाकुंभ की सफलता में सभी विभागों के कार्मिकों की मेहनत दिखी। 45 दिनों के इस आयोजन में दुनिया भर से लोग आए और इसकी तारीफ की। उन्होंने बताया कि काशी, अयोध्या, चित्रकूट, गोरखपुर, नैमिषारण्य, मथुरा-वृंदावन और सुख तीर्थ जैसे क्षेत्रों में आस्था के सम्मान से लाखों लोगों को रोजगार के नए अवसर मिले हैं। सीएम योगी ने कहा कि जब हम अपनी विरासत पर गर्व करते हैं, तो दुनिया उससे जुड़ती है। पहले लोग योग को हेय दृष्टि से देखते थे, लेकिन आज 193 देश विश्व योग दिवस मनाते हैं।

सीएम योगी ने आजमगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले आजमगढ़ के नौजवानों को होटल या धर्मशाला में जगह नहीं मिलती थी, लेकिन आज वहां से एफएसएल लैब के लिए टेक्निकल स्टाफ का चयन हो रहा है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय, एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ एक नई पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि पहले सरकारें पहचान का संकट खड़ा करती थीं, लेकिन आज हमारी सरकार युवाओं को नई पहचान के साथ वैश्विक मंच पर स्थापित कर रही है।

कम पानी में अधिक रकबे की सिंचाई परियोजना लागू होगी

हमीरपुर, महोबा और ललितपुर में खेतों में लगेंगे स्प्रिंकलर

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)।

हर खेत को पानी उपलब्ध कराने के साथ ही योगी सरकार पर ड्रॉप मोर क्रॉप की ओर भी अग्रसर है। सरकार की मंशा स्प्रिंकलर और ड्रिप जैसी अपेक्षाकृत दक्ष सिंचाई प्रणालियों को प्रोत्साहन देकर सिंचाई के लिए उपलब्ध पानी के बेहतर प्रबंधन से सिंचन क्षमता को बढ़ाना है। इसके लिए सरकार ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई की सक्षम विधाओं पर 80 से 90 फीसद तक अनुदान देती है। लाखों किसानों ने इसका लाभ किया है। इन विधाओं के प्रयोग के नतीजे भी दूरगामी होंगे। पानी बचेगा। साथ ही पानी को भूगर्भ जल से ऊपर खींचने वाली ऊर्जा भी। परंपरागत सिंचाई जिसमें पूरे खेत को पानी से भरा जाता है उससे होने वाली फसलों की क्षति भी नहीं होगी। बराबर से जरूरत के अनुसार बीज और पौधों को पानी मिलने से उनका अंकुरण (जर्मिनेशन) और बढ़वार (ग्रोथ) भी अच्छी होगी। असमतल भूमि पर भी इनका प्रयोग संभव होना अतिरिक्त लाभ होगा।इस सबका असर बढ़ी उपज और इसी अनुसार किसान की बढ़ी आय के रूप में दिखेगा। किसानों की यही खुशहाली डबल इंजन सरकार की मंशा भी है। अगर ऐसा हुआ तो उपलब्ध सिंचाई सुविधाओं से ही सिंचन क्षमता डेढ़ गुना से अधिक हो जाएगी।

इन विधाओं को लोकप्रिय और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सरकार इजरायल सरकार से भी सहयोग ले सकती है। इस बाबत इज़राइल के राजदूत से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उनसे इस बाबत बात भी हो चुकी है। खेतीबाड़ी से संबंधित कुछ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को इसका मॉडल भी बनाया गया है। पानी के लिहाज से सबसे संकटग्रस्त बुंदेलखंड से इसकी पहल भी हो चुकी है। कम पानी में अधिक रकबे की सिंचाई के लिए बतौर मॉडल सरकार तीन स्प्रिंकलर परियोजनाओं पर काम कर रही है। इनमें मसगांव चिल्ली (हमीरपुर) कुलपहाड़ (महोबा) और शहजाद (ललितपुर) परियोजनाएं शामिल हैं। बाद में सिंचाई की अन्य परियोजनाओं को भी स्प्रिंकलर से जोड़े जाने की भी योजना है। खेत-तालाब योजना के तहत निर्मित तालाबों को भी सरकार स्प्रिंकलर से जोड़ेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सिंचाई परियोजना की मदद से योगी सरकार ने सरयू नहर परियोजना, अर्जुन सहायक परियोजना तथा बाण सागर परियोजना को जनता को समर्पित कर प्रदेश के सिंचाई क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित किया है। इन बड़ी परियोजनाओं को लेकर योगी के आठ वर्ष के कार्यकाल में छोटी, बड़ी कुल 976 परियोजनाएं पूरी हुईं या प्रस्थापित की गईं हैं। इस सबका नतीजा यह रहा कि प्रदेश में करीब 48.32 लाख हैक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित हुई। इससे लगभग 185.33 लाख किसान लाभान्वित हुए। 2017 में प्रदेश में कुल सिंचित क्षेत्र का रकबा 82.58 लाख हेक्टेयर था। आठ वर्षों में यह बढ़कर 133 लाख हेक्टेयर हो गया। किसानों के व्यापक हित, फसल आच्छादन का रकबा और उपज बढ़ाने के लिए किए गए इस प्रयास का ही नतीजा है कि आज यूपी देश का इकलौता राज्य है जहां उपलब्ध भूमि के 76 फीसद हिस्से पर खेती हो रही है और कुल भूमि का करीब 86 फीसद हिस्सा सिंचित है।

सिंचन क्षमता बढ़ाने का यह सिलसिला अभी जारी है। मध्य गंगा नगर परियोजना फेज दो, कनहर सिंचाई परियोजना और रोहिन नदी पर महराजगंज में बैराज बनाने का काम जारी है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से करीब 5 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित होगी। साथ ही इससे सात लाख किसानों को भी लाभ होगा।

मिर्जापुर के विकास की गति कई गुना बढ़ चुकी है : योगी आदित्यनाथ

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष कार्यक्रम में बोले सीएम योगी

मिर्जापुर/लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज मिर्जापुर के बीएलजे ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मिलित हुए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ अन्य पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिर्जापुर को आस्था और अर्थव्यवस्था के मूलमंत्र के माध्यम से विकास के एक्सप्रेस - वे से जोड़ने की बात कही।

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मां विंध्यवासिनी का आशीर्वाद और डबल इंजन सरकार मिर्जापुर के विकास की स्पीड कई गुना बढ़ चुकी है। इस अवसर पर उन्होंने अपने 8 वर्षों के शासन काल में मिर्जापुर में हुए विकास कार्यों के बारे में बताया साथ ही आगामी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर उन्होंने एक प्रदर्शनी का अवलोकन कर व सरकार की ओर चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं

के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आज मां विंध्यवासिनी के धाम, मिर्जापुर में प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूरे होने उपलक्ष्य में चलाये जा रहे त्रिदिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर सबसे पहले जिले के ओडीओपी उत्पाद और अन्य विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने जिले के विकास को समर्पित कई नवीन परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ मंच साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न परियोजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व सम्मान पत्र वितरित किये। साथ ही उन्होंने जिले की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र तथा पीएम व सीएम आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाभी के साथ सीएम युवा उद्यमी योजना के लाभार्थी को 5 लाख रुपए का चेक भी दिया। साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लैपटॉप और टैबलेट का वितरण किया और दिव्यांग बच्चों को ब्रेल किट व हियरिंग किट भी वितरित की। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के स्वागत उद्बोधन के साथ हुई। उन्होंने अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मिर्जापुर के लिए पिछले 8 वर्षों में किये गये विकास कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया साथ ही जिले में एक सिरेमिक पार्क और एक केन्द्रीय विद्यालय की मांग की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिर्जापुर की जनता को संबोधित करते हुए मां विंध्यवासिनी और गंगा मैया की जयकार का उद्घोष करते हुए कहा कि मिर्जापुर की धरा को मां विंध्यवासिनी का आशीर्वाद प्राप्त है और अब जबकि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है मिर्जापुर के विकास की रफ्तार को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने बताया कि असीम संभावनाओं से युक्त मिर्जापुर जो 2017 के पहले उपेक्षा का शिकार था आज हमारी सरकार विंध्य एक्सप्रेस-वे के माध्यम से मिर्जापुर की कनेक्टिविटी प्रयागराज, वाराणसी से लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जुड़ने के बाद विकास के हाई-वे जुड़ जाएगा। प्रदेश सरकार के प्रयास से आज आपके जिले में मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो चुका है जल्द ही मिर्जापुर में स्नातक और परास्नातक की शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय का निर्माण भी पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि मिर्जापुर के युवा को आने वाले समय में रोजगार के लिए जिले से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने मिर्जापुर की कारीगरी और उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ओडीओपी योजना का विस्तार करने की मंशा जाहिर की। उन्होंने मिर्जापुर में पीतल की कारीगरी के साथ चुनार की पत्थर की नक्काशी को भी प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग देने को कहा। साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं और महिलाओं को 5 लाख रुपए तक के लोन के माध्यम से लघु उद्योग स्थापित कर रोजगार के अवसर पैदा करने पर जोर दिया।

अवैध ई-रिक्शा और ऑटो के खिलाफ 1 से 30 अप्रैल तक चलेगा अभियान

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद परिवहन विभाग अवैध ई-रिक्शा व ऑटो वालों के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने जा रहा है। इसके लिए, परिवहन विभाग की तरफ से राजधानी लखनऊ समेत सभी जनपदों में पहली से 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस विषय में परिवहन आयुक्त ने अभियान की सफलता के लिए समस्त पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते रविवार को कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक ली थी। इसमें सीएम योगी ने निर्देश दिया था कि टेंपो, ई-रिक्शा चालकों का प्राथमिकता के साथ

वेरीफिकेशन कराया जाए। उन्होंने इस बात को लेकर भी विशेष रूप से फोकस किया था कि प्रदेश में नाबालिग वाहन न चलाएं। किरायेदारों का भी वेरीफिकेशन कराया जाए तथा ओवरलोडिंग को जीरो प्वाइंट पर ही रोका जाए। इसके लिए जनपदों में गठित टास्क फोर्स में परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। इन सभी निर्देशों के पालन और उचित क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग द्वारा अप्रैल माह में विशेष अभियान चलाया जाएगा। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बुधवार को समस्त जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्त व एसएसपी/एसपी को पत्र लिखा। उन्होंने पत्र में लिखा मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपंजीकृत-अवैध ई-रिक्शा व ऑटो के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए पहली अप्रैल से 30 अप्रैल तक परिवहन विभाग व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। साथ ही, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने इस संबंध में गुरुवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक भी ली। कानून व्यवस्था व राजस्व के दृष्टिगत उन्होंने समस्त अपर परिवहन आयुक्त समेत जनपदों के आरटीओ व एआरटीओ को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर अभियान चलाया जाए। इसकी नियमित मॉनिटरिंग हो तथा इस कार्रवाई की रिपोर्ट प्रति सप्ताह शुक्रवार को उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराया जाए।

फीफा क्लब विश्व कप 2025 की पुरस्कार राशि घोषित : विजेता को 125 मिलियन डॉलर !

नई दिल्ली,27 मार्च (एजेंसियां) । फीफा ने 2025 क्लब वर्ल्ड कप की इनामी राशि का खुलासा कर दिया है, जिससे यह टूर्नामेंट अब तक का सबसे अधिक पुरस्कृत क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता बन गया है।

मुख्य इनामी राशि:

- विजेता टीम: 125 मिलियन डॉलर तक जीतने का मौका।
- कुल इनामी राशि: 1 बिलियन डॉलर की राशि 32 प्रतिभागी क्लबों में वितरित की जाएगी।
- अतिरिक्त सहायता: वैश्विक क्लब फुटबॉल को समर्थन देने के लिए 250 मिलियन डॉलर अलग रखे गए हैं।
- भागीदारी इनामी राशि: 525 मिलियन डॉलर निर्धारित।

क्षेत्रीय आधार पर इनामी राशि:

- यूईएफए क्लब: 12.81 मिलियन डॉलर से 38.19 मिलियन डॉलर तक की राशि प्राप्त करेंगे, जो उनकी रैंकिंग और राजस्व पर निर्भर करेगा। चेल्सी, मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख जैसी टीमें शीर्ष इनामी राशि पाने की दावेदार हैं।
- कोंमेबोल (दक्षिण अमेरिकी) क्लब: 15.21 मिलियन डॉलर के करीब।
- कॉनकैकएएफ, सीएएफ और एएफसी क्लब: 9.55 मिलियन डॉलर।
- ओएफसी (ओशिनिया) क्लब: 3.58 मिलियन डॉलर।

टूर्नामेंट का प्रारूप:

- टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें भाग लेंगी।
- प्रतियोगिता 14 जून से 13 जुलाई, 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित होगी।
- इसमें सात मैचों का ग्रुप स्टेज और प्लेऑफ फॉर्मेट होगा।
- टूर्नामेंट से होने वाली सभी कमाई क्लब फुटबॉल के विकास में ही लगाई जाएगी।

फीफा की नई वैश्विक फुटबॉल पहल:

फीफा ने सॉलिडैरिटी इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम की भी घोषणा की है, जिससे फुटबॉल का वैश्विक स्तर पर विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उल्लेखनीय रूप से, फीफा इस टूर्नामेंट से कोई राजस्व नहीं रखेगा और उसकी आरक्षित निधि भी प्रभावित नहीं होगी, जिससे 211 सदस्य संघों में फुटबॉल का दीर्घकालिक निवेश सुनिश्चित किया जा सकेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

इंग्लैंड दौरे पर भी रोहित ही रहेंगे कप्तान रिपोर्ट

मुम्बई। रोहित शर्मा का आगामी इंग्लैंड दौरें में भी भारतीय टीम का कप्तान बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस दौरे के लिए कप्तानी में किसी प्रकार के बदलाव के पक्ष में नहीं है। भारतीय टीम साल 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से इस दौरे पर जाएगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम विफल रही थी। जिसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को कप्तानी से हटाया जा सकता है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को मिली जीत के बाद बोर्ड रोहित को अभी और अवसर देना चाहता है। रोहित ने भी हाल ही में कहा था कि अभी उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। चयन समिति के आईपीएल फाइनल से पहले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित करने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर वाली समिति इसके साथ ही चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का भी चयन करेगी। ये मैच टेस्ट सीरीज से पहले खेले जाएंगे। इस टीम में राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ी भी खेलेंगे। रोहित के खराब फार्म के कारण पिछले दिनों उन्हें टीम में जगह दिये पर भी सवाल उठे थे। उन्होंने सितंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच 10 टेस्ट मैचों में केवल 164 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। उन्होंने 6.2 की औसत से सिर्फ 31 रन बनाए थे। यह किसी भी दौरे पर गए कप्तान का सबसे खराब प्रदर्शन था। जनवरी में रणजी ट्रॉफी में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

प्रशंसक के मैदान में ओन से ट्रोल हुए पराग

गुवाहाटी। आईपीएल में यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ हुए मैच में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग का एक प्रशंसक उन्हें देखने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़कर करीब पहुंचा गया। इस व्यक्ति को किसी प्रकार सुरक्षाकर्मियों ने पकड़कर बाहर किया। इस प्रशंसक ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग के पैर छुए थे। यह घटना केकेआर की पारी के दौरान जब हुई तब पराग गेंदबाजी कर रहे थे। ये प्रशंसक पराग तक पहुंचा, उनके पैर छुए और गले लगाया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उसे मैदान से बाहर कर दिया। गुवाहाटी रियान का घरेलू मैदान भी है क्योंकि वह असम के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। प्रशंसक के मैदान पर घुसकर पैर छूने को लेकर पराग ट्रोल होने लगे। उनका मजाक उड़ाते हुए सोशल मीडिया पर कई मीम्स भी आये हैं जिसमें कहा गया है कि रिराग ने इस व्यक्ति को पैसे दिये होंगे ताकि वह सुरक्षा घेरा तोड़कर उनके पास पहुंचे। उस व्यक्ति ने भी मैदान पर पहुंचकर पराग के प्रति आभार ही जताया होगा। लोगों ने इस व्यक्ति के लिए सहानुभूति प्रकट करते हुए कहा कि उसने पराग के लिए प्रतिबंधित होने और जेल जाने तक का खतरा उठाया है। ये दूसरे बार है जब कोई प्रशंसक इस प्रकार मैदान में आया है। इससे पहले केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच में एक व्यक्ति विराट के पास भी पहुंच गया था।

हरभजन बोले, हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगे, प्रशंसक ने जताई थी चिन्ता

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह आजकल कमेंट्री के क्षेत्र में सक्रिय है।

हरभजन आईपीएल में कमेंट्री कर रहे हैं। इसी दौरान हरभजन ने हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले एक प्रशंसक को भी जवाब दिया है। इससे पहले इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया में कहा था कि पहले हिंदी कमेंट्री काफी अच्छी थी पर आजकल ऐसा नहीं रहा है। इसमें जानकारी कम और व्यंगात्मक टिप्पणियां अधिक होती हैं। इसी को लेकर हरभजन ने इस प्रशंसक को दिये जवाब में कहा कि इसमें सुधार किया जाएगा। इस पूर्व भारतीय स्पिनर ने सोशल मीडिया में लिखा, जानकारी के लिए धन्यवाद। हम इस सुझाव पर काम करेंगे। गौरतलब है कि आईपीएल में हरभजन सिंह के अलावा वीरेंद्र सहवाग, नवजोत सिंह सिद्धू, शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा के आलावा आकाश चोपड़ा सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटर हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल हैं।

लखनऊ ने हैदराबाद को पांच विकेट से हराया, शार्दुल के बाद निकोलस पूरन-मिचेल मार्श चमके

हैदराबाद,27 मार्च (एजेंसियां) । पहले शार्दुल ठाकुर की दमदार गेंदबाजी और उसके बाद निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की तूफानी फिफ्टी से लखनऊ सुपरजाइंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को उसके घर में 5 विकेट से हरा दिया। राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में सनराइजर्स की टीम ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन का स्कोर का खड़ा किया था। इसके जवाब में लखनऊ ने 23 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य को हासिल कर इस सीजन की अपनी जीत दर्ज की।लखनऊ के लिए इस मुकाबले में निकोलस पूरन ने विस्फोट अंदाज में बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्हें मिचेल मार्श का भी दमदार साथ मिला था। निकोलस पूरन ने लखनऊ के लिए पारी में सिर्फ 18 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की। तेज तर्रार बैटिंग करते हुए पूरन शतक की तरफ बढ़ ही रहे थे कि सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडबल्यू कर दिया। हालांकि, पूरन ने बचने के लिए डीआरएस का इस्तेमाल जरूर किया, लेकिन वह विकेट के सामने पाए गए। इस तरह पूरन 18वें सीजन की सबसे तेज फिफ्टी लगाकर 26 गेंद में 6 छक्के और 6 चौके की मदद से 70 रन बनाकर आउट हुए।निकोलस पूरन के अलावा लखनऊ के लिए पारी में मिचेल मार्श ने धूम मचाई। निकोल पूरन जब तक क्रीज पर खड़े तो मिचेल मार्श सिर्फ उनका साथ दे रहे थे, लेकिन जैसे ही पूरन आउट हुए मार्श ने भी अपना गियर बदला और तूफानी अंदाज में बैटिंग करते हुए अपनी फिफ्टी पूरी की। हालांकि, फिफ्टी पूरा होते ही मार्श ने अपने लय से भटके और आउट हो गए। मार्श लखनऊ के लिए 31 गेंद में 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल मार्श के आउट होने के बाद खुद कप्तान ऋषभ पंत ने लखनऊ के लिए मोर्चा संभाला। हालांकि, वह लंबी पारी नहीं खेल पाए। पंत 15 गेंद में सिर्फ 15 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे।

लखनऊ सुपरजाइंट्स की तरफ से गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ने अपना कमाल दिखाया। शार्दुल ने कसी हुई बॉलिंग करते हुए अपनी टीम के लिए 4 ओवर में सिर्फ 34 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। शार्दुल ने अपनी गेंदबाजी में अभिषेक शर्मा और ईशान किशन को लगातार दो गेंद पर आउट कर पवेलियन वापस भेजा था। शार्दुल के अलावा लखनऊ के लिए पारी में रवि बिश्नोई, आवेश खान, दिग्वेश राठी और प्रिंस यादव ने भी एक-एक विकेट झटके।लखनऊ के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था। मैच में एसआरएच के लिए ओपनर बल्लेबाज ट्रेविस हेड शानदार फॉर्म में दिख रहे थे लेकिन 28 गेंद में 47 रन ही बना सके। वह टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा अनिकेत वर्मा ने 36 और नितीश कुमार रेड्डी ने 32 रन का योगदान दिया। हेड ने प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए पांच चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने आवेश के खिलाफ चौथे ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाकर 18 रन बटोरे। हेड भाग्यशाली रहे जिन्हें दो जीवनदान मिले। हेड ने बिश्नोई की पहली गेंद को ऊपर उठाया और लांग ऑन पर खड़े पूरन के पास आसान कैच लेने का मौका था लेकिन वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी इससे चूक गया।फिर हेड ने बिश्नोई की गेंद पर कवर में छक्का जड़ दिया। बिश्नोई के पास छठे ओवर की पांचवीं गेंद पर हेड का विकेट लेने का एक और मौका था, लेकिन वह मुश्किल रिटर्न कैच लपकने में नाकाम रहे। हेनरिक क्लासेन (17 गेंद में 26 रन) खतरनाक दिख रहे थे लेकिन रन आउट हो गए। नीतीश रेड्डी से बड़ी पारी की उम्मीद थी लेकिन बिश्नोई की गेंद पर बोल्ड हो गए।

हेडन बोले, ये खिलाड़ी बदल देते हैं मैच

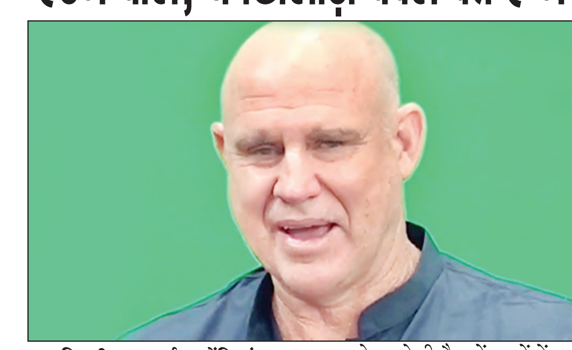

सिडनी,27 मार्च (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि इस बार आईपीएल में अभिषेक शर्मा , विराट कोहली, ट्रेविस हेड सहित इन पांच खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। हेडन ने आक्रामक बल्लेबाजी, खेल को बदलने की क्षमता और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए इन खिलाड़ियों की प्रशंसा की है।

अभिषेक शर्मा (सनराइजर्स हैदराबाद)

अभिषेक ने अपने आक्रामक अंदाज में पहले ही मुकाबले में तेजी से शॉट लगाकर अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी है। अभिषेक ने पिछले सत्र में 16 मैचों में 32 की औसत से 484 रन बनाए थे। उनकी स्ट्राइक रेट 202 रही है जबकि उन्होंने इस दौरान 36 चौके और 42 छक्के लगाये थे। इस बार भी माना जा रहा है कि वह अपने आक्रामक अंदाज से काफी रन बनाएंगे।

विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर)

हेडन ने कहा कि विराट ने सत्र के अपने पहले ही मैच में 39 गेंदों पर 59 रन बनाकर अपने इरादे जाहिर कर दिये हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता है। वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम को सफलता दिलाते हैं।

ट्रेविस हेड (सनराइजर्स हैदराबाद)

हेड ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मुकाबले में तेजी से अर्धशतक लगाया था। जिससे उनकी टीम 286 रन तक पहुंचने में सफल रही। उन्होंने पिछले सत्र में अभिषेक के साथ मिलकर अच्छी साझेदारियां की थी जिससे उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी। इस बार भी वह जबरदस्त फॉर्म में नजर आते हैं।

हेनरिक क्लासेन (सनराइजर्स हैदराबाद)

क्लासेन ने इस सीजन के पहले मुकाबले में 14 गेंदों पर 34 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले सत्र में 16 मैचों में 39 की औसत से 479 रन बनाए थे। टी20 में 36 मैचों में ही उनके नाम 1000 रन हैं। पिछले सत्र में उनका स्ट्राइक रेट 171 रहा था।

महेंद्र सिंह धोनी (चेन्नई सुपर किंग्स)

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने पांच बार खिताब जीता है। अब भले ही वह टीम के कप्तान नहीं है पर उनके अनुभवों से टीम को लाभ होता है।

महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल

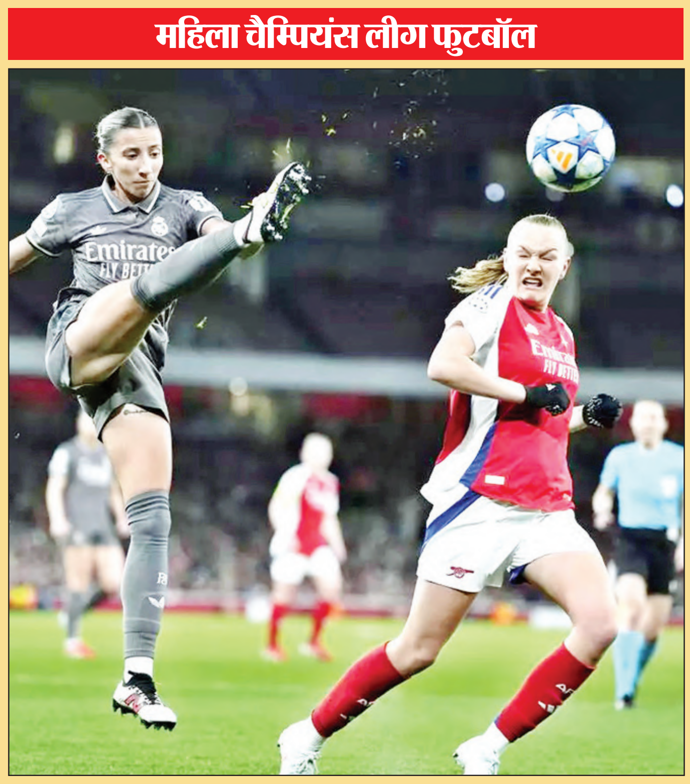

लंदन में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में रियल मैड्रिड की शीला गार्सिया और अन्य खिलाड़ी खेलती हुई।

अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा और अभय सिंह ने जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में किया प्रवेश

मुंबई,27 मार्च (एजेंसियां) । बॉम्बे जिमखाना में बुधवार को हुए रोमांचक मुकाबलों में अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा और अभय सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। यह भारत का पहला पीएसए कॉपर टूर्नामेंट है और इसमें एक अनोखा मोड़ देखने को मिला जब मुकाबले बॉम्बे जिमखाना के लॉन पर बने आउटडोर ग्लास कोर्ट में खेले गए। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले भी इसी कोर्ट पर खेले जाएंगे।

भारत की नंबर 1 स्क्वैश खिलाड़ी और जेएसडब्ल्यू की समर्थित अनाहत सिंह को जब वह अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए कोर्ट में उतरीं तो दर्शकों की जोरदार चीयरिंग सुनाई दी। उनका मुकाबला मिस्र की नादिन एल्हम्मामी से था। अनाहत ने बेहतरीन शुरुआत की और पहले गेम में पूरी तरह हावी रहीं। लेकिन एल्हम्मामी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम टाई-ब्रेक तक ले जाकर जीत लिया। इसके बाद उन्होंने तीसरा गेम भी जीतकर मुकाबले में 2-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, घरेलू दर्शकों के समर्थन से अनाहत ने चौथा गेम जीतकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन 17 वर्षीय अनाहत ने दबाव में शानदार खेल दिखाया और रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जोशना चिनप्पा का मुकाबला शाम के सत्र में शीर्ष वरीयता प्राप्त अकांक्षा सालुंखे से हुआ। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के खेल को अच्छे से समझते हुए जोरदार टक्कर दी। चिनप्पा ने पहले दो गेम बेहद करीबी अंतर से जीते, लेकिन सालुंखे ने शानदार वापसी करते हुए दो गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। 56 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में अंततः चिनप्पा ने 3-2 (12-10, 13-11, 9-11, 9-11, 11-5) से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

पुरुष वर्ग में भारत के अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया। अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए अभय ने शुरू से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंदी को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने केवल 34 मिनट में 3-0 (11-5, 11-8, 11-7) से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दिन के आखिरी क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर चोत्रानी का मुकाबला मिस्र के करीम एल टॉर्की से था। हालांकि, वीर ने कड़ी मेहनत की लेकिन वे करीम के सामने टिक नहीं पाए और 27 मिनट में 0-3 (11-4, 11-8, 11-5) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

मैं बल्लेबाज की तरह सोचता हूं, यही मेरी ताकत है- मोईन अली

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर मोईन अली ने बुधवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को पहली जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 2 विकेट लेकर 23 रन दिए और खासकर नितीश राणा को क्लासिक ऑफ-स्पिन गेंद से बोल्ड कर सबका ध्यान खींचा।

पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोईन अली ने अपनी गेंदबाजी की रणनीति पर बात करते हुए कहा, मैं हमेशा बल्लेबाज की तरह सोचता हूं, यही मेरी ताकत है। इससे मुझे यह समझने में मदद मिलती है कि सामने वाला बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है।

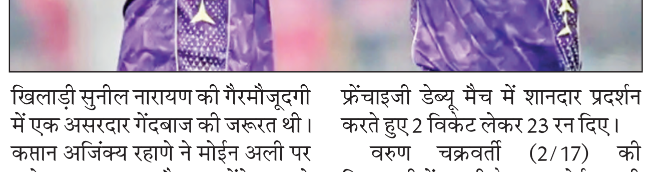

केकेआर को अपने प्रमुख स्पिनर और पिछले सीजन के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी सुनील नारायण की गैरमौजूदगी में एक असरदार गेंदबाज की जरूरत थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मोईन अली पर भरोसा जताया और उन्होंने अपने फ्रेंचाइजी डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट लेकर 23 रन दिए।

वरुण चक्रवर्ती (2/17) की किफायती गेंदबाजी के साथ, मोईन अली ने भी शानदार स्पिन आक्रमण किया और राजस्थान रॉयल्स को गुवाहाटी में 151/9 के स्कोर पर रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोईन ने इस मुकाबले में खुद को दूसरे स्पिनर की भूमिका में सहज बताया और कहा कि यह भूमिका उन्हें हमेशा पसंद रही है।

मोईन अली ने कहा, मैं वरुण से पहले गेंदबाजी करने आया, इसलिए मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं जितना हो सके कसी हुई गेंदबाजी करूं, ताकि वह दबाव बना सकें और विकेट निकाल सकें। मैं हमेशा ऐसे स्पिनर के साथ गेंदबाजी करता रहा हूं, जो मुझसे बेहतर होता है और जिसके पास मुझसे ज्यादा विविधताएं होती हैं। इसलिए मेरी भूमिका यही रहती है कि मैं रन रोकूं और दूसरे गेंदबाज के लिए विकेट लेने का मंच तैयार करूं। मोईन अली ने यशस्वी जायसवाल का विकेट चटकाया, लेकिन उन्होंने जिस तरह से नितीश राणा को क्लासिक ऑफ-स्पिन डिलीवरी पर बोल्ड किया, वह सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा। उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह गेंद वास्तव में अच्छी थी। मैंने बस सही क्षेत्र में गेंदबाजी करने और उसे जितना संभव हो सके स्पिन कराने की कोशिश की। मेरी ताकत यह है कि मैं एक बल्लेबाज की तरह सोचता हूं, जिससे मुझे यह अंदाजा रहता है कि सामने वाला बल्लेबाज क्या सोच रहा होगा। मोईन अली, जो पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सिर्फ 48 गेंदें ही डाल पाए थे, ने बताया कि उन्हें केकेआर की प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने की जानकारी मैच के दिन सुबह ही मिली। मोईन ने कहा, मैं हमेशा तैयार रहने की कोशिश करता हूं। मुझे सुबह पता चला कि सुनील नारायण बीमार हैं और मुझे खेलने के लिए तैयार रहना होगा। उनकी जगह लेना मुश्किल है, लेकिन मैंने अपना काम अच्छे से करने की कोशिश की। स्पिन-अनुकूल पिच पर प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, की पिच से स्पिनरों को मदद मिल रही थी। ऐसे विकेटों पर आप 300 रन नहीं बना सकते, शायद 200 भी मुश्किल हो जाए। यह अच्छी बात है कि हाई-स्कोरिंग मुकाबलों के बीच ऐसे मैच भी हो रहे हैं। मोईन अली भले ही केकेआर की पहली पसंद नहीं थे, लेकिन उन्होंने इसे लेकर कोई शिकायत नहीं जताई। उन्होंने स्वीकार किया कि एक बेहतरीन टीम में जगह बनाना आसान नहीं होता। मोईन ने कहाअभी भी सीखने की कोशिश कर रहा हूं और 37 साल की उम्र में भी अपने खेल में सुधार लाने की इच्छा रखता हूं।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में मजबूती नजर आ रही है। के कारोबार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में उछला आया है। सोना 120 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये से लेकर 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये से लेकर 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 81,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

एप्पल ने की वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस 2025 की घोषणा

Apple

क्यूपर्टिनो। टेक्नोलॉजी की अग्रणी कंपनी एप्पल ने बुधवार को घोषणा की कि उसका वार्षिक वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) 9 से 13 जून 2025 तक ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। कंपनी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस आयोजन के पहले दिन, 9 जून को, एप्पल पार्क में एक विशेष कार्यक्रम होगा, जिसमें डेवलपर्स और छात्र व्यक्तिगत रूप से भाग लेकर इस समारोह का आनंद उठा सकेंगे। एप्पल का यह कार्यक्रम सभी डेवलपर्स के लिए नि:शुल्क रहेगा और इसमें कंपनी के नवीनतम सॉफ़्टवेयर और तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस आयोजन के दौरान, डेवलपर्स को विशेषज्ञों तक पहुंच प्राप्त होगी और नए टूल, फ्रेमवर्क और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। एप्पल के वर्ल्डवाइड डेवलपर रिलेशंस की उपाध्यक्ष सुसान प्रेस्कॉट ने कहा, कि हम अपनी वैश्विक डेवलपर कम्युनिटी के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी के एक और अविश्वसनीय वर्ष को मनाने के लिए उत्साहित हैं। हम लेटेस्ट टूल और टेक्नोलॉजी को साझा करने के लिए तत्पर हैं, जो डेवलपर्स को सशक्त बनाएंगे और इनोवेशन को बढ़ावा देंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में रहेगा सहभागिता का अवसर डेवलपर्स और छात्र इस कार्यक्रम में कीनोट सेशन में भाग लेकर नवीनतम एप्पल सॉफ़्टवेयर और टेक्नोलॉजी की खोज कर सकेंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2025 को एप्पल के आधिकारिक यूट्यूब चैनल, डेवलपर ऐप और वेबसाइट पर भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। इस वर्ष के सम्मेलन में वीडियो सेशन्स और ऑनलाइन लैब्स के माध्यम से डेवलपर्स को एप्पल इंजीनियरों और डिज़ाइनरों से संवाद करने का अवसर मिलेगा। स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज के जरिए नई पीढ़ी को प्रोत्साहन एप्पल ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि कंपनी नेक्स्ट जनरेशन डेवलपर्स को सपोर्ट करने के लिए स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम युवा उद्यमियों, कोडर्स और डिज़ाइनरों को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष के स्विफ्ट स्टूडेंट चैलेंज के आवेदकों को उनकी स्थिति के बारे में 27 मार्च को सूचित किया जाएगा।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की ऑटो इंपोर्ट टैरिफ पॉलिसी की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव की स्थिति बनी रही। ट्रंप ने विदेश में बनी कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ऑटो इंपोर्ट टैरिफ 2 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसकी वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,712.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 372.84 अंक यानी 2.04 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 17,899.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,536.90 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,689.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,030.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 270.76 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,839.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 330.31 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 21,929.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,616.37 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 377.81 अंक यानी 0.99 प्रतिशत टूट कर 37,649.48 अंक के स्तर तक गिर गया है।दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,549 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,976.03 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 224.16 अंक यानी 0.95 प्रतिशत उछल कर 23,707.48 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,492.30 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,379.19 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 1,190.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारतीय उद्योग की सरकार से अपील, रेसिप्रोकल टैरिफ घटाने अमेरिका से करे व्यापार समझौता

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने से पहले भारतीय उद्योग जगत ने सरकार से अपील की है कि उसे ऐसे शुल्कों के प्रभाव से बचाया जाए। सूत्रों के मुताबिक उद्योग इस बात को लेकर चिंतित है कि इन टैरिफ का असर नौकरियों पर पड़ेगा। उद्योग जगत चाहता है कि इन टैरिफ के असर को कम करने के लिए भारत जल्द अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करे। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करेगा ताकि अमेरिका से आयात पर लगाए गए टैरिफ और गैर-टैरिफ देशों के बराबर शुल्क लगाया जा सके। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि भारत को उसके ऊंचे टैरिफ स्ट्रक्चर की वजह से कोई विशेष रियायत नहीं दी जाएगी, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनका रुख नरम हुआ है। किसी देश का नाम लिए बिना ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल को कई देशों को कुछ छूट दी जा सकती है। इस समय भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए गहन चर्चा चल रही है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के सहायक प्रतिनिधि अमेरिकी अधिकारियों की एक टीम के साथ पांच दिवसीय भारत दौरे पर हैं, जहां वे भारतीय पक्ष के साथ बैठकें कर रहे हैं।

इंडसइंड बैंक आर्थिक घोटाले की सेबी कर रही अलग एंगल से जांच

मुंबई, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । इंडसइंड बैंक में हुए आर्थिक घोटाले को लेकर शेयर बाजार नियामक संस्था, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) अलग एंगल से जांच कर रही है। दरअसल, सेबी इंडसइंड बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग की जांच कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी जानकारी घटनाक्रम से जुड़े दो लोगों ने दी। हाल ही में बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में सामने आई गड़बड़ी से शेयरों में भारी गिरावट आई थी।

सेबी ने 5 वरिष्ठ बैंक अधिकारियों द्वारा किए ट्रेड की मांगी जानकारी

इस मामले में सेबी ने इंडसइंड बैंक के पांच वरिष्ठ बैंक अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले ट्रेड के बारे में जानकारी मांगी है, उन्हें इसमें गड़बड़ी होने की जानकारी पहले से ही थी। रिपोर्ट में एक सूत्र ने कहा कि सेबी इस बात की भी जांच कर रहा है कि बैंक ने अपने डिस्क्लोजर स्टैंडर्ड का उल्लंघन किया है या नहीं स्टॉक एक्सचेंज को दिए डिस्क्लोजर के मुताबिक कुछ टॉप मैनेजमेंट अधिकारियों ने जनवरी 2024 से करोड़ों रुपए के बैंक शेयर बेचे और खरीदे हैं।

सूत्र ने कहा कि केएमपी (की मैनेजमेंट प्रोफेशनल) के रूप में अगर उन्हें केंद्रीय बैंक की कार्रवाई के बारे में पता था, तो वे व्यापार नहीं कर सकते, भले ही इसमें ईएसओपी को भुनाना शामिल हो।

रिपोर्ट के मुताबिक सेबी और इंडसइंड बैंक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इंडसइंड बैंक के 1500 करोड़ रुपए के डेरिवेटिव घाटे की वजह आरबीआई के सितंबर 2023 के निर्देश हैं, जिसमें कहा गया है कि सभी डेरिवेटिव लेनदेन को मार्क-टू-मार्केट किया जाएं यानी इंस्ट्रूमेंट्स का मूल्यांकन उनके मौजूदा बाजार मूल्य के अनुसार किया जाए।

इंडसइंड बैंक ने 10 मार्च को अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी सामने आने की जानकारी शेयर बाजार को दी। इसके बाद शेयरों में तेज गिरावट देखी गई और एक दिन में बैंक के स्टॉक 27 फीसदी तक गिर गए। इससे बैंक का 18000 करोड़ रुपए का मार्केट कैपिटलाइजेशन साफ हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश...

हुर्रियत के दो संगठनों ने अलगाववाद को त्यागा पीएम मोदी के नए भारत पर जताया विश्वास : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को जानकारी दी कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से जुड़े दो संगठनों ने अलगाववाद को त्याग दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्मित नए भारत में अपना विश्वास जताया है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के तहत अलगाववाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है और पूरे कश्मीर में एकता की जीत की गूंज सुनाई दे रही है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कश्मीर घाटी से एक और बड़ी खुशखबरी। हुर्रियत से जुड़े दो और समूहों, जेएंडके तहरीक-ए-इस्तिकलाल और जेएंडके तहरीक-ए-इस्तिकामत ने अलगाववाद को त्याग दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्मित नए भारत में अपना विश्वास जताया है। मोदी सरकार के तहत अलगाववाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है और पूरे कश्मीर में एकता की जीत की गूंज सुनाई दे रही है।इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जानकारी दी थी कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दो समूहों ने जम्मू और कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की।इसकी जानकारी देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन चुका है। मोदी सरकार की एकीकरणकारी नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को खत्म कर दिया है। हुर्रियत से जुड़े दो संगठनों ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म करें। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित, शांतिपूर्ण और एकीकृत भारत के निर्माण के दृष्टिकोण की बड़ी जीत है।इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बताया था कि घाटी से आर्टिकल-370 हटने के बाद भारतीय युवाओं का आतंकवादियों से जुड़ाव लगभग खत्म हो गया है। 10 साल पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों का महिमामंडन होता था, जनाजों का जुलूस निकाला जाता था। हमारे समय में भी आतंकवादी मारे गए, ज्यादा मारे गए, लेकिन किसी के जनाजे का जुलूस नहीं निकाला गया। जो आतंकवादी जहां मारा जाता है, वहीं दफना दिया जाता है।

शाह के विरुद्ध ...

इसे प्रचारित नहीं किया जाना चाहिए। अंतत, अध्यक्ष या सदन को ही निर्णय लेना होता है लेकिन लेकिन इस पर व्यापक चर्चा हुई है। सभापति ने कहा, मुझे लगता है कि कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। सत्य का पूर्ण पालन किया गया है, जिसकी पुष्टि माननीय सदस्यों के पास उपलब्ध एक दस्तावेज से होती है और ऐसी स्थिति में, मैं गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार प्रश्न के इस नोटिस को स्वीकार करने के लिए खुद को सहमत नहीं कर सकता।सभापति ने कहा कि आचार समिति को सदस्यों के आचरण पर नए दिशा-निर्देश बनाने की आवश्यकता है। इसके उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम तिवाडी को नये दिशा निर्देश तय करने की जिम्मेदारी सौंपी। श्री धनखड़ ने कहा, आचार समिति के अध्यक्ष एक प्रतिष्ठित सांसद घनश्याम तिवाडी हैं। मैं आचार समिति को नैतिकता पर एस.बी. चौहान समिति की रिपोर्ट पर गौर करने और तकनीकी विकास और सोशल मीडिया के कारण उत्पन्न होने वाली स्थितियों पर ध्यान देने तथा सदस्यों को अनुपालन के लिए नए दिशा-निर्देश तैयार करने का काम सौंप रहा हूँ।श्री धनखड़ ने कहा कि श्री रमेश ने आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक की चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह के श्रीमती सोनिया गांधी के संबंध में दिये एक वक्तव्य पर आपत्ति की है और इसे लेकर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। सभापति ने कहा कि यह नोटिस मीडिया में उपलब्ध है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह श्री शाह की छवि को नष्ट करने, बदले की कार्रवाई करने और मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए है। उन्होंने कहा कि श्री शाह ने अपने वक्तव्य को प्रमाणित करते हुए भारत सरकार की 24 जनवरी 1948 की एक विज्ञप्ति पटल पर रखी है। इस विज्ञप्ति में प्रधानमंत्री राहत कोष के गठन का ब्यौरा है। कोष के प्रबंधन में प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष को शामिल किया गया है। सभापति ने कहा कि उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए यह प्रस्ताव खारिज किया जाता है।श्री रमेश ने बुधवार को राज्य सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 188 के अंतर्गत श्री शाह के विरुद्ध एक विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था।

श्री धनखड़ ने कहा, श्री जयराम ने 26 मई की तिथि में हस्ताक्षर किए हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे अनदेखा किया जा सकता है क्योंकि इससे संदर्भ नहीं बदलता है। नोटिस में कांग्रेस सदस्य ने आरोप लगाया है कि राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर आक्षेप लगाया गया है। नोटिस के अनुसार 25 मार्च 2025 को गृह मंत्री ने आपदा प्रबंधन विधेयक 2024 पर बहस का उत्तर देते हुए कहा था, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष कांग्रेस शासन में बना और पीएम कैयर्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में बना। कांग्रेस के शासन में एक परिवार का ही नियंत्रन होता था मान्यवर। इसके अंदर कांग्रेस के अध्यक्ष सदस्य होते थे मान्यवर।....कांग्रेस के अध्यक्ष सरकारी फंड में, कांग्रेस के अध्यक्ष। क्या जवाब दोंगे देश की जनता को? ऐसा मानते है, कोई पढ़ता नहीं, देखता नहीं।सभापति ने कहा कि इस वक्तव्य पर कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई और गृह मंत्री ने अपने बयान को प्रमाणित करने की बात कही। बाद में उन्होंने भारत सरकार की 24 जनवरी, 1948 को जारी एक विज्ञप्ति सदन के पटल रखी है। इसके अनुसार प्रधानमंत्री राहत कोष के प्रबंधन के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा जिसमें प्रधानमंत्री, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष, उप प्रधानमंत्री...और कुछ अन्य सदस्य हैं।उन्होंने कहा कि विशेषाधिकार का उल्लंघन एक गंभीर मामला है। पूरे देश में पहली बार राज्यसभा में आचार समिति का गठन किया गया था। इसकी अध्यक्षता एक बहुत ही प्रतिष्ठित सांसद, वरिष्ठ नेता, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री एस.बी. चव्हाण ने की थी। सांसदों, विधानमंडलों और सार्वजनिक संगठनों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उस रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे पहले, सदस्यों को अपना आचरण इस तरह से करना चाहिए जिससे संसद की गरिमा बनी रहे और उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता बनी रहे। दूसरे, सदस्यों को अपने सार्वजनिक आचरण में नैतिकता, गरिमा, शिष्टाचार और मूल्यों के अनुकरणीय मानकों को बनाए रखने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

राजस्थान, पंजाब...

विज्ञप्ति के अनुसार पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के तीन अपर न्यायाधीशों सुमीत गोयल, श्रीमती सुदीप्ति शर्मा, तथा सुश्री कीर्ति सिंह को इस न्यायलय में स्थायी न्यायाधीश बनाया गया है।छत्तीसगढ़ उच्च न्यायायल में कार्यरत अपर न्यायाधीश सचिन सिंह राजपूत, राधाकिशन अग्रवाल और संजय कुमार जायसवाल को इसी न्यायालय में एक वर्ष की अवधि के लिए पुन: इसी पद पर नियुक्त किया गया है।

श्रीलंका में ...

संख्या के बारे में उन्होंने बताया कि कल तक श्रीलंका की हिरासत में 86 भारतीय मछुआरे थे। आज एक और ट्रॉलर पकड़ा गया है, जिस पर 11 और मछुआरे मिले, जो अब श्रीलंका की हिरासत में हैं। इस तरह कुल 97 मछुआरे श्रीलंका की हिरासत में हैं। इस तरह कुल 83 मछुआरे सजा काट रहे हैं, तीन मछुआरे मुकदमे का इंतजार कर रहे हैं और 11 मछुआरे आज पकड़े गए हैं।

पुजारियों-ग्रंथियों को...

संचालन करने करने वाले ग्रंथी और बाल्मिकी एवं रविदास मंदिरों में व्यवस्था और पूजा-पाठ करने वाले पुजारियों को 18 हजार रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा की थी। चुनाव के दौरान 'आपा' की देखा-देखी भाजपा ने भी यह घोषणा कर दी कि वह सरकार बनने पर पुजारियों और ग्रंथियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह देगी। अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जब बजट लाया गया तो उसमें कहीं पर भी यह उल्लेख नहीं है कि दिल्ली के गुरुद्वारों के ग्रंथियों और मंदिरों के पुजारियों को 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय देंगे।'आपा' नेता ने कहा कि मंत्री प्रवेश वर्मा से जब सदन में प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है। यह बड़ा ही अफसोसजनक और निराशाजनक है कि भाजपा को बजट में जो प्रावधान लाना चाहिए था, वह नहीं लाई। दिल्ली के लोगों समझना चाहिए कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्रों के वादों को पूरा करने से इनकार करना शुरू कर दिया है ।

देश भर में...

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल श्री राम नवमी और श्री हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसके अलावा 15 दिनों तक देश भर के अलग अलग हिस्सों में शोभायात्राएं, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं को अपने इलाकों में वहां की लोक परंपराओं के मुताबिक भव्यता और दिव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारियों में जुटे है।चैत्र मास के पहले दिन यानी विक्रम संवत 2082 की प्रतिपदा यानी 30 मार्च को श्रीराम महोत्सव के कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। दिल्ली में जहांगीरपुरी इलाके में श्रीराम महोत्सव के अंतर्गत श्री हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो 12 अप्रैल को निकाली जाएगी। ये कार्यक्रम बेहद भव्य और दिव्य होगा। इस आयोजन को लेकर विनोद बंसल ने कहा कि भक्तों को श्रीराम, हनुमान जी के जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लेना चाहिए।

ट्रंप प्रभाव का...

दो अप्रैल को ब्रांड सेक्टर लेवल रेसिप्रोकल टैरिफ लगने की सबसे ज्यादा संभावना है।उन्होंने कहा, ग्लोबल ट्रेड वॉर के इस नए चरण में बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भारत को कड़ी मेहनत करनी होगी। इसके अंत में, हमारा विचार है कि टैरिफ भारत के लिए एक बड़ा झटका नहीं होगा, क्योंकि वार्ता फलदायी होगी, जिसका अमेरिका के लिए ओ-वरऑल भारतीय निर्यात पर थोड़ा प्रभाव पड़ेगा।मेक्सिको और कनाडा पर टैरिफ के लिए, कुछ निर्यात अवसर रिफाइंड पेट्रोलियम, ऑटो कंपोनेंट्स हैं, लेकिन उत्तरी अमेरिकी सप्लाई चेन के इंटीग्रेटेड नेचर का मतलब है कि कोई भी लाभ अगर संभव हुआ तो भारत को इसे मिलने में समय लगेगा।

ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत टैरिफ को काफी कम कर देगा, लेकिन रेसिप्रोकल रेट वसूलने की उनकी योजना के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा, मुझे लगता है कि वे संभवतः उन टैरिफ को काफी हद तक कम करने जा रहे हैं, लेकिन 2 अप्रैल को हम उनसे वही टैरिफ वसूलेंगे, जो वे हमसे वसूलते हैं।केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी इस महीने वाशिंगटन का दौरा किया और टैरिफ बढ़ोतरी को रोकने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर और अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से बात की।

गोला-बारूद...

पनडुब्बी निगरानी दल (एसओटी) मुंबई थे।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एमएसएमई शिपयार्ड, मैसर्स सूर्यदीप्त प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, के साथ 11 गोला-बारूद सह टारपीडो सह मिसाइल बार्ज के निर्माण का अनुबंध 5 मार्च, 21 को हुआ था। इन नौसैनिक बार्जों को भारतीय पोत डिजाइन फर्म और भारतीय शिपिंग रजिस्टर (आईआरएस) के सहयोग से निर्मित किया गया है। यानी ये भारत में ही बने और भारत में ही डिजाइन किए गए स्वदेशी रूप से बने बार्ज हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक समुद्री कौशल सुनिश्चित करने के लिए नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में इस बार्ज का मॉडल परीक्षण किया गया था। शिपयार्ड ने अभी तक 11 बार्ज में से नौ की सफलतापूर्वक सुपुर्दगी की थी। भारतीय नौसेना द्वारा अपने परिचालन विकास के लिए प्रभावी रूप से इनका उपयोग किया जा रहा है। ये बार्ज भारत सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के गौरवशाली ध्वजवाहक हैं।

गौरतलब है कि भारतीय नौसेना की शक्ति में बीते कुछ महीनों में जबरदस्त इजाफा हुआ है। जहां एक ओर भारतीय नौसेना को बड़े समुद्री युद्धपोत मिले हैं, वहीं दूसरी ओर कई आधुनिक बार्ज भी नौसेना का हिस्सा बने हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 28 मार्च, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

दाहिमा समाज द्वारा चैत्र नवरात्रि महोत्सव 30 से

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाहिमा समाज (रजि.) के द्वारा दाहिमा युवा मंच एवं दाहिमा महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में 'चैत्र नवरात्रि महोत्सव 2025' का आयोजन रविवार 30 मार्च से रविवार 6 अप्रैल तक चूडी बाजार स्थित दाहिमा मन्दिर में किया जा रहा है । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मंत्री सत्यप्रकाश डोबा द्वारा दी गई ।चैत्र नवरात्रि महोत्सव 2025 के संदर्भ में दाहिमा समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद की एक विशेष बैठक समाज के कार्यालय अग्रवाल चैम्बर्स, किंग कोठी में उपाध्यक्ष रमेश गाँधी की अध्यक्षता में रखी गई । बैठक में कार्यक्रम के सन्दर्भ में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया । कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से आयोजित करने के उद्देश्य से श्यामसुन्दर तिवाड़ी (एलआईसी), गणेश जोपट, पवन जोपट एवं महेश व्यास को कार्यक्रम संयोजक नियुक्त किया गया ।

विज्ञप्ति अनुसार नवरात्रि महोत्सव का शुभारम्भ विक्रम सं. 2082, चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा रविवार 30 मार्च को चूडी बाजार स्थित दाहिमा मंदिर में मध्याह्न 12:15 बजे नवरात्रि महोत्सव के मुख्य यजमान रामकुमार खेमचन्द करेशिया तथा समाज के अध्यक्ष सुरेश गाँधी द्वारा आचार्य भवानी शंकर केरिया के आचार्यत्व में घट स्थापना से होगा । तत्पश्चात दुर्गा सप्तसति पाठ किया जायेगा । नवरात्रि महोत्सव अन्तर्गत नित्य प्रातः 9:01 बजे दुग्धाभिषेक, सायं 6:31 बजे कुंकुम अर्चना, रात्रि 8:31 बजे भजन-संकीर्तन एवं रात्रि 10:31 शयन आरती की जायेगी ।नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस दाहिमा महिला मण्डल द्वारा सायं 5:01 बजे ज्ञानबाग कॉलोनी स्थित शंकरलाल सुरेन्द्र आचार्य डोबा के निवास स्थान से गणगौर शोभा यात्रा बाजे-गाजे के साथ प्रारम्भ होकर चूडी बाजार स्थित दाहिमा मंदिर पहुँचेगी । तत्पश्चात महिलाओं द्वारा ईसरजी, गौराजी की पूजा-अर्चना की जायेगी । रात्रि 7:31 बजे से अरुण दाधीच द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम होगा ।नवरात्रि महोत्सव के अन्तर्गत 2 अप्रैल को सायं 6:01 बजे से शत्रुघ्न दाहिमा एवं सहयोगियों द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन रहेगा । शुक्रवार 4 अप्रैल को रात्रि 9:01 बजे से माताजी का रातीजोगा कार्यक्रम स्वजातीय महिलाओं द्वारा किया जायेगा । शनिवार 5 अप्रैल को दाहिमा महिला मण्डल द्वारा मध्याह्न 1:01 बजे से मंगलपाठ तथा सायं 5:31 बजे से आचार्य एवं ब्राह्मणों द्वारा हवन किया जायेगा । रविवार 6 अप्रैल को राम नवमी महोत्सव पूजन एवं प्रातः 11:01 बजे से 4 से 10 वर्ष की कन्याओं का स्वजातीय बन्धुओं द्वारा कन्या पूजन किया जायेगा । इसके अतिरिक्त 31 मार्च एवं 1, 2, 3 व 4 अप्रैल को परिवार एवं गोत्र के नाम से सामूहिक दुग्धाभिषेक एवं कुंकुम अर्चना की जायेगी ।

बैठक में नवरात्रि महोत्सव 2025 का निमंत्रण पत्र का विमोचन किया गया । बैठक में उपाध्यक्ष रमेश गाँधी, मुख्य यजमान रामकुमार खेमचन्द करेशिया , सत्यप्रकाश डोबा, सुरेश खटोड़, नन्दकिशोर काकड़ा, श्यामसुन्दर तिवारी (एलआईसी), पवन जोपट, मधु-सूदन गोटेचा, मूलचन्द पाटोदिया, मनीष सूँठवाल, जगदीश करेशिया, राधेश्याम गोठड़ीवाल, रमाकान्त जोशी, महेश व्यास, राजेश दाहिमा (बोरायडा), मुरलीमनोहर तिवारी, संजयकुमार तिवारी, सागर जोपट, श्यामसुन्दर रतावा, नवनीत खटोड़, गणेश जोपट, राजेन्द्र बोरायडा, श्यामसुन्दर तिवाड़ी एवं अन्य उपस्थित थे ।

नवरात्रि महोत्सव के संयोजक श्यासुन्दर तिवाड़ी (एलआईसी), गणेश जोपट, पवन जोपट एवं महेश व्यास ने सभी समाज बन्धुओं से नवरात्रि महोत्सव अन्तर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों में सपरिवार पधारकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

श्री गायत्री संस्कृति वेद विद्यालय मोईनाबाद मेंबालयोगी श्री श्री 108 श्री महन्त अमृत दास खाकी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, विजय कुमार तोतला, शुभम तोतला, सत्यनारायण ,लव बोहरा, आचार्य आदित्य कुमार पाठक, आचार्य आकाश कुमार शुक्ला, आचार्य नीतेश कुमार त्रिपाठी ने वेदपाठी बच्चों के साथ मुलाकात की एवं उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्तारामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,भगतराम गोयल,महेश अग्रवाल,गोपाल गोयल,ई. जगन,विशाल अग्रवाल,शिवानी अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,संजय गोयल,राजेश योगा सरजी,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,श्याम सुन्दर अग्रवाल, एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप सेवा समिति द्वारा रामबाग अत्तापुर में आयोजित फाग रंग पंचमी कार्यक्रम व अन्न प्रसाद में भाग लेते हुये श्री परशुराम सेवा मंडल अध्यक्ष नवरतन इंदौरिया, भाजपा नेता बालाजी हिवरे व कार्यक्रम के आयोजक ठाकुर दिनेश सिंह, ठाकुर अर्जुन सिंह, ठाकुर विकास सिंह, ठाकुर सतीश सिंह, ठाकुर सुरेंदर सिंह, ठाकुर दतू सिंह एवं अन्य।

सहकारी संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट (आईसीएम) की सलाहकार समिति की बैठक राजेन्द्रनगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित के. सुरेन्द्र मोहन, आईएएस, आयुक्त सहकारिता, श्रीनिवास राव, अतिरिक्त सहकारिता आयुक्त, निदेशक आईसीएम आर. गणेशन, महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग एवं अन्य सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधी ।

श्री जागृति मित्र मंडल, भाग्यनगर द्वारा स्व. रघुनाथदास भालवाले के पौत्र एवं मोहनलाल भालवाले के पुत्र नीलेश भालवाले की स्मृति में सिटी कॉलेज के पास अन्नप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अवसर पर तरुण अग्रवाल, संजय भालवाले, कमल जैन, श्याम सुंदर, रूपेश, प्रवीण, अंकुर बंसल, नितिन, अमरीश, दीपक, रितेश, महेश, रोहित, अनिरुद्ध, संजय गांधी, हेमंत जैन, प्रदीप जैन, धीरज तिवारी आदि ने सेवा दी।

पार्टी को मजबूत करने में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका : टी. उमा महेंद्र

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेन्द्र ने कहा कि तेंलगाना में भाजपा को और मजबूत करने में सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए सोशल मीडिया प्रतिनिधियों को लगातार काम करना होगा।

बुधवार को राज्य सोशल मीडिया संयोजक कोम्माराजू सुमिरन और सह-संयोजक अक्कलदेवी अजय कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने टी. उमा महेंद्र से मुलाकात की और उनका स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए उमा महेन्द्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का विवरण सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाना चाहिए ताकि वे लोगों तक पहुंच सकें। सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता पैदा की जानी चाहिए ताकि सभी पात्र लोग केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठा सकें। पार्टी हाईकमान के आह्वान पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को समय-समय पर कार्योन्मुखी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्रतिनिधियों को सलाह दी कि यदि अन्य दलों के नेता और कार्यकर्ता उनकी पार्टी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार करते हैं तो वे तुरंत जवाब दें।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 91,570/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,03,595/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

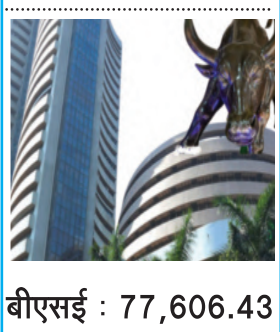

बीएसई : 77,606.43
+317.93 +0.41% ↑
एनएसई :23,591.95
105.10 (0.45%) ↑

बेगम बाजार स्थित जैन हाई स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रकार के स्वस्थ्य परिक्षण किये गये। जिसमें बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल नेत्र जांच, दंत जांच शामिल थे। इस अवसर पर अध्यापक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं ने लाभ उठाया। इस मौके पर पर उपस्थित जैन हाई स्कूल के प्रधान अध्यापक श्रीमान राजेश कुमार जैन, राजेश तोषनीवाल, संजय जैन, शैलेश एवं अपोलो हॉस्पिटल की पूरी टीम उपास्थित थी।

कुमावत समाज विकास संस्था पुणे से हैदराबाद पधारे बाबुलाल चांदोरा, राजुराम माल, प्रविण, रिंकेश मावर, सुनिल खरनालिया व थानारामहिन्दड़ का कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद के अध्यक्ष भाकरराम लारना एवं सचिव संजय कुमार बाकरेचा , प्रचार मंत्री बाबुलाल खुदाल, समाज सेवी पाबुराम पिपावत, भीयाराम मानणीया ने स्वागत एवं सम्मानित कर मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पत्रिका एवं विकास फाउंडेशन बुक ग्रहण की।

सरकारी उच्च विद्यालय में साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा

विद्यार्थियों को दिया गया आवश्यक सामान

हैदराबादा, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा गवर्नमेंट हाइ स्कूल , शाह इनायत गंज जुमेरात बाज़ार में रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में विद्यार्थियों को भोजन के समय बैठने की पातीयां भेंट की गई। साथ ही मिठाई व नमकीन की भी व्यवस्था की गई। विद्यालय के हेड मास्टर श्री सीत-ाराम शास्त्री जी ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।अवसर पर हिन्दी विभाग की शिक्षिका श्रीमती विद्या दवे श्री माली ने भी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए संस्था के सदस्यों को इस सेवा के लिए धन्यवाद दिया । इसी कड़ी में विद्यालय के राजेश सर ने भी विद्यार्थियों को अच्छा पढ़कर विद्यालय एवं देश का नाम रोशन कर संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया ।

इस सेवा कार्य में सहयोग गो-विंद अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राम गोपाल गुप्ता, दामिनी पाठक, नरेंद्र अग्रवाल का रहा अवसर पर सरला अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए अथक परिश्रम करने पर अपने विचार व्यक्त किए । अवसर पर आरती अग्रवाल, आयुष अग्रवाल , सरला अग्रवाल ने उपस्थित रहकर कार्य में सहयोग दिया ।

सीडीएफडी में राजभाषा हिन्दी कार्यशाला आयोजित

हैदराबादा, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र (सीडीएफडी) में राजभाषा हिन्दी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य संस्थान में हिन्दी को राजभाषा के रूप में बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में श्री एम. के. नागराजू, राजभाषा अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद ने हिन्दी में सरकारी और प्रशासनिक कार्य कैसे करें पर व्याख्यान दिया। सभी स्टाफ ने कार्यशाला में उत्साहपूरक भाग लिया। राजभाषा सलाहकार सुश्री वी.संतोषी दीपिका ने कार्यशाला में उपस्थित सभी का स्वागत किया।

हिन्दी संपर्क अधिकारी श्री बी. येसुदासु ने अपने संबोधन में कार्यशाला की पृष्ठभूमि और उससे अपनी अपेक्षाओं पर जोर दिया। उन्होंने स्टाफ को इस कार्यशाला में भाग लेकर, राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन के महत्व संबंधी ज्ञान पाने और इसका उपयोग दैनिक कामकाज में करने हेतु अनुरोध किया। उन्होंने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के संबंधी सकारात्मक दृष्टिकोण के बारे में साझा किया है।

मुख्य वक्ता श्री एम. के. नागराजू ने भारत सरकार की राजभाषा अधिनियम एवं राजभाषा नियम से सभी को अवगत कराया। उन्होंने अपने व्याख्यान में सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का महत्व पर प्रकाश डाला।

संसदीय राजभाषा समिति के प्रश्नावली के संबंध में सभी को अवगत कराया। उन्होंने हिन्दी भाषा के महत्व पर जोर देते हुए अपने मुख्य भाषण में समावेशिता और संवाद को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। उनकी प्रेरणादायक बातों ने उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति सभी को प्रोत्सहित करते हुए अपना व्याख्यान प्रस्तुत की है।

कार्यशाला में हिन्दी में प्रश्न–ोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जो उपस्थित स्टाफ के लिए एक दिलचस्प पहलू लेकर आई। इस गतिविधि ने न केवल उनकी भाषा संबंधित ज्ञान की परीक्षा ली बल्कि उत्साहपूर्ण और जीवंत माहौल भी पैदा किया। प्रतिभागियों ने उत्साह और उत्कृष्ट समझ का प्रदर्शन किया, जिससे यह कार्यक्रम सफल रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा सलाहकार वी.संतोषी दीपिका ने किया।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के शिक्षा मानकों पर चिंता जताई

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को विधान परिषद को संबोधित करते हुए राज्य में शिक्षा की बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डाला और तत्काल सुधार की मांग की।2021 के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि कक्षा 3 और 5 के अधिकांश छात्र प्रमुख विषयों में बुनियादी योग्यता स्तर को प्राप्त करने में विफल रहे।

कक्षा 3 और 5 के लिए तेलुगु, अंग्रेजी और हिंदी में 36वां, गणित में 35वां स्थान, और पर्यावरण विज्ञान (ईवीएस) में 36वां स्थान।

उन्होंने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में तीव्र गिरावट की ओर इशारा किया, 2018 की तुलना में कम छात्र पढ़ और बुनियादी गणना करने में सक्षम हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी स्कूलों में नामांकन में 6.5 लाख छात्रों की गिरावट आई है।

स संकट से निपटने के लिए सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं: 10,000 शिक्षकों के रिक्त पद भरे गए, 36,000 शिक्षकों के लिए पारदर्शी स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की गई, और कौशल अंतर को दूर करने के लिए पहल शुरू की गई।रेवंत रेड्डी ने तर्क दिया कि शिक्षा संकट एक सामाजिक मुद्दा है, न कि केवल सरकार की विफलता। उन्होंने राजनीतिक दलों पर अपने हितों के लिए सुधारों को रोकने का आरोप लगाया और शैक्षणिक शुद्धिकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।कौशल विकास में सुधार के लिए सरकार ने निम्नलिखित कार्य किए हैं: युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना, ओलंपिक स्तर के प्रशिक्षण के लिए युवा भारत खेल विश्वविद्यालय और अकादमी की योजना बनाई गई। कोठागुडेम में एक खनन विश्वविद्यालय का प्रस्ताव रखा गया, और 100 निर्वाचन क्षेत्रों में आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में उन्नत करने का कार्य शुरू किया गया।मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि केवल वित्त पोषण से समस्या का समाधान नहीं होगा और शिक्षा सुधार नीतियों में जनता की भागीदारी का आग्रह किया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि आवश्यक हो तो शिक्षा विभाग को सीधे अपने अधीन रखा जा सकता है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर हम अभी कार्रवाई नहीं करेंगे तो हम भावी पीढ़ियों के साथ विश्वासघात करेंगे। उन्होंने तेलंगाना की शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया।

ब्रह्माश्री डॉ. पूरनम महेश्वर शर्मा सिद्धांती ने टीएससीएस का दौरा किया

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री शारदा पीठम अस्थाना वेदशास्त्र पंडित ब्रह्माश्री डॉ. पूरनम महेश्वर शर्मा सिद्धांती ने गुरुवार को शिवरामपल्ली स्थित थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसायटी (टीएससीएस) का दौरा किया। सोसायटी में अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल, मुख्य संरक्षक नरेश राठी, उपाध्यक्ष सुश्री रत्नावली, सचिव और सीईओ – टीएससीएस डॉ. सुमन जैन, कार्यकारी सदस्य श्रीनिवास के साथ–साथ कार्यरत कर्मचारी भी मौजूद थे। डॉ. महेश्वर शर्मा के दौरे का उद्देश्य थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग के क्षेत्र में संगठन के प्रयासों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना और प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करना था।

देवी बाग मंदिर में राम कथा सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बहादुरपुरा देवीबाग स्थित देवी फंक्शन हाल में श्रीमद् भागवत सेवा समिति भाग्यनगर के तत्वाधान में विगत 19 से 27 मार्च तक नौ दिवसीय श्री राम कथा पूर्णाहुति के साथ गुरुवार को विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कथा व्यास अशोकाचार्य महाराज द्वारा चौथी बार हैदराबाद में किए जाने वाली श्री राम कथा के नौवें दिन राम रावण युद्ध, श्री राम राज्याभिषेक एवं व्यास जी का पूजन बड़े ही धूम धाम से किया गया।

बाद में फूलो की होली में उपस्थित सभी भक्तो ने जमकर के होली खेली और भगवान के भजनों पे झूम उठे। और फिर श्री राम कथा के विश्राम के बाद दशांश हवन पूजा की गई।।जिसके बाद रखे गए भंडारे में हजारों भक्तो ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण करके भगवान श्री राम का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री मद् भागवत सेवा समिति भाग्यनगर के सभी सदस्य एवं भाग्यनगर के अनेक ब्राह्मणों और कई भक्तो के सहयोग से किए गए इस नव दिवस श्री राम कथा आयोजन में हजारों की संख्या में भक्तो ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इरिसेट में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 174वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी व दूरसंचार संस्थान / सिकंदराबाद में आज दिनांक 27.03.2025 को महानिदेशक श्री शरद कुमार श्रीवास्तव जी की अध्यक्षता में इरिसेट राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 174वीं बैठक, इरिसेट सभागृह में आयोजित की गई।

बैठक के आरंभ में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री शरद कुमार श्रीवास्तव जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इरिसेट में हो रही राजभाषा प्रगति की सराहना की और भविष्य में भी इसे बनाए रखते हुए वार्षिक कार्यक्रम की विभिन्न मदों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. उन्होने कहा कि सभी अधिकारीगण अपने दैनंदिन सरकारी काम–काज में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें. उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा निकाली जा रही पत्रिका इरिसेट दर्पण में मूल रूप से लिखी हुई आपनी रचनाएं भेजें।

पी. वी. राजाशेखर, अपर महानिदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि इरिसेट एक प्रशिक्षण संस्थान है, यहां पर उपलब्ध सभी आधुनिक संसाधनों का प्रयोग राजभाषा का प्रचार–प्रसार बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

सी.नीलकंठ रेड्डी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं वरिष्ठ आचार्य प्रशिक्षण ने अपने संबोधन में कहा कि सभी अधिकारी, संकाय सदस्य और कर्मचारी गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन का शत–प्रतिशत अनुपालन कर रहे हैं. राजभाषा कार्यान्वयन को सुचारू बनाने के लिए इस तिमाही से आरंभ हो रही विशेष पहल में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए अनुरोध किया है।इरिसेट संस्थान के सभी अधिकारी, संकाय सदस्य, अनुभाग / प्रयोगशाला प्रभारी तथा पर्यवेक्षक इस बैठक में उपस्थित थे. इस बैठक को सफलतापूर्वक संपन्न करने में इरिसेट राजभाषा अनुभाग के श्रीमती सल्मा शरीफ, वरिष्ठ अनुवादक, श्री राहुल कुमार साव, कनिष्ठ अनुवादक, ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

अखिलेश शर्मा, राजभाषा अधिकारी ने बैठक का संचालन किया और कार्यान्वयन के विभिन्न मदों पर विस्तार से चर्चा करते हुए राजभाषा से संबंधित रिपोर्ट पॉवर पाइंट के माध्यम से प्रस्तुत की।

ध्यान फाउंडेशन हैदराबाद गौशाला : बेसहारा गोवंश का आश्रय

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। धेनु सदनम् रायिणाम् (अथर्ववेद 11.1.34), गाय सभी वरदानों का स्रोत है।गाय एक विकसित प्राणी है और हर संस्कृति में इसे आदर दिया जाता है। इसे क्षति पहुँचाने के कर्मों का फल कठोर होता है। इसी प्रकार, गाय और उसकी संतान की सेवा से मिलने वाले लाभ अतुलनीय हैं, ध्यान फाउंडेशन के मार्गदर्शक गुरु जी अश्विनी बताते हैं।तेलंगाना में, ध्यान फाउंडेशन गौशाला की शुरुआत 2014 में यादगिरिगुट्टा मंदिर के गेट से 14 किलोमीटर दूर चल्लूर गाँव में 1000 वर्ग फुट के शेड के साथ 8 बचाई गई गायों से हुई थी। आज यह गौशाला 7 एकड़ भूमि पर फैली हुई है, जिसकी पूरी तरह से बाड़बंदी की गई है और यह वध से बचाए गए 1400 गोवंश का घर है। ध्यान फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा भोजन, आश्रय, पानी और दवाओं की आवश्यकताओं का पूरी तरह से ध्यान रखा जाता है। वित्तीय सहायता का बड़ा हिस्सा भी स्वयंसेवकों द्वारा दिया जाता है। गौवंश के कल्याण के लिए दस से अधिक श्रमिक और दो पैरा–वेट नियुक्त किए गए हैं। गौशाला परिसर में छह श्रमिक क्वार्टर, एक कार्यालय कक्ष और चिकित्सा भंडारण स्थान बनाया गया है।ध्यान फाउंडेशन गौशाला, जो चल्लूर में स्थित है, 12 से अधिक शेड, 6 पानी की टंकियों और 15 से अधिक चारागाहों से सुसज्जित है। यह गौशाला वध से बचाए गए आवारा, घायल, बीमार और अनाथ गोवंश का आश्रय है। इसके अतिरिक्त, यह ग्रामीणों और किसानों द्वारा छोड़े गए बूढ़े और अनुत्पादक गोवंश, साथ ही डेयरी मालिकों द्वारा त्याग दिए गए नर बछड़ों को भी आश्रय प्रदान करती है। ध्यान फाउंडेशन के स्वयंसेवक हरीश के अनुसार, गौशाला में गोवंश को सुख चारा, हरा चारा, गेहूं और चावल की भूसी, साइलेज, तेल खली, सरसों का तेल, दलिया और पूरक तत्वों से भरपूर पौष्टिक आहार दिया जाता है। यहां इन–हाउस पशु चिकित्सकों और पैरावेट्स की एक टीम द्वारा चिकित्सा देखभाल प्रदान की जाती है, और स्वयंसेवकों द्वारा व्यक्तिगत ध्यान और प्यार भरी देखभाल सुनिश्चित की जाती है। हरीश ने यह भी बताया कि कमजोर और घायल गोवंश के लिए मालिश और फिजियोथेरेपी की व्यवस्था भी की जाती है।

कचरा खाने वाले आवारा पशुओं के लिए प्लास्टिक हटाने की सर्जरी की जाती है। इसके अतिरिक्त, टूटे अंगों वाले गोवंश के लिए कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण किए जाते हैं और उन्हें उठाने के लिए विशेष मशीनों का उपयोग किया जाता है। इन्हीं प्रयासों के कारण, आज इस गौशाला को तेलंगाना की प्रमुख गौशालाओं में से एक माना जाता है।ध्यान फाउंडेशन, जो कसाइयों से बचाए गए गौवंश के पुनर्वास के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत है, ने एक मृत गौवंश के पेट में कई किलो प्लास्टिक पाया। फाउंडेशन ने अचानक मरने वाली कुछ बचाई गई गायों का पोस्टमार्टम भी कराया। इन चौंकाने वाली पोस्टमार्टम रिपोर्टों से पता चला कि एक मृत गाय के पेट में भारी मात्रा में प्लास्टिक और कीलें मौजूद थीं, जो उसकी मृत्यु का कारण बनीं।हरीश ने कहा कि यह जानकर दुख होगा कि गौवंश अपने छोटे से जीवनकाल में भी कठोर परिस्थितियों, दुर्व्यवहार और अक्सर घोर उपेक्षा और क्रूरता का शिकार होते हैं। गौवंश को बिना किसी एनेस्थीसिया के नियमित रूप से बधिया किया जाता है, उनके सींग काटे जाते हैं और उन्हें गर्म लोहे से दागा जाता है। खुले में छोड़े गए गौवंश कई महीनों तक अपना पेट भरने के लिए संघर्ष करते हैं, अक्सर मौसम की मार और अन्य खतरों का सामना करते हैं। फीडलॉट और बूचड़खानों में ले जाए जाने वाले गौवंश को अक्सर बिजली के झटके दिए जाते हैं, पीटा जाता है, लात मारी जाती है, घसीटा जाता है और लंबे समय तक भोजन और पानी से वंचित रखा जाता है। ट्रकों में बेरहमी से भरे जाने के कारण उनके अंग टूट जाते हैं; घायल और बीमार गौवंश को नियमित रूप से ट्रकों से खींचकर वध स्थलों तक ले जाया जाता है, जहाँ वध के तरीके आज भी आदिम और क्रूर बने हुए हैं। हरीश ने आगे बताया कि इन्हीं भयानक परिस्थितियों में गौवंश को गौशाला में लाया जाता है, जहाँ अनुभवी डॉक्टरों और समर्पित स्वयंसेवकों की देखरेख में उनका इलाज किया जाता है।

हम ग्रामीणों को मुफ्त गोबर देकर मदद करते हैं। हम जैविक खेती और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को भी बढ़ावा देते हैं और ग्रामीण लोगों को पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को गोमूत्र और गोबर से बनाने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित करते हैं, जो कि टिकाऊ जीवन की दिशा में एक कदम है। फाउंडेशन ने किसानों को भैंसें वितरित करके उन्हें आत्मनिर्भर बनने में भी मदद की है। कई किसानों ने प्रशंसा पत्र दिए हैं और फाउंडेशन और गौशाला से मिली मदद के लिए धन्यवाद देते हुए वीडियो बनाए हैं।अश्विनी गुरु जी के अनुसार, प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है कि वह अपने से कमजोरों की रक्षा और उनका पालन–पोषण करे। गुरु जी के इस सिद्धांत और प्रेरणा ने ही 45 से अधिक आश्रयों की स्थापना, 2000 से अधिक महिलाओं का सशक्तिकरण, वंचित बच्चों के लिए मुफ्त स्कूलों में शिक्षा की व्यवस्था, विभिन्न ग्रामीण विकास और स्थिरता संबंधी प्रयासों को बढ़ावा, 70,000 से अधिक मूक प्राणियों का बचाव और उनकी देखभाल, तथा विश्व स्तर पर जरूरतमंदों के लिए मुफ्त भोजन वितरण जैसे कार्यों को संभव बनाया है।ध्यान फाउंडेशन, जिसे कई संगठनों से राष्ट्रीय, राज्य और निजी पुरस्कार मिले हैं और जो भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के साथ पंजीकृत एक मान्यता प्राप्त पशु कल्याण संगठन है, तेलंगाना में दो गौशालाएँ चला रहा है, एक गाँव चेल्लूर, राजपेट में और दूसरी पेद्दाशापुर, गोलूरु रोड, शमशाबाद में, जो 3000 से अधिक बचाए गए, परित्यक्त, बीमार गोवंश का घर है।बीएसएफ के अनुसार, ध्यान फाउंडेशन एकमात्र संगठन हैं जो सीमाओं पर हमारे जवानों द्वारा तस्करों से बचाए गए गोवंश को परिवहन और पुनर्वासित करने के लिए आगे आया है। हम दुनिया के एकमात्र संगठन हैं जिसमें 90% गैर–दुधारू बूढ़े और अनुत्पादक नंदी और गौमाता हैं, हरीश ने कहा।

पं गोविंद लाल वेणुगोपाल व्यास के निवास पर गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कान्ता व्यास, बसंती व्यास,संगीता व्यास,किरण मडी,कोमल आसोपा,वंदना,प्रणाली,भारती लोया,किरण कांकाणी, उषा पल्लोड,राजश्री राठी एवं अन्य उपस्थित थीं।

अंतिम संस्कार जुलूस के कारण शहर के कई हिस्सों में यातायात जाम

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरुवार को हैदराबाद के कुछ हिस्सों में वाईएमसीए से श्रीकर उपकार की ओर जा रहे एक अंतिम संस्कार जुलूस के कारण यातायात जाम हो गया। हैदराबाद: 27 मार्च, गुरुवार को हैदराबाद के कुछ हिस्सों में वाईएमसीए से श्रीकर उपकार की ओर जा रहे एक अंतिम संस्कार जुलूस के कारण यातायात जाम हो गया।

इन क्षेत्रों से होकर यात्रा करने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन जंक्शनों से बचें तथा अन्य विकल्प तलाशें।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, K OPRASANA Spouse of Service No. 694695-S Ex Sgt K PRAVEEN KUMAR, R/o.H.No.30-1614/33, Flat No.301, Kalyani Residency, Suryanagar, opp Lane Mini Tank bund, Safilguda, Malkajgiri, Hyderabad-500056, Telangana have changed my name from K OPRASANA to PRASANNA KATIKELA vide affidavit dt:27-3-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, ARUNA KUMARI Spouse of CHAKRAVARAM PULLAM RAJU, R/o.Flat No. 105, Prasanth Heights, Prasanth Nagar, Kapra, ECIL Post, Hyderabad-500062, Telangana have changed my name from ARUNA KUMARI to ARUNA KUMARI CHAKRAVARAM vide affidavit dt:25-3-2025 before I Special Metropolitan Magistrate, Cyberabad, at L.B.Nagar.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No. 15716961K LNk JEROME KERKETTA of Unit:54 IDSR, C/o.56 APO hereby declare that my father name and DOB is changed from STEPHEN KERKETTA, DOB: 15-07-1960 to STEFAN KERKETTA, DOB:27-11-1959 and mother name & DOB is changed from JOSHPHINA, DOB:23-3-1963 to JOSFINA KERKETTA, DOB:25-12-1965 vide affidavit dt:27-3-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, 6496867L NK/ASH RETHEESH RS of Unit: 554 ASC BN, C/O: 56 APO, R/o KAILASAM, KANJIRAMPARA, Village: VAMANAPURAM, Post: ANAKUDI, Tehsil: NEDUMANGAD, Distt: THIRUVANANTHAPURAM, Kerala – 695606, I have changed my name from RETHEESH RS to RATHEESH RS, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 27-03-2025.

CHANGE OF NAME

I, 14870238P SEP/MT GAMFU of Unit : 554 ASC BN, C/O: 56 APO, R/o VILLAGE: YENUS, TEHSIL: MULTAI, DIST: BETUL, MADHYA PRADESH – 460661, I have changed my name from GAMFU to GAMFU PARIHAR, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 27-03-2025.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-JC-779009A Rank-NB SUB Name-Shailendra Bahadur Singh, Residing at Vill-Bansi Paran, PO-Bishundaspur, Teh-Dalmau Dist-Raebareli, PIN-229207, State-Uttar Pradesh. I have changed my Mother name from SENDA SINGH to GENDA DEVI and Date of Birth from (56 years) 01/07/1946 to 15/08/1944 Affidavit dated 27 March 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

गरमागरम बहस के बीच विधानसभा में तेलंगाना विनियोग विधेयक 2025 पारित

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य विधानसभा ने गुरुवार 27 मार्च को बजट सत्र के अंतिम दिन तेलंगाना विनियोग विधेयक 2025 पारित कर दिया।सदन में गरमागरम बहस देखने को मिली, दिन भर की बहस के दौरान सदस्य व्यक्तिगत बहस पर उतर आए, जो मुख्य रूप से राज्य के ऋण के इर्द-गिर्द घूमती रही।सदन को संबोधित करते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने तर्क दिया कि बीआरएस सरकार ने पहले निवेश पर रिटर्न और तेलंगाना में पैदा होने वाली संपत्ति को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक ऋण लिया था।विभिन्न रिपोर्टों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना की उधारी एफआरबीएम अधिनियम की सीमाओं के भीतर है और अन्य राज्यों और यहां तक कि अमेरिका जैसे विकसित देशों की तुलना में ऋण के संबंध में राज्य बेहतर स्थिति में है।

बहस का रुख तब बदल गया जब केटीआर ने कहा कि राज्य सरकार बदले की राजनीति कर रही है। तभी मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खड़े होकर कहा कि अगर उन्होंने बदले की राजनीति की होती तो बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के सभी परिवार के सदस्य या तो चेरलापल्ली या चंचलगुडा जेल में होते।

चेरलापल्ली जेल के हिरासत कक्ष में अपने अनुभवों को याद करते हुए, जब बीआरएस के सत्ता में रहने के दौरान ड्रोन के माध्यम से ली गई जनवाड़ा में एक शानदार फार्महाउस की तस्वीरें दिखाने के लिए उन पर अत्याचार किए गए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि छोटी सी हिरासत कक्ष में रात भर रोशनी भी जलाई जाती थी, जिससे उन्हें जेल में बिताए गए 16 दिनों के दौरान रात में सोने भी नहीं दिया गया।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि हालांकि बिना अनुमति के ड्रोन से तस्वीरें लेने पर सिर्फ 500 रुपये का जुर्माना था, लेकिन उस समय उन्हें थाने से जमानत लेने से रोकने के लिए दबाव डाला गया और उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

केटीआर ने सवाल किया कि क्या रेवंत रेड्डी किसी स्वतंत्रता संग्राम के लिए जेल गए थे, क्या रेवंत रेड्डी चुप रहेंगे अगर कोई ड्रोन का इस्तेमाल करके उनके घर पर कब्जा कर ले और उनकी पत्नी और बेटियों की तस्वीरें ले ले। केटीआर ने कहा कि अदालतें तय करेंगी कि किसी व्यक्ति को रिमांड पर भेजा जाएगा या नहीं।

राज्य के कर्ज के बारे में बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि सत्ता में आने के बाद पिछली बीआरएस सरकार से कांग्रेस सरकार को विरासत में मिला कुल कर्ज 8,19,151 करोड़ रुपये था, जबकि अविभाजित आंध्र प्रदेश में 2014 तक 16 मुख्यमंत्रियों द्वारा 90,160 करोड़ रुपये उधार लिए गए थे।

उन्होंने कहा कि पिछले पंद्रह महीनों में कांग्रेस सरकार द्वारा लिया गया कुल ऋण 1,58,041 करोड़ रुपये था, जिसमें से 1,53,359 करोड़ रुपये बीआरएस सरकार के दौरान संचित ऋणों पर मूलधन और ब्याज का भुगतान करने के लिए लिए गए थे।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के बारे में बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि मेदिगड्डा बैराज के निष्क्रिय हो जाने के बावजूद, येल्लमपल्ली परियोजना के माध्यम से सिंचाई प्रदान की गई, जिससे मल्लन्ना सागर, कोंडापोचम्मा सागर और केएलआईएस के अंतर्गत अन्य जलाशयों को पानी मिलता रहा, जिससे किसानों को पिछले एक वर्ष में भरपूर उपज प्राप्त करने में मदद मिली।

बीआरएस सरकार पर परियोजना के डिजाइन में बदलाव करके इसकी लागत 36,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करने का आरोप लगाते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि विफल और ध्वस्त परियोजना के लिए ठेकेदारों को 1.02 लाख करोड़ रुपये के बिल का भुगतान किया गया।

उन्होंने कहा कि एक बार सतर्कता और न्यायिक आयोग की रिपोर्ट आ जाए तो सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा कि परियोजना की विफलता के लिए कौन जिम्मेदार था।

रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा कि कोंडापोचम्मा सागर का पानी सीधे केसीआर के एर्रावल्ली स्थित फार्महाउस तक नहरों के माध्यम से ले जाया गया, जो विशेष रूप से उनके निजी लाभ के लिए खोदी गई थी। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर केएलआईएस के तहत निर्मित जलाशयों के पास अपने फार्महाउस बनाने का भी आरोप लगाया।

विधेयक पारित होने से पहले अपने समापन भाषण में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा 10 वर्षों में अनुसूचित जातियों, जनजातियों, पिछड़ी जातियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों के कल्याण पर राज्य बजट में रखे जाने के बावजूद कुल 70,474 करोड़ रुपये खर्च नहीं किए गए।

भट्टी ने पिछली बीआरएस सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि उसने बीआरएस सरकार के दौरान स्वीकृत कार्यों के लिए 1,59,940 करोड़ रुपये के बिलों का भुगतान करने का बोझ कांग्रेस सरकार पर डाल दिया, जिनके बिलों का भुगतान 10 वर्षों में नहीं किया गया, इसके अतिरिक्त लगभग 40,000 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं।

उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने सत्ता खोने के बाद सरकारी कर्मचारियों को वेतन के रूप में 5,000 करोड़ रुपये और पेंशनभोगियों को 5,000 करोड़ रुपये का भुगतान भी नहीं किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सत्ता संभालने के बाद वेतनभोगी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का 16,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया।उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार पर गुरुकुल स्कूलों के लिए प्रति वर्ष केवल 14 करोड़ रुपये का किराया देने का आरोप लगाया, जिनमें से 600 स्कूल पोल्ट्री फार्म, समारोह हॉल और बीआरएस सरकार के करीबी लोगों की इमारतों में चल रहे थे। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही ऐसे भवनों के मालिकों की सूची जारी करेंगे, जो सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार पर किराया न देने का आरोप लगाकर भवनों पर ताला लगाकर समस्या पैदा कर रहे हैं।भट्टी ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने अभी भी 186 करोड़ रुपये का किराया जारी किया है, ताकि बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो।भट्टी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने वर्तमान बजट में छह गारंटियों पर 56,084 करोड़ रुपये तथा विभिन्न वर्गों के कल्याण पर 1,44,156 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

बीआरएस सदस्यों के इस आरोप पर कि फसल ऋण पूरी तरह माफ नहीं किया गया, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक विधायक को गांववार उन किसानों की सूची देंगे जिनके कृषि ऋण माफ किए गए हैं, तथा वे स्वयं जाकर इसकी जांच करने के लिए स्वतंत्र हैं।सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव और भट्टी विक्रमार्क के बीच बहस के बाद स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार ने विधेयक को पेश करने और पारित करने का आह्वान किया, जो अंततः किया गया और बजट सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया।

एससी का नाम लेकर हाईकोर्ट के जज ने ही बोल दिया झूठ!

खारिज कर दी याचिका...मचा बवाल

बेंगलूरू, 27 मार्च (एजेंसियां)। अक्सर देखा गया है कि छोटी अदालतों में फैसले सुनाते समय बड़ी अदालतों के ज़रिए दिए गए फैसलों की मिसाल दी जाती है। कई बार वकील, तो कई बार जजों को ऐसा करते हुए देखा गया है। ये बहुत आम बात है लेकिन जरा सोचिए कि अगर कोई जज सुप्रीम कोर्ट के नाम से ऐसे फैसलों का जिक्र भरी अदालत में करे जो कभी सुप्रीम कोर्ट ने सुनाए ही नहीं, तो क्या होगा? हाल ही में एक ऐसा मामला कर्नाटक में सामने आया है।कर्नाटक हाई कोर्ट ने एक ट्रायल कोर्ट जज के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया है। जज पर आरोप है कि उन्होंने अपने आदेश में ऐसे फैसलों का हवाला दिया, जो हकीकत में कभी सुप्रीम कोर्ट या किसी अन्य अदालत में दिए ही नहीं गए थे। जस्टिस आर देवदास ने कहा कि सिटी सिविल कोर्ट के जज ने दो ऐसे फैसलों का जिक्र किया, जो न्यायालयों के रिकॉर्ड में मौजूद ही नहीं हैं। वादी पक्ष के सीनियर वकील ने भी साफ किया कि उन्होंने ऐसे किसी भी फैसले का हवाला नहीं दिया था। इस गंभीर मामले की जांच बहुत जरूरी है और इसे चीफ जस्टिस के सामने रखा जाएगा ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

यह मामला सम्मान कैपिटल लिमिटेड से जुड़ा है, जो एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है। कंपनी ने ट्रायल कोर्ट के 25 नवंबर 2024 के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। ट्रायल कोर्ट ने मंत्री इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के ज़रिए दाखिल मामले को वापस करने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि ट्रायल कोर्ट ने तीन ऐसे न्यायिक फैसलों का हवाला दिया, जो हकीकत में कभी दिए ही नहीं गए थे।

भारत में 284 अरबपति, कुल संपत्ति 98 लाख करोड़ !

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 284 हो गई है, जिनकी कुल संपत्ति 98 लाख करोड़ रुपए है। गुरुवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।'हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट फॉर 2025' से पता चलता है कि देश के सबसे धनी व्यक्तियों की कुल संपत्ति में पिछले एक साल में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अकेले देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 90 अरबपति हैं।

भारत वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति में बना हुआ है, अरबपतियों की संख्या के मामले में देश तीसरे स्थान पर है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। अमेरिका 870 अरबपतियों के साथ इस लिस्ट में टॉप पर है।हुरुन रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 175 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई है, जबकि 109 की संपत्ति में या तो गिरावट आई है या कोई बदलाव नहीं हुआ है।

एक भारतीय अरबपति की औसत संपत्ति अब 34,514 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, भारत में 40 वर्ष से कम आयु के सात अरबपति हैं, जिनमें से अधिकांश बेंगलुरु और मुंबई के हैं।ग्लोबल फ्रंट पर टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने पिछले साल 189 बिलियन डॉलर की कमाई के साथ सबसे बड़ी संपत्ति वृद्धि दर्ज करवाई। अरबपति ने पांच साल में चौथी बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना खिताब बरकरार रखा और वह 400 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाले पहले व्यक्ति बन गए।

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस 266 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मेटा के एआई और टेक्नोलॉजी में अपग्रेड में मजबूत निवेशक विश्वास के कारण पहली बार टॉप तीन में जगह बनाई।इस साल की हुरुन लिस्ट में मनोरंजन, खेल और सोशल मीडिया से भी नाम शामिल रहे। इनमें सिंगर जे-जेड, रिहाना, टेलर स्विफ्ट और पॉल मेकार्टनी शामिल रहे।अरबपति क्लब में जगह बनाने वाली खेल हस्तियों में माइकल जॉर्डन, टाइगर वुड्स, फ्लॉयड मेवेदर, लेब्रोन जेम्स, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी शामिल रहे। किम कार्दशियन वर्ल्ड रैंकिंग में शामिल होने वाली एकमात्र प्रभावशाली हस्ती रहीं।

यह कैसा पानी है? बंडलागुडा में दूषित पानी से हड़कंप

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दूषित जल आपूर्ति के मुद्दे ने एक बार फिर राज्य में हलचल मचा दी है, खासकर बंदलागुडा निगम की सीमा में। स्थानीय लोगों ने इस बात पर गहरी चिंता जताई है कि उन्हें दूषित पानी मिल रहा है, जबकि राज्य सरकार ने स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पहले भी कई प्रयास किए हैं।

बंदलागुडा को आपूर्ति किया जा रहा पानी हिमायत सागर जलाशय से आता है, और हाल की रिपोर्टों से पता चलता है कि पानी को ठीक से फ़िल्टर नहीं किया जा रहा है। राज्य सरकार ने वितरण से पहले पानी को शुद्ध करने के लिए हिमायत सागर में पाँच फ़िल्टर बेड स्थापित करने के लिए 6 करोड़ खर्च किए थे। हालाँकि, इस प्रयास के बावजूद, निवासी अब शिकायत कर रहे हैं कि उनके घरों में गंदा पानी पहुँचाया जा रहा है।

पिछले 20 दिनों से स्थानीय लोग चिंतित हैं क्योंकि उन्हें साफ, फ़िल्टर किए गए पानी के बजाय गंदा पानी मिल रहा है। इस स्थिति ने फ़िल्टर बेड की दक्षता और शुद्धिकरण प्रक्रिया को ठीक से बनाए रखने के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं।

बुधवार की सुबह हिमायत सागर गांव के लोगों ने जल बोर्ड अधिकारी गोविंद गौड़ के समक्ष शिकायत दर्ज कराई कि बंदलागुडा को सप्लाई किया जाने वाला पानी दूषित है। उन्होंने दूषित पानी पीने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों पर चिंता जताई और इस समस्या के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

प्रदूषित पानी पीने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। क्या अधिकारियों को हमारे स्वास्थ्य की चिंता नहीं है? निवासियों ने अपनी शिकायत में सवाल उठाया है। उन्होंने मांग की है कि फिल्टर बेड का पूरी तरह से निरीक्षण किया जाए और वितरण से पहले पानी को ठीक से शुद्ध किया जाए।

चिंताओं के जवाब में, जल बोर्ड के अधिकारी गोविंद गौड़ ने माना कि ऐसे मामले हो सकते हैं, जहाँ मटमैला पानी आता है, खासकर जब काम चल रहा हो। उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी की आपूर्ति की जाँच की जाएगी और स्वच्छ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सुधार किए जाएँगे।हिमायत सागर जलाशय से बंडलगुडा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न गांवों को प्रतिदिन लगभग 1.2 लाख लीटर पानी की आपूर्ति होती है। वितरित किए जाने से पहले पानी को फिल्टर करके शुद्ध किया जाता है, लेकिन स्थानीय लोग अधिकारियों से दूषित पानी के वितरण को रोकने के लिए त्वरित और अधिक प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं।

2025-26 में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लिए 9100 करोड का प्रावधान, लेकिन नये लाभार्थी का लक्ष्य निर्धारित नहीं

नई दिल्ली, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। संसद की एक समिति ने पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत तेल विपणन कंपनियों को फटकार लगाते हुये कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना:पीएमयूवाईः के लक्ष्यों को हासिल करने के बारें में लापरवाह नहीं होना चाहिए, क्योंकि देश में ऐसे कई गरीब परिवार है जो विभिन्न कारणों से अभी भी इस योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे है।

लोक सभा के श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे की अध्यक्षता में गठित पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संबंधी स्थायी समिति ने संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि तेल विपणन कंपनियां समन्वित तरीके से काम करके उन लाभार्थियों की पहचान करें जो अभी भी प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के दायरे से बाहर है और जल्द से जल्द आवश्यक तौर-तरीके तैयार करें ताकि योजना के तहत लाभ नए लाभार्थियों को निधारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध हो सके।

समिति ने यह भी सिफारिश की है कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रबंध करे कि निम्न मोबाईज नेटवर्क कवरेज वाले दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों सहित सभी पात्र लाभार्थी पीएमयूवाई के अंतर्गत कवर किये जाए।

श्री तटकरे ने रिपोर्ट में सरकार से सिफारिश करते हुये कहा कि इस योजना के लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके बीच रसोई गैस:एलपीजीः की प्रति व्यक्ति खपत बढ़ाने के लिए पांच किलो और 10 किलो के गैस सिलेंडर जारी किये जाये।

मंत्रालय ने बताया कि 2025-26 के बजट में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के क्रियान्वयन के लिए 9100 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना को मई 2016 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य देशभर के गरीब परिवारों को स्वच्छ रसोई ईंधन उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं जमा राशि रहित एलपीजी कनेक्शन प्रदान किये जाते है। इस साल एक जनवरी तक देशभर में 10 करोड़ 33 लाख पीएमयूवाई कनेक्शन जारी किये जा चुके है। 2025-26 के लिए पीएमयूवाई कनेक्शन के लिए कोई नया लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। समिति को मंत्रालय ने बताया कि 5 अक्तूबर 2023 से पीएमयूवाई लाभार्थियों द्वारा लिए जाने वाले 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी रिफिल पर लक्षित सब्सिडी में 100 रूपये की वृद्धि की है, जिससे सब्सिडी 200 रूपये प्रति सिलेंडर से बढ़कर 300 रूपये प्रति 14.2 किलोग्राम रिफिल हो गई है।

मिस्र में बड़ा हादसा! समंदर में 44 लोगों के साथ डूबी सबमरीन, 6 की मौत की आशंका

हर्गहाडा (मिस्र), 27 मार्च (एजेंसियां)। मिस्र के लाल सागर में हर्गहाडा शहर के समुद्री तट पर गुरुवार (27 मार्च) की सुबह में एक टूरिस्ट सबमरीन डूब गई। इस भयानक घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत और 9 लोगों की घायल होने की आशंका है ।बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के बाद करीब 29 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है और चार गंभीर रूप से घायलों के साथ अन्य सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिस्र के हर्गहाडा शहर के तट पर डूबे इस टूरिस्ट सबमरीन का नाम सिंदबाद था। इस सबमरीन में करीब 44 यात्री सवार थे, जो कि समुद्री तट पर हार्बर के पास गुरुवार (27 मार्च) की सुबह में डूब गई।

टीजीपीडब्ल्यूयू ने सहकार टैक्सी पहल के कार्यान्वयन का स्वागत किया

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में 'सहकार टैक्सी' पहल शुरू करने की घोषणा का स्वागत किया है। यह एक सहकारी-आधारित सवारी सेवा है जिसका उद्देश्य बिचौलियों को खत्म करना और ड्राइवरों के लिए उचित कमाई सुनिश्चित करना है।

टीजीपीडब्लूयू के संस्थापक अध्यक्ष शेख सलाउद्दीन ने कहा, हम सरकार से इस पहल के त्वरित और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं। गिग और प्लेटफ़ॉर्म कर्मचारी लंबे समय से शोषणकारी परिस्थितियों से पीड़ित हैं। एक सहकारी मॉडल एक उचित विकल्प प्रदान कर सकता है - जहाँ कर्मचारी अपनी शर्तें खुद तय करते हैं और अपने श्रम से सीधे लाभ उठाते हैं। हम सहकारी ढांचे को आकार देने में मौजूदा कर्मचारी यूनियनों और सामूहिकों को शामिल करने का भी आह्वान करते हैं।

'सहकार टैक्सी' योजना के तहत प्रस्तावित सहकारी मॉडल से ड्राइवरों को सेवा के संचालन में लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात रखने का अवसर मिलने की उम्मीद है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्णय बाहरी हितधारकों के बजाय श्रमिकों के सर्वोत्तम हित में लिए जाएं।

पारंपरिक राइड-हेलिंग सेवाओं के विपरीत, जहां एल्गोरिदमिक मूल्य निर्धारण और अपारदर्शी नीतियां अक्सर ड्राइवरों के लिए नुकसानदेह होती हैं, एक सहकारी संरचना आय और परिचालन में अधिक स्थिरता और पारदर्शिता प्रदान कर सकती है।

सहकार टैक्सी' की सफलता निर्णय लेने की प्रक्रिया में श्रमिकों की आवाज़ को शामिल करने पर निर्भर करेगी।

यह महत्वपूर्ण है कि सहकारी कॉर्पोरेट प्रभाव से स्वतंत्र रहे और वास्तव में अपने सदस्यों के हितों की सेवा करे। टीजीपीडब्ल्यूयू इसके कार्यान्वयन की बारीकी से निगरानी करेगा और अगर पहल श्रमिक सशक्तीकरण के अपने उद्देश्य से भटकती है तो चिंता जताने में संकोच नहीं करेगा, यूनियन शेख सलाउद्दीन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा।

हैदराबाद पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी में व्यवसायी से ठगे गए 9.5 लाख बरामद किए

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पुलिस ने एक व्यवसायी को 9,50,531 रुपये वापस दिलाए, जिनसे साइबर जालसाजों ने व्यापारिक अवसर के नाम पर ठगी की थी।

रिपोर्टों के अनुसार, जालसाजों ने हैदराबाद के 32 वर्षीय व्यवसायी को पंजीकरण शुल्क, प्रसंस्करण शुल्क और आईएसओ प्रमाण पत्र जारी करने सहित विभिन्न बहानों के तहत राशि हस्तांतरित करने के लिए राजी किया, और उसे अपने उत्पादों की उच्च बाजार मांग का आश्वासन दिया।

पैसा प्राप्त करने के बाद आरोपी ने सभी तरह के संपर्क बंद कर दिए, जिससे पीड़ित को धोखा महसूस हुआ।

शिकायत मिलने पर हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने आईटी अधिनियम की धारा 66 (सी) और 66 (डी) और बीएनएस की धारा 111 (2) (बी), 318 (4) और 319 (2) के तहत मामला दर्ज किया।

जांच दल ने आरोपियों को सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली से ढूंढ निकाला, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, 9,50,531 रुपये की पूरी राशि सफलतापूर्वक बरामद की गई और पीड़ित को वापस कर दी गई।

संपत्ति कर ब्याज पर 90 प्रतिशत छूट पाने के लिए 4 दिन शेष : जीएचएमसी

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने गुरुवार 27 मार्च को एक अधिसूचना जारी कर संपत्ति मालिकों को याद दिलाया कि वन टाइम स्कीम (ओटीएस) के तहत अपने संपत्ति कर का भुगतान करने और संचित बकाया ब्याज पर 90 प्रतिशत छूट का लाभ उठाने के लिए केवल चार दिन शेष हैं।

जीएचएमसी आयुक्त के. इलमबर्थी ने करदाताओं से 31 मार्च तक अपना बकाया भुगतान करने का आग्रह किया, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके।संपत्ति कर का भुगतान माई जीएचएमसी ऐप, नागरिक सेवा केंद्रों, ई-सेवा केंद्रों और घर-घर जाकर बिल जमा करने वालों के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।

टीजीएसपीडीसीएल के सहायक अभियंता रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी (टीजीएसपीडीसीएल) में कार्यरत एक सहायक अभियंता को सरकारी काम करने के लिए 30,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते रंगे हाथों पकड़ा गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने जीडीमेटला डिवीजन में कार्यरत सहायक अभियंता एस सुरेन्द्र रेड्डी को शिकायतकर्ता के भवन के लिए 11 केवी लाइन शिफ्ट करने और केबल बिछाने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी अधिकारी से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है।

मामला दर्ज कर लिया गया है। सहायक इंजीनियर को फिलहाल हैदराबाद के नामपल्ली में एसपीई और एसीबी मामलों की अदालत के प्रिंसिपल स्पेशल जज के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने चेर्लापल्ली जेल में 16 दिन की हिरासत को याद किया

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में चेरलापल्ली जेल में अपनी 16 दिनों की हिरासत का दर्दनाक विवरण साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ की गई अन्यायपूर्ण और अत्यधिक कार्रवाई पर प्रकाश डाला।एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने याद किया कि ड्रोन उड़ाने के लिए उन पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, लेकिन इसके बजाय उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, रिमांड पर भेज दिया गया और उच्च सुरक्षा वाले हिरासत कक्ष में रखा गया, जो आमतौर पर नक्सलियों और आतंकवादियों के लिए आरक्षित होता है।भारतीय कानून के तहत, सात साल तक की सज़ा वाले अपराधों के लिए आम तौर पर रिमांड की ज़रूरत नहीं होती; ज़मानत ही मानक प्रक्रिया है। हालाँकि, रेड्डी ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उन्हें चेरलापल्ली जेल में कैद करके अपनी कानूनी सीमाओं का उल्लंघन किया है।उन्होंने कहा, मुझे बिना किसी कारण के एक उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में रखा गया, 16 दिनों तक बिना किसी मानवीय संपर्क के अलग-थलग रखा गया। अन्याय के बावजूद, मैं अपने गुस्से से आगे बढ़ गया हूं और राज्य के कल्याण के लिए काम करना जारी रखा है।हिरासत कक्ष के अंदर के कठोर

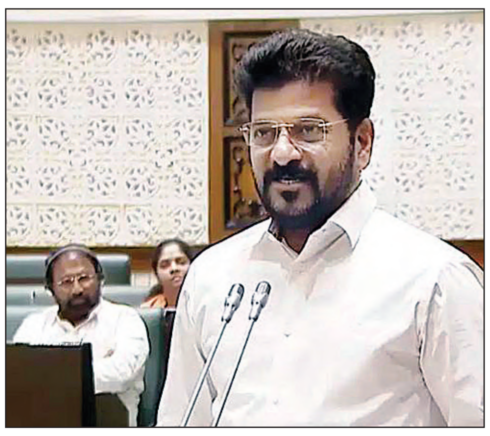

माहौल का वर्णन करते हुए रेड्डी ने कहा, अगर उन्होंने मुझे सोने से रोकने के लिए ट्यूबलाइट बंद नहीं की होती, तो मैं अभी भी आराम नहीं कर पाता। कोठरी में 20 से 30 बड़ी छिपकलियाँ थीं जो कीड़े खा रही थीं, जिससे सोना असंभव हो गया था।उन्होंने इस अनुभव की तुलना एक छोटे से बाथरूम में बंद होने से की, जिसमें बाहर देखने के लिए सिर्फ़ एक छोटी सी खिड़की थी। उन्होंने आगे कहा कि वे विधायकों और मंत्रियों को कोठरी के अंदर ले जाकर हालात को खुद देखने की पेशकश करेंगे।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि कोठरी के अंदर नींद की कमी के कारण, जब उन्हें सुबह-सुबह बाहर जाने की अनुमति मिलती थी, तो वे एक पेड़ के नीचे आराम करके सुकून पाते थे।इस कठिन परिस्थिति के बावजूद रेड्डी ने तेलंगाना की सेवा करने और यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि किसी भी नागरिक को इस तरह के दुर्व्यवहार का सामना न करना पड़े। उनकी टिप्पणियों ने न्यायिक अतिक्रमण और हिरासत में राजनीतिक हस्तियों के साथ व्यवहार के बारे में चर्चा को जन्म दिया है।

इस खुलासे से राजनीतिक हलकों और आम जनता में बहस छिड़ गई है, कई लोगों ने उनकी गिरफ़्तारी की परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं। रेड्डी के समर्थकों ने उनके खिलाफ़ इस्तेमाल किए गए अत्यधिक बल की निंदा की है, जबकि विपक्षी दलों ने न्यायिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की मांग की है।तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में, रेवंत रेड्डी राज्य के विकास की वकालत करते रहे हैं और कहते हैं कि चेरलापल्ली जेल में बिताए समय ने व्यवस्थागत सुधार लाने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के उनके संकल्प को और मजबूत किया है।

तेलंगाना ने 2023-24 में अनुमानित बजट का 79 प्रतिशत खर्च किया : कैग रिपोर्ट

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अनुमानित 2,77,690 करोड़ रुपये के बजट में से 2,19,307 करोड़ रुपये खर्च किए, जो अनुमानित व्यय का 79 प्रतिशत है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार 27 मार्च को वित्त एवं विनियोग खातों पर कैग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश की।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने स्वीकृत बजट से 1,11,477 करोड़ रुपये अधिक खर्च किए, जो 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कुल व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 15 प्रतिशत था।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सरकार ने 145 दिनों में

10,156 करोड़ रुपये का ऋण लिया तथा 35,425 करोड़ रुपये का ओवरड्राफ्ट लिया।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य सरकार ने ब्याज भुगतान पर 24,347 करोड़ रुपये और वेतन पर 26,981 करोड़ रुपये खर्च किए। कर राजस्व ने राज्य की कुल आय में 61.83 प्रतिशत का योगदान दिया।

779 करोड़ रुपये के राजस्व अधिशेष के साथ, 45 प्रतिशत राजस्व वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान के लिए आवंटित किया गया। तेलंगाना सरकार को वित्तीय वर्ष के दौरान केंद्र से 9,934 करोड़ रुपये का अनुदान भी मिला।

2023-24 के अंत तक राज्य का कुल बकाया ऋण 4,03,664 करोड़ रुपये था, जो जीएसडीपी के 27 प्रतिशत के बराबर था, जबकि सरकार समर्थित ऋण गारंटी 2,20,607 करोड़ रुपये थी। पिछले वित्तीय वर्ष (2022-23) में तेलंगाना ने 53,144 करोड़ रुपये का ऋण लिया था।

2023-24 के लिए पूंजीगत व्यय 43,918 करोड़ रुपये था। इसके अतिरिक्त, स्थानीय निकायों और अन्य संस्थाओं को 76,773 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हैदराबाद मेट्रो रेल चरण 2 को गहन मूल्यांकन की आवश्यकता है : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने गुरुवार 27 मार्च को कहा कि पांच कॉरिडोर वाले हैदराबाद मेट्रो चरण-2 परियोजना से संबंधित प्रस्ताव को कई स्तरों पर गहन मूल्यांकन से गुजरना होगा।कांग्रेस सांसद सुरेश कुमार शेतकर के प्रश्न के उत्तर में, आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने मेट्रो नीति-2017 के पैरा ई (3) में निहित वित्तपोषण विकल्प के अनुसार पांच गलियारों वाली हैदराबाद मेट्रो चरण -2 परियोजना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जो पीपीपी मॉडल के तहत कार्यान्वित मेट्रो चरण -1 परियोजना की मौजूदा परिचालन लाइन का विस्तार करता है। खट्टर ने बताया कि वर्तमान स्वरूप में प्रस्ताव को मौजूदा नीति के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार केन्द्र सरकार में विभिन्न स्तरों पर गहन मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना होगा तथा परियोजना की स्वीकृति ऐसी मूल्यांकन प्रक्रिया के परिणाम तथा संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

शेतकर ने यह भी जानना चाहा कि क्या तेलंगाना सरकार ने दो कॉरिडोर - भेल-लकड़ीकापुल और नागोल-एलबी नगर के संबंध में प्रस्ताव भेजा है, जिसकी लंबाई 26 किलोमीटर होगी और जिसकी लागत 9,100 करोड़ रुपये आएगी तथा रायदुर्ग से शमशाबाद हवाई अड्डे तक एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर के लिए 32 किलोमीटर की लागत 6,250 करोड़ रुपये आएगी, जिसमें यात्रियों के एक बड़े वर्ग की जरूरतों को पूरा करने और शहर के सभी हिस्सों में समान विकास को बढ़ावा देने के लिए कुछ संशोधनों का अनुरोध किया गया है। कांग्रेस सांसद ने इस पहल की प्रगति के बारे में पूछा।

कक्षा 10वीं के पेपर लीक मामले में छात्रा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कक्षा 10वीं परीक्षा पेपर लीक मामला अब उच्च न्यायालय पहुंच गया है , क्योंकि नलगोंडा जिले की एक छात्रा ने परीक्षा से उसे रोके जाने को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है ।

छात्रा झांसी लक्ष्मी ने नलगोंडा पेपर लीक घटना में कथित संलिप्तता के कारण परीक्षा देने से रोके जाने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था ।

कक्षा 10 की छात्रा झांसी लक्ष्मी ने दावा किया कि नकरेकल के

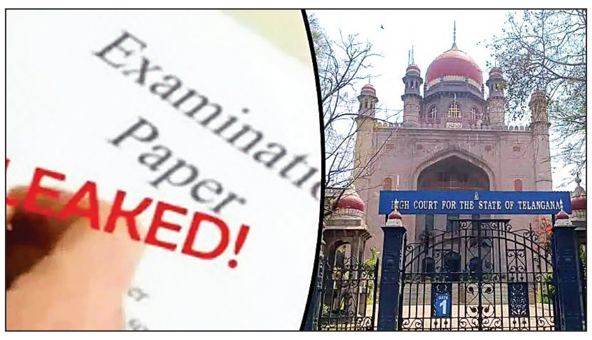

नागार्जुनसागर परीक्षा केंद्र में परीक्षा पत्र लीक होने के लिए उसे गलत तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया है ।अपनी याचिका में उसने कहा कि शिक्षा अधिकारियों ने उसकी बेगुनाही के बावजूद उसे अनुचित तरीके से प्रवेश से वंचित कर दिया ।उसने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसका परीक्षा से प्रतिबंध हटा दिया जाए तथा उसे शेष परीक्षाएं देने की अनुमति दी जाए ।उच्च न्यायालय ने प्रतिवादियों को 7 अप्रैल तक अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है । याचिका में निम्नलिखित लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है: सचिव, शिक्षा विभाग, सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नलगोंडा जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), मंडल शिक्षा अधिकारी (एमईओ), नकरेकल परीक्षा केंद्र के अधीक्षक।झांसी लक्ष्मी ने तर्क दिया कि उन्हें अधिकारियों और अन्य लोगों की गलतियों के लिए दंडित किया जा रहा है ।

उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया कि असली अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं , जबकि वह पेपर लीक कांड के परिणामों को अन्यायपूर्ण तरीके से भुगत रही हैं ।नलगोंडा जिले में तेलंगाना एसएससी परीक्षा के पेपर लीक ने विवाद को जन्म दिया, जिसमें कई गिरफ्तारियां और निलंबन हुए ।

अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं , लेकिन छात्रों को परीक्षा से वंचित करने से निष्पक्ष व्यवहार और जवाबदेही पर चिंताएं बढ़ गई हैं ।

टीजीआईसी ने होस्ट इंस्टीट्यूशन प्रोग्राम के लिए 18 कॉलेजों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य नवाचार प्रकोष्ठ (टीजीआईसी) ने बुधवार 26 मार्च को तेलंगाना के 18 कॉलेजों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करते हुए अपना मेजबान संस्थान कार्यक्रम शुरू किया है।इस पहल का उद्देश्य नवाचार प्रयासों को बढ़ाना और विकेन्द्रीकृत करना है, ताकि टीजीआईसी गतिविधियां पूरे राज्य में सुलभ हो सकें।इस कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रत्येक चयनित कॉलेज में नवाचार एवं उद्यमिता प्रकोष्ठ स्थापित किए जाएंगे।ये प्रकोष्ठ छात्र-नेतृत्व वाली पहलों और स्थानीय उद्यमिता के लिए केन्द्र के रूप में काम करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि टीजीआईसी की पहुंच अधिकतम प्रभाव के लिए प्रत्येक जिले तक फैले।टीजीआईसी के अंतरिम सीईओ मेराज फहीम ने एक स्थायी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में इस कदम के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने कहा, यदि हर स्तर पर नवाचार पनपता है, तथा तेलंगाना में पहुंच और प्रभाव सुनिश्चित होता है, तो मेजबान संस्थान कार्यक्रम एक शानदार सफलता होगी।नामित टीजीआईसी मेजबान संस्थान जमीनी स्तर पर नवाचार पहल के लिए प्रमुख चालक के रूप में कार्य करेंगे।उन्हें स्थानीय उद्यमिता प्रकोष्ठों के रूप में कार्य करने, जागरूकता सत्र आयोजित करने, उद्योग की सहभागिता को सुविधाजनक बनाने तथा छात्रों और स्थानीय नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाने के लिए टीजीआईसी से समर्थन प्राप्त होगा।समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले 18 कॉलेज शामिल हैं:-यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, केयू, कोठागुडेम-सुमति रेड्डी महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, हनमकोंडा-आरबीवीआरआर महिला कॉलेज, हैदराबाद

-सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज, हैदराबाद

-आरके डिग्री और पीजी कॉलेज, कामारेड्डी

-ज्योतिष्मथी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, करीमनगर-एससीआईटी खम्मम-जयप्रकाश नारायण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, महबूबनगर-बी.वी. राजू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्न-ेलॉजी, मेडक-गिर्राज सरकार. कॉलेज (ए), निज़ामाबाद-ट्रिनिटी डिग्री और पीजी कॉलेज, पेद्दापल्ली-जेएनटीयूएच यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, राजन्ना सिरसिला-तेलंगाना आदिवासी कल्याण आवासीय डिग्री कॉलेज फॉर विमेन, रंगारेड्डी-गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज सिद्दीपेट

-अनुराग इंजीनियरिंग कॉलेज, सूर्यापेट

-सरकारी डिग्री कॉलेज (सह-शिक्षा), वानापर्थी-तक्षशिला डिग्री कॉलेज, विकाराबाद।

भावभीनी श्रद्धांजलि

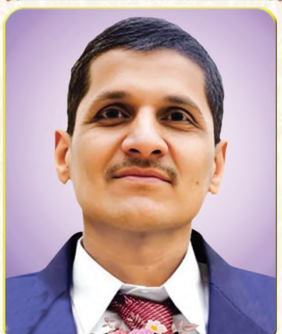

स्व. श्री राकेश कुमारजी अग्रवाल
(सुपुत्र : स्व. श्री रोशनलालजी अग्रवाल)
स्वर्गवास : सोमवार, दि. 17-3-2025
हृदय की गहराइयों से आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को, कभी न भुला पायेंगे हम ।।
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता
राजस्थानी मारवाड़ी समाज का सशक्त संगठन
राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद
अध्यक्ष : श्रीनिवास सोमाणी,
उपाध्यक्ष : प्रेमचन्द मुणोत, श्रीमती हेमलता शर्मा, श्रीमती शोभ डागा
मंत्री : महेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष : संजय राठी
सदस्यगण : रामदेव नागला, मनीष सोमाणी, रमेश मोदानी, अलका संकला, रीद्धिश जागीरदार, धर्मराम ढाका
राजस्थानी जागृति समिति, 4-8-131/2/P, साई नगर, अत्तापुर, हैदराबाद, मोबाइल : 9296545077

तेलंगाना सरकार स्त्री निधि के माध्यम से एक लाख करोड़ वितरित करेगी

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री डी. अनसूया (सीताक्का) ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना सरकार ग्रामीण महिलाओं में वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए अगले पांच वर्षों में स्त्री निधि के माध्यम से एक लाख करोड़ रुपये वितरित करने की योजना बना रही है।

भारतीय इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज, गाचीबोवली में स्त्री निधि परापति सहकारी समाख्या लिमिटेड की 12वीं आम बैठक में बोलते हुए उन्होंने 2011 में संस्थान की मामूली शुरुआत से लेकर 5,200 करोड़ रुपये के ऋण पोर्टफोलियो के साथ एक अग्रणी वित्तीय मॉडल तक के विकास पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, स्त्री निधि महिलाओं की सामूहिक शक्ति का प्रमाण है और इसकी सफलता में योगदान देने वाली प्रत्येक महिला प्रशंसा की हकदार है।सीताक्का ने बताया कि स्त्री निधि ऋण का उपयोग अब पशुधन खरीदने, लघु उद्योगों को सहायता देने और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं को न केवल स्वरोजगार करने के लिए बल्कि दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।उन्होंने जिला, मंडल और ग्राम महासंघों

से अपने सदस्यों को निजी साहूकारों और शोषक माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से बचाने का आग्रह किया तथा उन्हें ऋण के लिए स्त्री निधि और बैंकों पर निर्भर रहने की सलाह दी।मंत्री ने यह भी घोषणा की कि स्त्री निधि के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित मुख्यालय को ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आवंटित कर दिया गया है तथा संशोधनों के बाद यह शीघ्र ही चालू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जिला स्तर पर नई समाख्याएं स्थापित की जा रही हैं और स्त्री निधि इस पहल के लिए 22 करोड़ रुपये का योगदान देगी।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती गोविन्दी काबरा
(धर्मपत्नी : श्री रमेश काबरा)
स्वर्गवास : गुरुवार, दि. 28 मार्च 2024
हृदय की गहराइयों से आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम ।।
---- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता ----
श्रीनिवास (जेठ) रमेश (पति) गोविन्दलाल, ईश्वरप्रसाद (देवर) आनन्द, अभिषेक (जेठुते)
संतोष, लक्ष्मीनारायण, गोपाल, शुभम् (पुत्र) सर्वेश, यश, तनीष (पौत्र)
एवं समस्त काबरा परिवार
हरिराम रमेश काबरा
निवास : MIG-149, T.V. कॉलोनी, फेज़ 4, हनुमान मंदिर के पास, वनस्थलीपुरम, हैदराबाद.
फोन 7013134795, 9849842364
फर्म : सुरेखा एन्टरप्राइज़ेस
गोशामहल. फोन : 9848012473

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.